भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद बोले- राहुल गांधी एक गंभीर नेता नहीं -07

भारत की बेरोजगारी दर जी-20 देशों में सबसे कम, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने कहा-10

जेलेंस्की ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने का किया समर्थन-11

अब हमारा पूरा ध्यान एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप पर : हरमनप्रीत सिंह- 12

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.54

सूर्यास्त 06.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

अश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया 06:29 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 9 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 290, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

एनआईए ने पांच राज्यों और जम्मू-कश्मीर में 22 स्थानों पर मारे छापे

नई दिल्ली। एनआईए ने सोमवार को पांच राज्यों और जम्मू-कश्मीर में 22 ठिकानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई एक आतंकी साजिश से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में की गई। अधिकारियों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में नौ, बिहार में आठ, उत्तर प्रदेश में दो तथा कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में एक-एक स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में बारामूला, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा जिलों में कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई के संबंध में अभी और जानकारी नहीं मिल पाई है।

आरएसएस महासचिव एम्स-जोधपुर में भर्ती

जोधपुर/नई दिल्ली। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले को सोमवार को उच्च रक्तचाप के कारण अचानक बीमार पड़ने के बाद एम्स-जोधपुर में भर्ती कराया गया। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। चिकित्सकों की एक टीम आरएसएस के सरकार्यवाह होसबाले का इलाज कर रही है। एम्स जोधपुर के चिकित्सक के अनुसार, उनकी हालत बेहतर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। चिकित्सक ने कहा, दोपहर में होसबाले की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत एम्स लाया गया, जहां उनका रक्तचाप उच्च होने का पता चला। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार एवं मीडिया विभाग के प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि होसबाले अब ठीक हैं और पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

एयरलाइंस प्रतिनिधियों संग समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को एयरलाइंस उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक की जिसमें सुरक्षा, विमानों के बेड़े के प्रदर्शन और यात्री सुविधा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारी भी शामिल हुए। नायडू ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि इन नियमित समीक्षाओं को परिचालन संबंधी मामलों में निगरानी और समन्वय मजबूत करने के लिए संस्थागत रूप दिया गया है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करें।

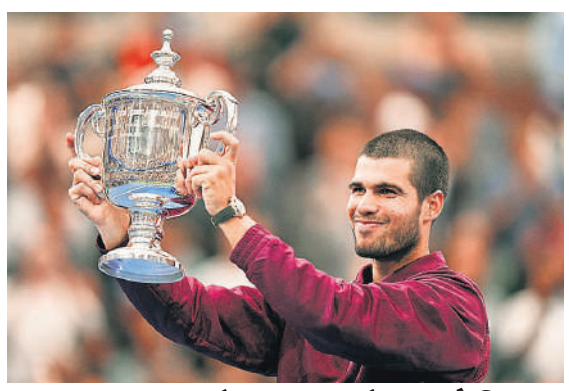

अल्काराज बने यूएस ओपन चैंपियन

न्यूयॉर्क, एजेंसी : स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने एथलेटिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इटली के स्टार यानिक सिनर को हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीत लिया। 22 वर्षीय इस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। अब वह विश्व टेनिस के शिखर पर पहुंच गए हैं। इस जीत के साथ अल्काराज ने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विंबलडन में जीत के बाद अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। विस्तृत खेल पेज पर

महाभारत के बहुत रिश्ते जेल में होंगे: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूर्ववर्ती सरकार एक पद पर चला रही थी कई नियुक्तियों का धंधा
- नियुक्तियों में भ्रष्टाचार की जल्द आएगी सीबीआई जांच रिपोर्ट: योगी

लखनऊ के लोकभवन में नव चयनित कनिष्ठ सहायकों और एक्स रे टेक्निशियनों को नियुक्ति पत्र वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में एकबार फिर भ्रष्टाचारियों पर सीधा हमला बोला। आरोप लगाया की पूर्ववर्ती सरकार एक पद पर कई नियुक्तियों का धंधा चला रही थी। उन्होंने ऐसे कई मामलों की सीबीआई जांच रिपोर्ट जल्द आने की जानकारी देते चेतावनी दी कि महाभारत के बहुत रिश्ते जेल में होंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने लोकभवन में सोमवार को 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में वर्ष 2016 समेत उससे पहले की भर्ती प्रक्रियाओं पर निशाना साधा। कहा कि हमें कई भर्तियों की जांच सीबीआई को देना पड़ा। एक व्यक्ति आठ-आठ जगह नाम लिखाकर पैसा लिए जा रहा था, जब जांच हुई तब पता चला। यह एक परिवार के वही लोग हैं, जो पैसा लेकर भर्ती करते थे और यूपी की जनता को लूटते थे। अभी भी जांच चल रही है। समय पर जांच हो जाएगी तो महाभारत के बहुत रिश्ते अपना बाकी जीवन जेल में बिताने को मजबूर होंगे। **अब डॉक्टर, दवा और बिजली तीनों एक साथ :** योगी ने कहा पहले अस्पताल बंद, डॉक्टर नहीं, दवा गायब और बिजली भी नहीं होती थी। आज हर जिले में आईसीयू, डायलिसिस, डिजिटल एक्सरे व ब्लड बैंक तक की सुविधा है। कहा, आप ईमानदारी से काम करें, किसी की सिफारिश से नहीं आए हैं।

मुख्यमंत्री के हाथों इन्हें मिला नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री के हाथों हरदोई की प्रीति, सुल्तानपुर से जनेश्वर द्विवेदी, सीतापुर से अंजू देवी, बाराबंकी से पुनीत, अयोध्या से काजल, लखनऊ से मो. रफद, लखनऊ से कनक, अंबेडकरनगर से नुरुद्दीन, गोरखपुर से अनुराधा, सीतापुर से राहुल, लखनऊ से कोमल, लखनऊ से सौरभ सिंह, बाराबंकी से स्नेहा वर्मा, सीतापुर से शिवशंकर, अयोध्या से प्रियंका, लखनऊ से विदित मौर्य, अंबेडकरनगर से सविता, रायबरेली से सोनू लाल नियुक्ति पत्र मिला। जबकि एक्सरे टेक्नीशियन सीतापुर से विश्वनाथ, लखनऊ से साक्षी, सीतापुर से मोहनलाल, सीतापुर से विपिन को नियुक्ति पत्र मिला।

नेपाल की संसद में घुसे प्रदर्शनकारी, पुलिस फायरिंग में 20 की मौत, 300 से ज्यादा घायल

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर सरकार के प्रतिबंध का विरोध, गृह मंत्री रमेश लेखक का इस्तीफा

काठमांडू, अमृत विचार नेटवर्क/ एजेंसी

- जेन जी के बैनर तले स्कूली छात्रों समेत हजारों युवाओं की दंगा-रोधी पुलिस के साथ झड़प

काठमांडू की सड़कों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में राजधानी काठमांडू और कुछ अन्य इलाकों में सोमवार को युवाओं ने हिंसक प्रदर्शन किया, जिसके दौरान कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने देश में मौजूदा हालात को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हालात बिगड़ने के बाद नेपाली सेना को राजधानी काठमांडू में तैनात किया गया।

सेना के जवानों ने नए बानेश्वोर में संसद परिसर के आसपास के रास्तों पर नियंत्रण कर लिया है। इससे पहले, काठमांडू में 'जेन जी' के बैनर तले स्कूली छात्रों समेत हजारों युवा संसद भवन के सामने इकट्ठा हुए और प्रतिबंध को तुरंत हटाने की मांग करते हुए सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवाओं का प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर में घुस गए, इसके बाद पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करना पड़ा। ये प्रदर्शन पोखरा, बुटवल, भैरहवा, भरतपुर, इटाहरी और दामक जैसे क्षेत्रों में भी हुए। नेपाली कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि गठबंधन सरकार में नेपाली कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले गृह मंत्री लेखक ने नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दिया है। लेखक ने शाम को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके आवास, बालुवाटर में आयोजित कैबिनेट बैठक में अपना इस्तीफा सौंप दिया। हिंसा के बाद, स्थानीय प्रशासन ने राजधानी के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया। (संबंधित पेज 6 पर)

हिंसा के बाद सोशल मीडिया पर से प्रतिबंध हटाया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश सोमवार को वापस ले लिया। नेपाल के संचार, सूचना एवं प्रसारण मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने घोषणा की कि सरकार ने कैबिनेट की एक आपात बैठक के बाद सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया है। तीन दिन पहले, नेपाल सरकार ने फेसबुक और ''एक्स'' समेत 26 सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था, क्योंकि वे पंजीकरण नहीं करा पाई थीं। मंत्री ने विरोध कर रहे ''जेन जी'' समूह से विरोध प्रदर्शन खत्म करने का अनुरोध किया।

भारत ने बढ़ाई चौकसी, नेपाल सीमा पर एसएसबी की टुकड़ियां कीं तैनात

लखनऊ। नेपाल के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सशस्त्र सीमा बल ने सीमा पर अतिरिक्त टुकड़ियों और सर्विलांस की तैनाती की है। भारत-नेपाल बॉर्डर की सुरक्षा एसएसबी के जिम्मे है और हालात को देखते हुए निगरानी और भी सख्त कर दी गई है। इस बीच इंटेलीजेंस विंग भी वहां की स्थितियों की टोह ले रहा है। नेपाल सीमा से यूपी के कुल 7 जिले पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज सटे हुए हैं। वहीं बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में कुल 243 किलोमीटर की खुली सीमा है। एसएसबी और स्थानीय पुलिस इस सीमा की निगरानी करती है।

पहचान के लिए आधार को बनाएं 12वां दस्तावेज

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार एसआईआर मामला

- निर्वाचन आयोग को निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का दिया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करे। फिलहाल, बिहार में एसआईआर के लिए 11 निर्धारित दस्तावेज हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने प्रपत्रों के साथ जमा करना होगा।

हालांकि, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता द्वारा प्रस्तुत आधार कार्ड संख्या की वास्तविकता का पता लगा सकता है। न्यायालय ने कहा कि कोई भी नहीं चाहता कि निर्वाचन आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि केवल वास्तविक नागरिकों को ही मतदान करने की अनुमति हो और जाली दस्तावेजों के आधार पर वास्तविक होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए। शीर्ष अदालत ने मतदाताओं से आधार कार्ड स्वीकार नहीं करने के लिए निर्वाचन अधिकारियों को जारी कि, गए कारण बताओ नोटिस पर भी आयोग से स्पष्टीकरण मांगा। आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि मसौदा मतदाता सूची में शामिल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.6 प्रतिशत ने दस्तावेज जमा कर दिए हैं और याचिकाकर्ताओं द्वारा 'आधार' को 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल करने के अनुरोध से कोई व्यावहारिक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। पीठ ने कहा कि यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है, लेकिन इसे पहचान के प्रमाण के रूप में माना जा सकता है।

मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, दो जवान शहीद

श्रीनगर, एजेंसी

- कुलगाम में तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर चलाई गोलियां, सेना का सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकियों में से एक के पाकिस्तानी नागरिक होने का संदेह है।

मुठभेड़ में सेना का एक मेजर भी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुडार वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया। तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाए जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए, जिनकी पहचान सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु के रूप में हुई। इसके अलावा सेना का एक मेजर भी घायल हो गया। गौड़ और सिंधु की मौत हो गई, जबकि मेजर की हालत स्थिर बताई गई है। सेना की कश्मीर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह देश के लिए कर्तव्य निभाते हुए बहादुर सैन्यकर्मियों सूबेदार प्रभात गौड़ और लेफ्टिनेंट कमांडर नरेंद्र सिंधु के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है।

मुख्तार के बेटे अब्बास की विस की सदस्यता बहाल

लखनऊ, अमृत विचार: बाहुबली स्व. मुख्तार अंसारी के पुत्र और मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता बहाल हो गई है। विधानसभा सचिवालय ने सोमवार को सदस्यता बहाली का आदेश जारी कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे ने उनकी सदस्यता बहाली का आदेश जारी कर दिया। बता दें कि मऊ से विधायक अब्बास अंसारी को स्थानीय अदालत ने बीती 31 मई को फौजदारी के मुकदमे में दो वर्ष की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी।

एसी में शॉर्ट सर्किट, तीन की गई जान

फरीदाबाद, एजेंसी

- फरीदाबाद में रविवार देर रात हुआ हादसा, पालतू कुत्ते की भी मौत, बेटे को पड़ोसियों ने बचाया

फरीदाबाद में सोमवार को एसी यूनिट में शॉर्ट सर्किट होने कारण इमारत में आग लगने से एक परिवार के तीन सदस्यों और उनके पालतू कुत्ते की मौत हो गई जबकि उनके बेटे को पड़ोसियों ने बचा लिया। इससे पहले पुलिस ने कहा था कि कमरे में लगे एसी का कम्प्रेसर फटने से आग लगी।

पुलिस के अनुसार ग्रीन फील्ड कॉलोनी के बी ब्लॉक में स्थित इमारत में आग लगने के बाद दम घुटने से सचिन कपूर (51), उनकी पत्नी रिंकू कपूर (48) और उनकी बेटी सुजैन (13) की मौत हो गई जबकि दंपत्ति के बेटे आर्यन कपूर (24) के पैरों में फ्रैक्टर हुए हैं और नजदीकी अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के जबलपुर के मूल निवासी सचिन लगभग 25 साल से फरीदाबाद में रह रहे थे और 'शेयर ट्रेडिंग' का काम करते थे। फ्लैट में रहने वाली रितु ने बताया कि वह रात करीब 3:15 बजे उठीं तो देखा कि बाहर एसी में आग लगी हुई है। कुछ ही मिनटों में आग दूसरी मंजिल तक फैल गई जहां कपूर परिवार रहता है। सचिन ने अपनी पत्नी और बेटी के साथ भागने की कोशिश की, लेकिन छत का दरवाजा बंद होने के कारण वे फंस गए जिससे उनकी मौत हो गई।

उपराष्ट्रपति कौन... आज होगा तय

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोस और रास के सदस्य अपने वोट के माध्यम से करेंगे फैसला
- सुबह 10 बजे से शुरू होगा मतदान, देर शाम तक नतीजे

लोकसभा व राज्यसभा के सदस्य मंगलवार को अपने वोट के माध्यम से यह फैसला करेंगे कि सीपी राधाकृष्णन और बी सुदर्शन रेड्डी में से देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा। राधाकृष्णन, सत्तारूढ़ राजग के उम्मीदवार हैं, जिनका सीधा मुकाबला विपक्ष के संयुक्त प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी से है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान मंगलवार 9 सितंबर को सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। मंगलवार देर शाम तक नतीजे घोषित होने की उम्मीद है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी ने कहा कि मतदान मंगलवार को संसद भवन के कमरा संख्या एफ-101, वसुधा में होगा। देश के 17वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में रास के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोस के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं।

वोटिंग से दूर रहेगी बीजद-बीआरएस

ओडिशा की प्रमुख विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने कहा कि उसके सांसद मतदान से दूर रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता वाली पार्टी ने कहा कि उसने राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस-नीत इंडिया गठबंधन से समान दूरी बनाए रखने की अपनी नीति के तहत यह फैसला लिया है। उधर, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि उनकी पार्टी नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी।

सख्ती मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर यूपी के सभी शिक्षण संस्थानों में मान्यता व प्रवेश की होगी जांच

राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की होगी सघन जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रत्येक जिले में विशेष जांच टीम बनेगी, कोर्सेज की सूची व स्वीकृति पत्र की होगी पड़ताल
- प्रक्रिया पर मंडलायुक्त रखेंगे नजर, 15 दिन के भीतर शासन को रिपोर्ट भेजना अनिवार्य

> यह कवायद सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य और शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है। जांच की पूरी प्रक्रिया पर मंडलायुक्त प्रत्यक्ष निगरानी रखेंगे। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। - **योगी आदित्यनाथ**, मुख्यमंत्री

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों की मान्यता व प्रवेश प्रक्रिया की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

जनपद स्तर पर जांच पूरी कर 15 दिन के भीतर शासन को समेकित रिपोर्ट भेजना अनिवार्य होगा। दरअसल, राज्य सरकार ने बाराबंकी में श्रीरामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय (एसआरएमयू) में सामने आई अनियमितताओं के बाद यह कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अब प्रत्येक मंडलायुक्त अपने-अपने मण्डल के तहत आने वाले सभी जिलों में विशेष जांच टीम गठित करेंगे। इन टीमों में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, एक पुलिस विभाग का अधिकारी और एक शिक्षा विभाग का अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होगा। यह टीम जमीनी स्तर पर जांच कर संस्थानों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की हकीकत सामने लाएगी। जांच के दौरान प्रत्येक शैक्षणिक संस्था से शपथ पत्र लिया जाएगा।

इसमें यह स्पष्ट करना होगा कि संस्थान केवल उन्हीं कोर्सों का संचालन कर रहा है, जिन्हें नियामक निकाय, विश्वविद्यालय या बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। इसके साथ ही, संचालित सभी कोर्स की सूची और उनके मान्यता-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि किसी भी छात्र का दाखिला बिना मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में नहीं होना चाहिए। यदि जांच में किसी संस्थान में अवैध प्रवेश या बिना मान्यता के कोर्स संचालित पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं, ऐसे संस्थानों को छात्रों से लिया गया संपूर्ण शुल्क ब्याज सहित वापस करना होगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि छात्रों का भविष्य किसी भी हाल में दांव पर नहीं लगाया जाएगा।

ब्याज सहित लौटानी होगी फीस

मुख्यमंत्री से आदेश पाते ही प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने सभी मंडलायुक्तों को जारी शासनादेश में कहा है कि जो भी शैक्षणिक संस्थान अवैधानिक प्रवेश या बिना मान्यता वाले कोर्स संचालित करते पाए गए तो उनके खिलाफ न केवल सख्त कानूनी कार्रवाई होगी बल्कि ऐसे संस्थानों को छात्रों से लिए गए पूरे शुल्क को ब्याज सहित वापस करना होगा।

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार,9 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

56 लड़कियों के अपहरण की जांच की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना ने लड़कियों के अपहरण पर एसआईटी बनाने की मांग की है। आराधना मिश्रा मोना अंबेडकर नगर लड़कियों के अपहरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। उन्होंने इस पत्र में कहा है कि अंबेडकर नगर में पिछले एक माह में अंबेडकर नगर के 18 थानों में 56 लड़कियों के अपहरण की प्राथमिक दर्ज की गई है, यह सामान्य घटना नही है। यह सुनियोजित बहुत बड़ी साजिश प्रतीत होती है, यह प्रकरण बहुत ही गंभीर है, इसकी घटना की उच्चस्तरीय एसआईटी गठित कर जांच कराई जाए।

अग्निवीर भर्ती में शामिल हुए 15,300 अभ्यर्थी

अमृत विचार, लखनऊ : सेना भर्ती कार्यालय मेरठ द्वारा 22 अगस्त से मुजफ्फरनगर के चौधरी चरण सिंह स्टेडियम में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली सोमवार को संपन्न हुई। मुख्यालय भर्ती क्षेत्र (उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) के तत्वावधान में आयोजित रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर क्लर्क/ एसकेटी, अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन श्रेणियों की प्रक्रिया कराई गई। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 13 जिले सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, रामपुर, मुरादाबाद, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर, बागपत, गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ के 15,300 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

बाढ़ पीड़ितों को नहीं मिल रही राहत : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव और कई नगरीय क्षेत्र बाढ़ से घिरे हैं। कई जिलों में बाढ़ से स्थिति खराब है। बाढ़ से आम जनजीवन संकट में है। लोगों को खाना-पानी, दवा-इलाज नहीं मिल रहा है। इस संकट की घड़ी में सरकार कहीं दिखाई नहीं दे रही है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री योगी का हवाई सर्वेक्षण सिर्फ बाढ़ पर्यटन बनकर रह गया है।

उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब को भेजी 48 ट्रकों में राहत सामग्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने ट्रकों को दिखाई हरी झंडी
- उत्तराखंड व हिमाचल को दी अतिरिक्त सहायता राशि

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए राहत सामग्री से भरे 48 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि राहत सामग्री केवल सहायता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की अहम कड़ी है। मुख्यमंत्री ने अलग से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी दी। योगी ने कहा कि इस सहायता को पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर बृजेश सिंह उत्तराखंड जाएंगे, जबकि मंत्री जसवंत सैनी हिमाचल प्रदेश की राहत सामग्री और धनराशि लेकर जाएंगे। पंजाब के लिए सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुम्बर जाएंगे। ये प्रतिनिधि वहां जाकर उत्तर प्रदेश वासियों की संवेदना प्रेषित करेंगे और सामग्री सौंपेंगे।

समय पर तैयारी से बाढ़ से बचा यूपी : योगी

प्रदेश में बाढ़ को सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए योगी ने विभिन्न क्षेत्रों का जिक्र किया, जहां बाढ़ आई है। बताया कि इस वर्ष बाढ़ से अपेक्षाकृत कम क्षति हुई है, जिसका श्रेय समय पर की गई तैयारियों और मजबूत आपदा प्रबंधन को जाता है। उन्होंने बताया कि यमुना, गंगा, सरयू, घाघरा, रामगंगा और हिंडन जैसी नदियों के किनारे बाढ़ प्रबंधन की मजबूत व्यवस्था की गई, जिससे जन-धन की हानि रोकी जा सकी।

छह जिलों में सीएमओ बदले

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में छह जिलों में नए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति दी गयी है। संयुक्त निदेशक ग्रेड के अधिकारियों में सुल्तानपुर में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ.राधा वल्लभ को मथुरा का मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बनाया गया है। इसी प्रकार संतकबीर नगर के डॉ.भवनाथ पाण्डेय को हरदोई में, बागपत की एसीएमओ डॉ.दीपा सिंह को रामपुर में, महाराजगंज में एसीएमओ डॉ.राजेन्द्र प्रसाद को एटा, जालौन के डॉ.ननकू राम को आजमगढ़ और आगरा जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ.चंद्र प्रकाश को कुशीनगर का सीएमओ बनाया गया है।

फर्जी प्रपत्रों से नौकरी करने वाले छह अर्पित सिंह के खिलाफ एफआईआर

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद स्वास्थ्य विभाग में अर्पित सिंह के नाम पर विभिन्न जिलों में नौकरी करने वाले छह एक्स-रे टेक्नीशियनों के खिलाफ निदेशक पैरामेडिकल डॉ.रंजना खरे द्वारा वजीरगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है।

एफआईआर में आरोप है कि एक ही अर्पित सिंह पुत्र अनिल सिंह के नाम के छह अलग-अलग व्यक्ति सेवाएं दे रहे हैं, सभी के आधार कार्ड संख्या पृथक हैं मगर उम्र व पता समान हैं। मामले की जांच के लिए जांच अधिकारी विनोद कुमार सिंह को नामित किया गया है, जिन्होंने आरोपियों की पड़ताल अपने स्तर से शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की निदेशक पैरामेडिकल डॉ.रंजना खरे की तहरीर पर, बलरामपुर, फर्रुखाबाद, रामपुर, बांदा, अमरोहा एवं शामली में सेवाएं देने वाले अर्पित सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कूटरचित दस्तावेजों के जरिये नौकरी हासिल करने व विभाग को आर्थिक क्षति पहुचाने के आरोप में कार्रवाई की मांग की गई है।

संशोधित नियुक्ति पत्र की संभावना

स्वास्थ्य महानिदेशालय मे सोमवार को दिन भर बैठकों का दौर जारी रहा, मामले में अधिकारियों द्वारा दस्तावेज खंगाले जाते रहे। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि फर्जीवाड़े की पटकथा संशोधित नियुक्ति पत्र के जरिए लिखी गयी है। तत्कालीन निदेशक पैरामेडिकल डॉ.ए सी त्रिपाठी द्वारा तैनाती संबन्धी कार्यालय ज्ञाप जारी किया गया था, जिसमें आयोग द्वारा प्राप्त अभ्यर्थियों की सूची भी भेजी गयी थी। अपुष्ट खबर है कि आरोपित सभी अर्पित सिंह में कई के प्राप्त दस्तावेजों में संशोधित नियुक्ति पत्र का मामला सामने आया है। जिसमें संशोधित पत्र के जरिए अर्पित सिंह को अन्य जिले में तैनाती दी गयी है।

मोदी करेंगे उद्घाटन, रूस करेगा भागीदारी

यूपीआईटीएस-2025 : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की तैयारी की समीक्षा, दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के 'क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर' को दुनिया के व्यापारियों और उद्यमियों के सामने पेश करने वाला उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) तीसरे संस्करण के साथ 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा। तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस बार रूस भागीदार देश के रूप में शामिल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास पर देर शाम तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि ट्रेड शो प्रदेश की वैश्विक ब्रांडिंग और निर्यात को नई पहचान देगा। आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन, ऊर्जा और ओडीओपी सेक्टरों के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम स्वनिधि और पीएम इंटर्नशिप कार्यक्रम पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई के अनुसार, इस बार 2500 से अधिक एक्ज़िबिटर्स और 500 से अधिक विदेशी खरीदार पंजीकृत हैं। पद्म पुरस्कार प्राप्त उद्यमियों और शिल्पकारों को भी आमंत्रित किया गया है।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के संबंध में बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

विशेष आकर्षण

- खादी केंद्रित फैशन शो मुख्य आकर्षण
- बायर-सेलर मीट में सीएम फेलो करेंगे सहयोग
- हर दिन विशेष नॉलेज सेशन : $1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स, बीमा, नीली क्रांति, ओडीओपी, आयुष्मान भारत
- एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, आईआईटी कानपुर और उद्योग जगत का सहयोग

अंत्योदय से राष्ट्रोदय का साकार रूप होगा सेवा पखवाड़ा, योगी ने की तैयारी की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रस्तावित सेवा पखवाड़ा की तैयारियों की समीक्षा की। यह पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू होकर 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती और 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' की भावना का साकार रूप है। इस दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, खेलकूद प्रतियोगिताएं, चित्रकला प्रतियोगिता और 'वोकल फॉर लोकल' के तहत मेले-प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी सेवा भाव से सक्रिय रूप से भाग लें। स्वच्छता अभियान पहले दिन से प्रारंभ हो ताकि नवरात्रि से पूर्व प्रदेश साफ-सुथरा रहे।

अब नौकरी पाने के लिए न सिफारिश चाहिए, न रिश्वत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चयनित अभ्यर्थी बोले, सिर्फ मेहनत से मिली है ये जगह

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली उप्र सरकार के मिशन रोजगार अभियान का व्यापक असर अब जमीन पर दिख रहा है। शनिवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग में चयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों और 22 एक्सरे टेक्नीशियनों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर चयनित युवाओं ने पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, भ्रष्टाचारमुक्त और योग्यता आधारित बताया।

मुख्यमंत्री की यह पहल न केवल रोजगार की गारंटी बन रही है, बल्कि विश्वास की बहाली का प्रतीक भी है। युवाओं का यह विश्वास बता रहा है कि यूपी में अब काबिलियत की जीत और ईमानदारी का राज है। कार्यक्रम के दौरान चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि योगी सरकार में नौकरी अब सिफारिश या पैसे से नहीं, बल्कि सिर्फ काबिलियत और मेहनत से मिलती है।

अब काबिलियत ही पासपोर्ट : श्रद्धा

अयोध्या की श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि पहले की सरकारों में नौकरी के लिए पैसे देने पड़ते थे। अब वह दौर बीत गया है। एक रुपये की भी सिफारिश या रिश्वत नहीं दी, फिर भी नौकरी मिली। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आभारी हूं कि उन्होंने युवाओं को ईमानदारी से आगे बढ़ने का अवसर दिया।

सरकार ने हमारे भविष्य को दिशा दी : वैभव

सीतापुर से चयनित कनिष्ठ सहायक वैभव मिश्रा ने कहा कि सरकार युवाओं के प्रति समर्पित है। योगी का नेतृत्व युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाला है। यह कार्यक्रम उसका प्रमाण है। हर कदम पर पारदर्शिता रही। यही नया उत्तर प्रदेश है।

नौकरी के लिए सिर्फ मेहनत काफी : पंखुड़ी

सीतापुर की पंखुड़ी गुप्ता ने बताया कि मेरे लिए सरकारी नौकरी एक सपना थी, जो अब हकीकत बनी। और ये सपना सिर्फ मेरी मेहनत और सरकार की निष्पक्षता से पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री जी को दिल से धन्यवाद।

महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान दोनों : आदित्य

अयोध्या के आदित्य पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के कारण महिलाओं को भी बड़ी संख्या में नौकरियां मिली हैं। सरकार रोजगार के साथ-साथ सुरक्षा देने में भी संवेदनशील है। महिलाओं का आत्मविश्वास दोनों बढ़े हैं।

नई बिजली दरें लागू, ट्रांसमिशन टैरिफ में बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य में बिजली के ट्रांसमिशन टैरिफ पर सोमवार को मुहर लगा दी है।

यह टैरिफ यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) की याचिका के आधार पर निर्धारित किया गया है। नई व्यवस्था में अब प्रति यूनिट ऊर्जा के बजाय क्षमता के आधार पर टैरिफ लगाया जाएगा। इस बदलाव से रेलवे, ओपन एक्सेस और निजी लाइसेंसधारियों पर असर पड़ेगा। आयोग के सचिव सुमित कुमार अग्रवाल की ओर से जारी विस्तृत आदेश में कहा गया है कि राज्य के डिस्कॉम और भारतीय रेल से 2,13,284.55 रुपए प्रति मेगावाट प्रति माह की दर से शुल्क लिया जाएगा। वहीं, अन्य ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं को 0.2674 रुपए प्रति किलोवाट घंटा के हिसाब से भुगतान करना होगा। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने टैरिफ निर्धारण पद्धति में यह बदलाव मल्टी ईयर टैरिफ फॉर ट्रांसमिशन विनियम, 2025 के अनुरूप किया है। इस योजना में सभी ट्रांसमिशन लाइसेंसधारियों की लागत को एक साथ जोड़कर वितरण लाइसेंसधारियों और अन्य ट्रांसमिशन सेवा उपयोगकर्ताओं के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।

अनिल मिठास की 100 करोड़ की संपत्ति जब्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : रियल एस्टेट कारोबारी अनिल मिठास के खिलाफ सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। उनकी 100.06 करोड़ की संपत्ति को जब्त कर लिया है। अनिल मिठास उन्नति फार्च्यून होल्डिंग्स लि. के मुख्य प्रमोटर हैं। कंपनी के खिलाफ दस मामले दर्ज हैं। उनको ईडी ने अप्रैल में गिरफ्तार किया था।

प्रवर्तन निदेशालय ने यूपी पुलिस द्वारा दर्ज की गई 10 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जिसमें यूएफएचएल अनिल मिठास, मधु मिठास और कंपनी के एंड सीट्स अधिकारियों पर धोखाधड़ी और हेरा फेरी का आरोप लगाया था, इसके बाद अनिल मिठास को गिरफ्तार किया है। ईडी की अब तक की जांच में सामने आया कि प्रमोटर अनिल मिठास ने करीब 126.30 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है। यह रकम 2011 से 2019 के बीच निवेशकों और घर खरीदारों से जुटाई गई थी। धन शोधन के लिए इक्विटी इन्वेस्टमेंट, शेयर, डिबेंचर लोन, एडवांस्ड और सिक्योरिटी डिपाजिट जैसे जटिल वित्तीय साधनों में प्रयोग किया गया था। ईडी ने इस मामले में 16 अप्रैल 2025 को अनिल मिठास को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। 17 अप्रैल 2025 को संबंधित परिसरों पर छापामारी की गई है।

हाईकोर्ट में दो नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को अधिवक्ता अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला ने न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण की। इनके शपथ ग्रहण के साथ ही मुख्य न्यायाधीश सहित हाईकोर्ट में वर्तमान न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है।

हालांकि हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 160 है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मार्च 2025 में दोनों अधिवक्ताओं के नाम न्यायाधीश के पदों पर पदोन्नति के लिए अनुशंसित किए थे। इससे पहले, पिछले सप्ताह अधिवक्ता अरुण कुमार ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ ली थी। गौरतलब है कि 1 सितंबर, 2025 को अपनी बैठक में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए 14 न्यायिक अधिकारियों और 12 अधिवक्ताओं के नामों की भी सिफारिश की है।

योगी ने जनता दर्शन में अफसरों को दी चेतावनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर जनसेवक को जनता के साथ मर्यादित व्यवहार करना चाहिए। दुर्व्यवहार किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 50 से अधिक फरियादियों ने मुख्यमंत्री से अपनी समस्याएं साझा कीं। 'जनता दर्शन' में ज़मीन से जुड़े विवादों की भरमार रही। योगी ने मरीजों को आर्थिक मदद, दिव्यांगों को योजनाओं का लाभ और बच्चों को पढ़ाई में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

दिव्यांग को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक देते मुख्यमंत्री योगी।

अयोध्या में दीप प्रज्ज्वलन का बनेगा नया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या में 19 अक्टूबर को 26 लाख से अधिक दीये जलाकर दीपोत्सव-2025 मनाया जाएगा, जो कि नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होगा, इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू तट, राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर दीयों की शृंखला से अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। राम नगरी का दीपोत्सव एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभागीय तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इस वर्ष भी सरयू नदी पर सबसे बड़े दीप प्रज्वलन एवं सबसे बड़े आरती समारोह का आयोजन होगा।

भाव न मिलने से आलू की निकासी धीमी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नवंबर तक खाली करने हैं शीतगृह, अब तक सिर्फ 30 फीसद निकासी
- औसत भाव करीब 1060 प्रति क्विंटल, बाढ़ व बारिश का रहा असर

अमृत विचार : प्रदेश में आलू का उचित भाव न मिलने के कारण शीतगृह से निकासी की रफ्तार धीमी हो गई है। बारिश और बाढ़ की वजह से भी किसान और व्यापारी बाहरी राज्यों में आलू नहीं भेज पा रहे हैं। इससे 2,238 शीतगृह में भंडारित आलू 30 फीसदी ही निकल पाया है। जबकि किसानों को नई फसल के लिए नवंबर में सभी शीतगृह खाली करने हैं।

इस वर्ष प्रदेश में 6.98 लाख हेक्टेयर में सर्वाधिक 245.915 लाख मीट्रिक टन आलू की पैदावार हुई थी। किसानों ने मार्च और अप्रैल के बीच 2,238 शीतगृह में 154.5 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण किया। शुरुआती दौर में भाव अच्छा मिलने पर किसानों ने तेजी से निकासी करके बिक्री की। लेकिन, बारिश के दौरान भाव कम होकर औसतन 1060 प्रति क्विंटल पहुंच गए। किसानों ने आगे भाव बढ़ने की उम्मीद लगाकर शीतगृह से आलू की निकासी कम कर दी। इधर, बारिश और बाढ़ की वजह से भी निकासी कम हो गई। इन हालातों के बीच 31 अगस्त तक शीतगृहों से मात्र 46.67 लाख मीट्रिक टन (30 फीसदी) ही आलू की निकासी हो पाई। जबकि पिछले वर्ष किसानों ने कुल 139.39 लाख मीट्रिक टन भंडारित आलू में 31 अगस्त तक 52.48 लाख मीट्रिक टन निकासी कर ली थी। इधर, नवंबर से आलू की बोवाई शुरू हो जाएगी। इससे पहले किसानों को नई फसल रखने के लिए सभी शीतगृह खाली करने की चिंता सता रही है।

इन वर्ष में ये आच्छादन और पैदावार

वर्ष	बुवाई (हेक्टेयर)	उत्पादन (एमटी)
2020-21	6.20 लाख	159 लाख
2021-22	6.93 लाख	242 लाख
2022-23	6.94 लाख	242 लाख
2023-24	6.96 लाख	243 लाख
2024-25	6.98 लाख	245 लाख

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

2027 विस चुनाव

जनविश्वास की नई इबारत लिखने की तैयारी में जुटी योगी सरकार और भाजपा

चुनाव पूर्व जनसंपर्क का मॉडल बनेगा 'समर्थ उत्तर प्रदेश'

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : 2027 विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में जनविश्वास की बुनियाद को और मजबूत करने की कवायद तेज हो गई है। योगी सरकार और भाजपा मिलकर 'समर्थ उत्तर प्रदेश' को जनसंपर्क के नए मॉडल के रूप में गढ़ने में जुटी हैं।

अभियान के जरिए सरकार अपनी योजनाओं, उपलब्धियों और सुशासन मॉडल को जनता के बीच प्रभावी ढंग से पहुंचाएगी, वहीं भाजपा इसे अपने सांगठनिक ढांचे से जनसंपर्क और जनमत निर्माण का सशक्त मंच बनाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शासन-प्रशासन की पूरी मशीनरी को गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक सक्रिय किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार और किसान कल्याण जैसे क्षेत्रों में हुए कार्यों को आंकड़ों और कहानियों के जरिए आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। 'समर्थ उत्तर प्रदेश' एक ऐसा मंच बनने जा रहा है, जो विकास, सुशासन और जनसेवा की त्रिस्तरीय रणनीति के जरिए राज्य की जनता को सीधे संवाद से जोड़ेगा। इस बहुआयामी अभियान में जहां प्रशासनिक अमला सरकारी योजनाओं की प्रगति और लाभार्थियों की संतुष्टि सुनिश्चित करेगा, वहीं भाजपा का सांगठनिक ढांचा बूथ स्तर पर आमजन से संवाद स्थापित करेगा। यह महज एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जनता से सीधे संवाद, डिलीवरी ट्रैकिंग और राजनीतिक आधार विस्तार का बहुआयामी अभियान बनकर उभर रहा है।

प्रशासनिक रणनीति

ब्लॉक, तहसील और जिला स्तर पर विशेष निगरानी टीमें बनाई जा रही हैं, जो विकास कार्यों का मूल्यांकन करेंगी और लाभार्थियों से फीडबैक लेकर शासन को रिपोर्ट करेंगी। यह अभियान शासन के 'डिलीवरी सिस्टम' की पारदर्शिता और क्षमता का प्रदर्शन भी होगा।

जनसंवाद और माइक्रो टार्गेटिंग

भाजपा इसे केवल सरकारी उपलब्धियों का प्रचार नहीं मानती, बल्कि यह मतदाताओं से जुड़ने का जीवंत मंच होगा। पार्टी के कार्यकर्ता बूथ से लेकर मंडल तक लाभार्थियों से मिलकर संवाद करेंगे। चाय पर चर्चा, घर-घर संपर्क और पन्ना प्रमुख संवाद जैसे सफल मॉडलों को फिर से सक्रिय किया जाएगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, वीडियो स्टोरीज और ग्राउंड रिपोर्ट्स को प्रमुखता दी जाएगी।

'समर्थ उत्तर प्रदेश' सरकार की सेवा और सुशासन का प्रमाण-पत्र है, जिसे हम हर मतदाता तक लेकर जाएंगे। -भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

यह सिर्फ प्रचार नहीं, जनता से संवाद और भागीदारी का अभियान है। हर कार्यकर्ता इसकी आत्मा है। -धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन)

'यह अभियान हर गरीब, किसान, नौजवान और महिला के जीवन में आए बदलाव की सच्ची तस्वीर है। -केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री

'जनता को बताना जरूरी है कि कैसे डबल इंजन सरकार ने यूपी को बदलने का काम किया है। 'समर्थ यूपी' यही कहानी कहेगा।' -डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व उपमुख्यमंत्री

न्यूज ब्रीफ

मॉरीशस के पीएम 12 को करेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : राम जन्मभूमि के मंदिर के भव्यता की चर्चा दुनिया भर में हो रही है। राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश-दुनिया के करोड़ों लोग दर्शन कर चुके हैं। अब दुनिया भर के राष्ट्रीय अध्यक्षों के आने का क्रम भी शुरू हो गया। हाल में ही आए भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोबगे के बाद अब मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन राम गुलाम भी शुक्रवार 12 सितंबर को संभवत अयोध्या आ रहे हैं। इसको लेकर मंदिर परिसर में स्वागत की तैयारी की जा रही है। मॉरिशस के पीएम के इस संभावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने जरूरी प्रोटोकॉल जारी करते हुए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

उप्र ने आपदा राहत के लिए दिए 5 करोड़

देहरादून, अमृत विचार : उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अतिवृष्टि व दैवीय आपदाओं से प्रभावित उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए पांच-पांच करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की बात की। साथ ही पंजाब के लिए भी राहत सामग्री से भरे 48 ट्रकों को रवाना किया। सीएम योगी ने सहारनपुर में हुए कार्यक्रम में कहा कि अगर कहीं आपदा आएगी, तो हम उनके (पीड़ित लोगों) साथ खड़े हैं। उत्तराखंड व हिमाचल में भारी पैमाने पर बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार यहां नागरिकों की ओर से दोनों राज्यों को पांच-पांच करोड़ रुपये की सहायता अतिरिक्त उपलब्ध करा रही है।

1500 किलो पटाखे जब्त, तीन गिरफ्तार

नोएडा,एजेंसी : ग्रेटर नोएडा के दादरी थानाक्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को एक अवैध पटाखा फैक्टरी से करीब 1500 किलोग्राम पटाखे जब्त किये और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि एक सूचना के आधार पर बोडाकी गांव में निर्माणाधीन एक मकान में चल रही इस अवैध पटाखा फैक्टरी का पर्दाफाश करते हुए रामलखन, आजाद तथा राजेन्द्र को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 1004 किलोग्राम निर्मित पटाखा आदि जब्त किये गये।

होमगार्ड ने ठेके में लगाई आग, गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी : जिले में शराब न मिलने पर अंग्रेजी शराब के ठेके में कथित रूप से आग लगाने को लेकर एक होमगार्ड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार देर रात दौराला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी होमगार्ड की पहचान कपिल के रूप में हुई है, जो पुलिस के डायल-112 पर तैनात था।

आग से 100 से अधिक स्कूटी जली

लालकुआं,अमृत विचार : एक स्कूटी शोरूम में संदिग्ध हालात में आग लगने से 100 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटी जल गईं। अग्निकांड में एक करोड़ से अधिक की क्षति का अनुमान है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया।शोरूम स्वामी ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात्रि करीब डेढ़ बजे कार रोड स्थित प्रेम ट्रेडर्स (इलेक्ट्रिक स्कूटी) के शोरूम के अंदर से तेज आवाज आ रही थी। पड़ोसी ने बाहर आकर देखा तो शोरूम के अंदर से धुआं निकल रहा था और बैट्रियां फटने की तेज आवाजें सुनाई दीं। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस और शोरूम स्वामी प्रकाश पंडित पुत्र प्रेमनाथ पंडित निवासी लालकुआं को दी। सूचना पर पहुंचे स्वामी ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कराई। फायर ब्रिगेड ने तड़के करीब 4 :30 बजे आग पर काबू पाया।

उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड को समाप्त करने का निर्णय

वही मदरसे संचालित होंगे जिनमें निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा : धामी

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में लोगों से संवाद करते सीएम पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार ने नया कानून लागू कर मदरसा बोर्ड को समाप्त करने का निर्णय लिया है। नए कानून के लागू होने के बाद 1 जुलाई 2026 के बाद वही मदरसे संचालित होंगे। जिनमें हमारे सरकारी बोर्ड वाला निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा।

सोमवार को काशीपुर के रामनगर रोड स्थित एक होटल में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में इस प्रकार के विशिष्ट कार्यक्रम की शुरुआत आज से हो गई है। प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संवाद दोनों ओर से होना चाहिए। सीएम धामी ने कहा कि देश में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास और समृद्धि के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारत में निवेश के लिये एक महत्वपूर्ण वातावरण तैयार हुआ है। सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये काम कर रही है। सरकार ने प्रदेश में स्वस्थ निवेश के वातावरण की उपलब्धता सुनिश्चित की है। पहले यूनिट लगाने के लिये अलग-अलग विभागों से अलग-अलग प्रकार की स्वीकृति लेनी पड़ती थी। इसमें समय अधिक लगता था। लेकिन प्रदेश सरकार ने लाइसेंसी प्रोसेसिंग को आसान करते हुए सिंगल विंडो सिस्टम में सुधार किया। उन्होंने कहा कि सरकार 60 करोड़ की लागत से डिस्ट्रिक्ट विश्वस्तरीय यू-हब की स्थापना भी कर रही है। सीएम धामी ने कहा कि लैंड जिहाद के मामले में पूरे राज्य में 9 हजार एकड़ से अधिक भूमि को लैंड जिहादों से मुक्त कराया है। 250 से अधिक मदरसों को सील किया है।

करंट से 6 मजदूर झुलसे, एक की मौत

बिलासपुर(रामपुर), अमृत विचार : नगर कीर्तन के लिए बनाए जा रहे स्वागत द्वार में करंट उतर आया। छह मजदूर झुलस गए। एक की मौत हो गई। पांचों घायलों को रेफर कर दिया गया।

सोमवार रात आठ बजे नैनीताल हाईवे स्थित नवीन मंडी के सामने मजदूर स्वागत द्वार बना रहे थे। स्वागत द्वार में हाईटेंशन लाइन से करंट उतर आया। मजदूर राजीव कुमार निवासी गांव धावनी हसनपुर, सुशील कुमार,आकाश, अभय, गौरव कुमार, गुलाबी निवासी मोहल्ला सिनेमा रोड गंभीर रूप से झुलस गए। चीख पुकार सुनकर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। यहां राजीव कुमार (30) पुत्र चंद्रपाल की मौत हो गई। पांच मजदूरों की स्थिति नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पालिकाध्यक्ष चित्रक मित्तल, एसडीएम अरुण कुमार, तहसीलदार शिव कुमार शर्मा, नायब तहसीलदार अंकुर अंतल और प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंच गए।

राजीव कुमार।

मनसा देवी की पहाड़ियों में भूस्खलन से देहरादून ऋषिकेश रेल मार्ग बाधित

मुख्य संवाददाता, देहरादून/हरिद्वार

अमृत विचार : हरिद्वार में मनसा देवी पहाड़ियों से भूस्खलन से हरिद्वार-देहरादून-ऋषिकेश रेल मार्ग बाधित हो गया है। इस वजह से वंदे भारत समेत एक दर्जन से अधिक ट्रेनों का संचालन बंद हो गया।

अधिकारियों के अनुसार, जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से आपदाएं आ रही हैं। सोमवार की सुबह हर की पौड़ी के समीप मनसा देवी की पहाड़ियों से भारी भूस्खलन हुआ। पहाड़ियों से तेज गति से मिट्टी और चट्टानों का मलबा भीमगोड़ा रेल सुरंग के समीप पटरी पर आ गिरा। इस वजह से वंदे भारत सहित एक दर्जन से अधिक ट्रेनों का संचालन बंद हो गया। कुछ दिन पूर्व भी इसी स्थान पर पहाड़ी से भूस्खलन होने से रेल मार्ग बाधित हो गया था। रेलवे की ओर से पहाड़ी और रेल पटरी के बीच लोहे का बड़ा भारी जाल लगाया गया है लेकिन इसके बावजूद भारी मात्रा में बड़े-बड़े पत्थरों ने जाल को तोड़ दिया और पटरी पर आ गिरे।

रेलवे ट्रैक पर कार्य करते रेलवे कर्मचारी।

रेल पटरी पर भूस्खलन की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और रेलवे की टीमों ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने का काम शुरू किया। गैस कटर की मदद से क्षतिग्रस्त जाल को काट कर जेसीबी मशीन से पटरी से पत्थरों को हटाया जा रहा है। एसपी जीआरपी अरुणा भारती ने बताया कि भूस्खलन से फिलहाल रेल मार्ग पर रेलगाड़ियों का संचालन बाधित है। वंदे भारत सहित एक दर्जन से अधिक ट्रेनों को रोका गया है और रेलमार्ग को साफ कर उसे जल्द शुरू करने की कोशिश की जा रही है । उन्होंने कहा कि ज्यादा मात्रा में मलबा और बड़े-बड़े पत्थर आने से पटरी पर आवागमन बहाल करने में समय लग सकता है ।

तीन साल की बच्ची से बलात्कार के दोषी को मृत्युदंड की सजा

बांदा, एजेंसी: जिले की एक विशेष अदालत ने तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म कर उसे मरणासन्न हालत में जंगल में फेंकने के आरोपी को दोषी करार देते हुए सोमवार को मृत्युदंड की सजा सुनायी और उस पर 65 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। विशेष अदालत (पॉक्सो) के शासकीय अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मिश्रा की अदालत ने बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसे मरणासन्न हालत में फेंकने के आरोपी सुनील निषाद (24) को दोषी ठहराते हुए सोमवार को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

उन्होंने कहा कि चिल्ला थानाक्षेत्र में तीन जून 2025 को सुनील निषाद ने बच्ची को अगवा कर उसके साथ बलात्कार किया था। उन्होंने बताया कि घटना के एक हफ्ते के भीतर इलाज के दौरान कानपुर की अस्पताल में बच्ची की मौत हो गई थी। परिहार ने बताया कि इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 11 गवाह पेश किए गए थे और घटना के 58वें दिन अदालत ने अपना फैसला सुनाया है।

महिला का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में 5 के खिलाफ रिपोर्ट

नोएडा, एजेंसी

● निकाहनामा में महिला के पिता का नाम फर्जी लिखा गया

नोएडा में एक महिला का प्रलोभन और धमकी देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई महिला के पति शिवम शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका के बाद की गई जिसमें उसने अपनी गुमशुदा पत्नी की तलाश किए जाने का अनुरोध किया था। मामले की जांच गढ़ी चौखंडी चौकी प्रभारी योगेंद्र सिंह द्वारा की जा रही थी। पुलिस ने बताया कि गढ़ी चौखंडी निवासी शर्मा की पत्नी मई में लापता हो गई थी, जिसे बाद में पुलिस ने चेन्नई (तमिलनाडु) से बरामद कर लिया।

थाना फेज-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि महिला ने खुलासा किया कि बहरामपुर गांव में किराए पर रहने वाला बिहार के सिवान का मूल निवासी राजा उर्फ एहसान उसे प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले गया था। महिला ने धर्म परिवर्तन कर एक मई 2025 को राजा से निकाह कर लिया। उन्होंने कहा कि राजा, उसके पिता बिस्मिल्लाह मियां, मां अनीशा बेगम और भाई इरशाद ने प्रलोभन और धमकी देकर महिला का धर्म परिवर्तन कराया और निकाह करवाया। निकाहनामा की छायाप्रति देखने पर यह पाया गया कि महिला के पिता का नाम फर्जी लिखा गया, साथ ही राजा ने अपनी मां को महिला की फूफी और अपने भाई को महिला का भाई बताया था। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच अधिकारी (उप निरीक्षक) की शिकायत पर राजा, इरशाद, बिस्मिल्लाह, अनीशा बेगम और काजी मोहम्मद अजीमुद्दीन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रामपुर जिले में शिक्षक पात्रता परीक्षा में फंसी 1000 शिक्षकों की नौकरी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) को अनिवार्य करने के फैसले के बाद जिले के करीब एक हजार शिक्षकों की नौकरी पर तलवार लटक गई है। अब उन्हें दो साल के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षकों में नाराजगी जताई है। शिक्षकों का कहना है कि नौकरी देते समय जो योग्यता मांगी थी, उसके बाद ही नौकरी मिली। अब टीईटी पास करने का औचित्य नहीं है।

सरकारी स्कूलों में कक्षा से लेकर आठ तक के बच्चों को घरों से बुलाकर उनका एडमिशन करने से लेकर बीएलओ, मिड-डे मील और चुनाव ड्यूटी में अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले शिक्षक परेशान दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के कड़े फैसले ने शिक्षकों को झकझोर दिया। शिक्षकों की नौकरियों पर बन आई है। पुराने शिक्षकों को टीईटी पास करना होगा।

शिक्षकों का आरोप, किया जा रहा परेशान

करीब एक साल से शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है। ऑनलाइन हाजिरी को लेकर कई माह तक शासन की ओर से शिक्षकों को परेशान किया गया। रोजाना धरना प्रदर्शन के बाद शासन ने इसको रोक दिया था। उसके बाद रोजाना नये नये प्रोजेक्ट निकालकर उनसे काम करवाया जा रहा है। अब चुनावों को देखते हुए शिक्षकों को बीएलओ के साथ ही स्कूल का काम भी दिखवाया जा रहा है। अब टीईटी को लेकर नया आदेश जारी किया है। जिससे शिक्षक परेशान हैं।

● दो साल में टीईटी पास करने का मिलेगा मौका
● सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शिक्षकों में बढ़ी नाराजगी

उनको दो साल के अंदर टीईटी पास करनी होगी, नहीं तो उनकी नौकरी खतरे में होगी। जिसके बाद से जिले के शिक्षकों में खलबली मच गई है। सभी लोग सुप्रीम कोर्ट का आदेश शिक्षकों के गले नहीं उतर रहा है। जिसको लेकर शिक्षकों में आक्रोश बढ़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि 2011 के बाद से टीईटी अनिवार्य हुई थी। इसके बाद से टीईटी पास ही शिक्षक बने, लेकिन 2011 से पहले टीईटी की बाध्यता नहीं थी। इसका समाधान होना चाहिए।

जिले के करीब 200 शिक्षकों को राहत

माना जा रहा है कि 200 शिक्षक ऐसे हैं। जिनकी नौकरी पांच साल की बची है। टीईटी परीक्षा पास नहीं करनी होगी, रोजाना शिक्षक अब इस मुददे को लेकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। जल्द ही जिले के शिक्षक अब ज्ञापन के माध्यम से उच्च अधिकारियों को अवगत कराएंगे।

एंटी करप्शन टीम ने 12 हजार रिश्वत लेते दरोगा पकड़ा

संवाददाता, सहसवान

● बरेली एंटी करप्शन टीम ने कोतवाली उझानी में दर्ज कराई रिपोर्ट

● जानलेवा हमले के तीन भाइयों को जेल भेजने के नाम पर मांगे रुपये

अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में एंटी करप्शन की टीम ने दरोगा को 12 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। दरोगा ने वादी से जानलेवा हमले के आरोपियों को जेल भेजने के नाम पर रुपयों की मांग की थी। टीम ने कोतवाली उझानी में रिपोर्ट दर्ज कराई और दरोगा को साथ ले गई। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने आरोपी दरोगा को निलंबित कर दिया है।

सहसवान कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अल्लेहदादपुर धोबई निवासी दिनेश मिश्रा ने 17 जुलाई को तहरीर देकर बताया था कि उन्होंने ट्रैक्टर से गांव निवासी तीन भाई वेदप्रकाश, रामकुमार और हरिबाबू के खेत की जुताई की थी। उनपर दिनेश मिश्रा के एक हजार रुपये थे। रुपये मांगने पर वह लोग टालमटोल कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें जमकर पीटा था और जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला किया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। हल्का नंबर चार पर तैनात दरोगा कमलेश सिंह विवेचना कर रहे थे। दरोगा ने दिनेश को डराया। कहा कि उन्होंने झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई है। दिनेश मिश्रा ने अधिकारियों से शिकायत की थी। आरोप है कि दरोगा ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमा में धाराएं बढ़ाने और जेल भेजने के नाम पर रुपयों की मांग की। दिनेश ने कहा कि उनपर ही जानलेवा हमला हुआ है तो वह रुपये क्यों दें। दरोगा ने धमकाया तो उन्होंने परेशान होकर रुपये देने की हामी भरते हुए बरेली एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। दरोगा की कार्यशैली के बारे में बताया और संबंधित साक्ष्य भी उपलब्ध कराए थे।

आरएसएस के जिला कार्यवाह के पायलट बेटे ने गला रेतकर जान दी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) के नैनीताल जिला कार्यवाह राहुल जोशी से 22 वर्षीय पायलट बेटे सजल जोशी ने गला रेत कर जान दे दी। जान देने से पहले उसने यू-ट्यूब पर आखिरी वीडियो अपलोड किया।

जान देने की वजह बताई और माता-पिता से माफी मांगने के बाद अपना गला रेत लिया। वह रीढ़ के असहनीय दर्द और आईबीएस नाम की बीमारी से ग्रसित था। सर्जल की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। कोतवाली क्षेत्र के हीरानगर निवासी जिला कार्यवाह राहुल जोशी यहां परिवार के साथ रहते हैं और प्रतिष्ठित कारोबारी हैं। उनकी पत्नी गढ़वाल स्थित गोपेश्वर कॉलेज में प्रोफेसर हैं। परिवार में दो बेटों में छोटा सजल है। सजल अमेरिका में पायलट बनने की ट्रेनिंग ले रहा था और लंबे समय से स्लिप डिस्क से परेशान था। इस असहनीय दर्द की वजह से वह डिप्रेशन में चला गया था। बताया जाता है कि सोमवार की शाम वह अपने कमरे में चला गया। जहां उसने एक आखिरी वीडियो यू-ट्यूब पर अपलोड किया और जान देने की वजह बताई।

राहुल गांधी के खिलाफ निगरानी अर्जी पर सुनवाई 16 को

सुलतानपुर, अमृत विचारः वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर दंगा पीड़ित मुस्लिम युवकों को आईएसआई से जोड़ने वाले कथित बयान को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल निगरानी अर्जी की सुनवाई सोमवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट न्यायाधीश राकेश की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता ने दाखिल अर्जी की प्रति उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया। अदालत ने इस पर आदेश देते हुए उन्हें अर्जी की प्रति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और अगली सुनवाई के लिए 16 सितंबर की तारीख तय की।

5 ई और सड़क सुरक्षा साथी लाएंगे हादसों में कमी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● दुर्घटना और मौतों में 50 फीसद कमी लाने के लिए शासन को भेजा गया तय लक्ष्य का प्रस्ताव

> प्रस्ताव तैयार कर शासन को सैद्धांतिक स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है। सहमति मिलते ही राज्य-व्यापी क्रियान्वयन शुरू करा दिया जाएगा।
> -ब्रजेश नारायण सिंह, परिवहन आयुक्त

अमृत विचार : परिवहन विभाग ने सड़क दुर्घटनाओं और इनसे होने वाली मौतों में 50 फीसद कमी लाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए विभाग ने 5ई (इंफोर्समेंट, इंजीनियरिंग, एजूकेशन, इमरजेंसी केयर और इवोल्यूशन) पर आधारित रोड सेफ्टी कार्यक्रम का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है। योजना का केंद्रबिंदु ''उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा साथी'' स्वयंसेवी-सहयोगी तंत्र विकसित कर प्रवर्तन अधिकारियों को मैदान पर उतरकर उच्च-जोखिम वाले समयखंड (15:00–21:00 तक) में सुरक्षा-सहयोग देना है।

भेजे गए प्रस्ताव में सड़क सुरक्षा टीम 5ई पर काम करते हुए हादसों और होने वाले मौतों में कमी लाने की बात कही गई है। प्रथम ई के तहत इंफोर्समेंट कार्रवाई को खतरे वाले समय पर स्पीड-मैनेजमेंट गन, नो हेल्मेट नो फ्यूल पर सख्ती बरतते हुए कार्रवाई किया जाना। एचएसआरपी न लगे होने, ओवरलोडिंग, फिटनेस आदि पर प्रवर्तन कार्य। इसी तरह दूसरे ई में रोड इंजीनियरिंग पर ध्यान दिया जाना है। इनमें ब्लैक/रेड स्पॉट का त्वरित उपचार। एनएच और एसएच पर अवैध कट बंदी व एक्सप्रेस-वे पर सघन चेकिंग। तीसरा ई एजूकेशन को माना गया है। इसमें विद्यालय/महाविद्यालय गतिविधि-कैलेंडर, रोड सेफ्टी एंथम/फिल्म्स का प्रसार, प्रचार-वाहन की जरूरतों पर बल दिया गया है।

प्रस्तावित योजना की अहम बातें

- **संरचना**-प्रत्येक तहसील में 10 प्रशिक्षित स्वयंसेवक यानी रोड सेफ्टी साथी की तैनाती किया जाना।
- **भूमिका (बिना दंडाधिकार)**- स्कूल-ज़ोन मार्शलिंग, पैदल-पथ/क्रॉसिंग सहायता, हेल्मेट-सीटबेल्ट काउंसलिंग, भीड़-प्रबंधन, वर्क-ज़ोन सुरक्षा-सहयोग, जोखिम-बिंदुओं की जियो-टैग फोटो-रिपोर्टिंग, गुड-सेमेरिटन संदेश का प्रसार।
- **पर्यवेक्षण**- एआरटीओ प्रवर्तन, पुलिस/शिक्षा/स्थानीय निकायों से समन्वय कर समीक्षा और प्रवर्तन कार्रवाई को आगे बढ़ाना।
- **मानदेय (प्रस्तावित)**- 3 हजार प्रति माह प्रति स्वयंसेवक प्रशिक्षण/किट/बीमा का प्रावधान होगा।

परेशानी

घोषणा में शामिल होने के बाद भी कलजाख गांव तक नहीं बन पाई सड़क, ग्रामीणों ने डीएम को दिया ज्ञापन

डोली बनी गर्भवती का सहारा, पांच किमी पैदल सड़क तक पहुंचाया

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

● मांग पूरी नहीं होने से ग्रामीण लंबे समय से परेशान

अमृत विचार : सड़क सुविधा न होने से जिला मुख्यालय चम्पावत से सात किलोमीटर दूर कलजाख की एक गर्भवती महिला को डोली के सहारे पांच किमी पैदल लाना पड़ा। महिला को सड़क तक पहुंचाने के बाद वाहन से जिला अस्पताल लाया गया।

अस्पताल में भर्ती होने के बाद महिला को प्रसव पीड़ा से राहत मिली, लेकिन सड़क न होने की पीड़ा शायद उसे जीवन भर सालती रहे। यह पहला घटना नहीं है। क्षेत्र के बीमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं व दुर्घटना में घायल लोगों को डोली के सहारे ऐसे ही मुख्य सड़क तक पहुंचाया जाता है। ग्रामीण सड़क सुविधा की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। लेकिन अभी तक उनकी मांग पूरी नहीं हो सकी है।

सोमवार को कलजाख निवासी भावना जोशी (21) पत्नी जगदीश चंद्र को अचानक पेट दर्द होने लगा। गांव में किसी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधा न होने के कारण ग्रामीणों ने तत्काल कुर्सी में डंडे बांधकर गर्भवती महिला को पांच किलोमीटर पैदल ऊबड़ खाबड़ रास्तों से मुख्य सड़क तक पहुंचाया।

सड़क तक पहुंचने में डेढ़ घंटे से अधिक का वक्त लग गया। वहां से महिला को वाहन के जरिए चम्पावत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क न होने के कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2022 में गांव के लिए सड़क बनाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल किया गया, लेकिन उसके बाद भी सड़क नहीं बन रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश जोशी ने बताया कि कलजाख गांव से आए दिन इसी प्रकार गर्भवती महिलाओं व बीमारों को डोली के सहारे पांच किमी दूर सड़क तक पहुंचाया जाता है। सड़क बनने से आधा दर्जन ग्राम पंचायत की दो हजार से अधिक की आबादी को लाभ मिलेगा। लेकिन घोषणा होने के बाद भी सड़क नहीं बनने से इन लोगों को सड़क सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इधर महिला को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद ग्रामीणों ने जिला अधिकारी मनीष कुमार को ज्ञापन सौंपकर जल्द सड़क सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की।

चम्पावत के दूरस्थ गांव से डोली में बैठाकर गर्भवती को सड़क तक ले जाते ग्रामीण।

अंगद टीला पर स्थापित हुई गिलहरी की मूर्ति

अयोध्या कार्यालय

राम मंदिर परिसर के अंगद टीला पर स्थापित गिलहरी की मूर्ति।

अमृत विचार : राम मंदिर परिसर में अंगद टीले पर गिलहरी की प्रतिमा किया गया है। यह स्थान यात्री सुविधा केंद्र के निकट होने के नाते श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

रामायण काल में गिलहरी की भी अहम भूमिका रही, जब भगवान श्रीराम लंका पर विजय प्राप्त करने के लिए रामेश्वरम से लंका तक सेतु निर्माण में गिलहरी ने भी सहयोग दिया था। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि अंगद टीला पर गिलहरी को भी स्थान दिया गया है, जो मंदिर की तरफ निहारती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण का कार्य अब पूर्णता की ओर है। गुणवत्ता की जांच के लिए सीबीआई रुड़की और इंजीनियर इंडिया लिमिटेड को काम सौंपा गया है।

उन्होंने बताया कि राम मंदिर परिसर के बाउंड्री वॉल निर्माण में जिला प्रशासन के साथ हुई वार्ता में सुरक्षा को लेकर मंथन किया गया है। चार किलोमीटर की बाउंड्रीवाल पर 25 स्थान पर पुलिस टॉवर होंगे। इन टॉवर की डिजाइन क्या होगी, किस प्रकार का निर्माण होगा, हर वॉच टॉवर के नीचे क्या सुविधा होगी, इस पर पुलिस प्रशासन के साथ बातचीत की गई है। रामनगरी में राममंदिर के अलावा आने वाले पर्यटक रोचक स्थान पर भी अपना समय बिता सकें इसके लिए कई अन्य योजनाओं को भी अयोध्या में लाने की जरूरत है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि यहां दो प्रकार के लोग आएंगे।

एक जो आसपास के जिलों से वर्षों से आ हैं और दूसरा वर्ग वो आ रहा है, जिसे आप एयरपोर्ट पर देखते हैं। विदेश से भी लोग आ रहे हैं, वही मेरी चिंता हैं।कहा कि कल विदेश से एक व्यक्ति हवाई जहाज में थे। उन्होंने मुझे पहचान लिया। मेरे पास आए और कहा हम इतनी दूर से आए हैं। कुछ ऐसे स्थान हों जहां धार्मिक कार्य हों, इसका ध्यान ट्रस्ट को और शासन-प्रशासन को भी रखना होगा कि इसे पर्यटन की सर्वोत्तम नगरी कैसे बनाएं।

डीसीएम में ठूंसकर गोशाला भेजीं 31 गायें, 2 की मौत

गोशाला पहुंचकर राष्ट्रीय बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन, अफसरों से हुई तीखी नोकझोंक

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : सिरौली के गांव शिवपुरी से छुट्टा गोवंशीय पशुओं को सोमवार को डीसीएम से खनगांवा श्याम स्थित गोशाला भेजा गया। इस दौरान दो गायों की मौत हो गई। राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि डीसीएम में पशुओं को ठूंसकर भरा गया था। इसकी वजह से दो गायों की मौत हुई है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की अफसरों से तीखी नोकझोंक भी हुई।

शिवपुरी गांव के लोगों ने रविवार को आंवला स्थित कैंप कार्यालय पहुंचकर पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह से गांव में छुट्टा गोवंशीय पशुओं द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत की। ग्रामीणों ने मंत्री के समक्ष मांग रखी कि सभी निराश्रित गोवंश को गोशाला भिजवाया जाए।

राष्ट्रीय बजरंगदल के कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों से बात करते अफसर। ● अमृत विचार

- एक दिन पहले शिवपुरी के लोगों ने पशुधन मंत्री धर्मपाल के सामने रखी थी समस्या
- शिवपुरी से छुट्टा गोवंशों को इकट्ठा कर खनगांवा श्याम की गोशाला भेजा गया

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोवंश की समस्या का समाधान शीघ्र किया जाए। अधिकारियों के निर्देश के बाद सोमवार को ब्लॉक मझगवां में तैनात ग्राम विकास अधिकारी अजय कुमार शिवपुरी गांव पहुंचे और ग्रामीणों से मिलकर अपील की कि गांव में मौजूद निराश्रित गोवंश एकत्रित किए जाएं और गोशाला भिजवाने की व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों ने गांव के पशु चिकित्सालय परिसर में लगभग चार सौ गोवंशीय पशु एकत्रित कर लिए, जिनमें गायों और नंदियों की बड़ी संख्या थी।

डीसीएम में भूसे की तरह ठूंसकर भेजे गए थे छुट्टा गोवंशीय पशु। ● अमृत विचार

दो डीसीएम में 31 गायों को खनगांवा श्याम स्थित गोशाला भेजा गया। राष्ट्रीय बजरंगदल कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गायों को वाहनों में भूसे की तरह ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। जिससे दो गायों की दबकर मौत हो गई। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि खनगांवा श्याम गांव की गौशाला में पूर्व से ही एक-दो गायों के मृत पड़े होने की सूचना थी। वे लोग जब गोशाला पहुंचे तो बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र थे। ग्रामीण गायों को लाने के तरीके से नाराज थे। ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत करने के बाद उनकी ग्राम विकास अधिकारी और गोशाला कर्मियों से जमकर तीखी नोकझोंक हुई। कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। दोनों मृत गायों का पोस्टमार्टम कराकर नियमानुसार दफनाये जाने और भविष्य में पशुओं के बेहतर रखरखाव का आश्वासन मिलने के बाद गुस्साए लोग शांत हुए। शिवपुरी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि अभी पशु चिकित्सालय परिसर में करीब 370 गाय और 100 नंदी निराश्रित हैं। 31 गायें ही गोशाला भेजी गईं, मगर गोशाला से एक गाय को लौटा दिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय बजरंगदल के अवधेश मौर्य, हिमांशु सोलंकी, ओमवीर, शिव चौधरी आदि मौजूद रहे। शिवपुरी गांव के ग्राम विकास अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने दो डीसीएम में भरकर गाय गोशाला भेजी थीं। किसी तरह दबने से दो गायों की मौत हो गई। पोस्टमार्टम कराकर उन्हें दफना दिया गया है।

चीनी मिल भूमि की नीलामी नहीं हो सकी

नवाबगंज , अमृत विचार : ओसवाल चीनी मिल पर किसानों का करोड़ों रुपये बकाया है। वसूली के लिए गन्ना आयुक्त ने शासन के निर्देश पर मिल की भूमि की नीलामी का निर्णय लिया था।

सोमवार को मिल परिक्षेत्र की ग्राम मुड़िया भीकमपुर क्षेत्र स्थित पौने चार हेक्टेयर भूमि की नीलामी होनी थी। दोपहर 3 से शाम पांच बजे तक नायब तहसीलदार सतवीर सिंह गन्ना समिति सचिव मेघा चतुर्वेदी व राजस्व कर्मी के साथ कार्यालय में बोली कर्ताओं के इंतजार में बैठे रहे, लेकिन समय समाप्त होने तक एक भी बोलीकर्ता के न पहुंचने के कारण भूमि की नीलामी नहीं हो सकी। नायब तहसीलदार ने बताया कि जमीन का न्यूनतम मूल्यांकन एक करोड़ 37 लाख 38 हजार एक सौ रुपये निर्धारित किया गया था। अब नया आदेश मिलने के बाद ही नीलामी की दूसरी तिथि निर्धारित की जाएगी। मूल्यांकन राशि अधिक होने के कारण अब टुकड़ों में इसकी नीलामी किए जाने का प्रयास किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

युवक ने छात्रा से की छेड़खानी, धमकाया

क्योलड़िया, अमृत विचार : एक युवक ने छात्रा के साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर उसने छात्रा को जान से मारने की धमकी दी। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। थाना क्षेत्र के एक गांव की छात्रा के अनुसार पांच सितंबर को वह दोपहर में मेथी चौराहे पर किसी काम से गई थी। वहां गांव के ही युवक ने उसके साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपी ने धमकाया। छात्रा ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। शिकायत करने पर आरोपी के घरवाले युवती के घर में घुस आए और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। मामले में अभी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

दहेज उत्पीड़न के मामले में रिपोर्ट दर्ज

भमोरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला का निकाह 3 वर्ष पहले बदायूं के दातागंज थाना क्षेत्र के गांव दियोरी आजमपुर निवासी गुड्डू के साथ हुआ था। आरोप है कि कुछ समय बाद ससुराली दहेज में बाइक और डेढ़ लाख रुपये की मांग करने लगे। आरोप है कि एक साल पहले ससुरालियों ने घर से निकाल दिया। मामले में एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने पति गुड्डू, ससुर मेहंदी हसन, सास सुखी, ननदोई नूरे आलम आदि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ सनी चौधरी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

आंवला, अमृत विचार : मनौना धाम दर्शन के लिए आए एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हा गई। बरेली चंदौसी रेलवे मार्ग के रेवती बहोडा खेड़ा और करेंगी के बीच दिल्ली बरेली पैसेंजर ट्रेन से रविवार देर शाम एक व्यक्ति की कटकर मौत हो गई थी। सूचना पर चंदौसी आरपीएफ व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मनौना धाम चौकी इंचार्ज राजकुमार ने बताया कि पांच सितंबर को अभिलाष निवासी मुगरिया थाना मटोला जनपद बहराइच 28 वर्षीय बेटे सतगुरू देव को लेकर मनौना धाम दर्शन करने आए थे। सतगुरू देव पिता से बिछुड़ गया। वह रेल लाइन पर चलते हुए करेंगी की ओर जा रहा था। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

गैनी से शराब की दुकान हटाने की मांग

आंवला, अमृत विचार : अलीगंज के गांव गैनी निवासी ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में देशी शराब की दुकान आबादी में चल रही है। शराब की दुकान के समीप ही स्कूल और मंदिर है। स्कूल के आसपास शराबियों का जमघट लगा रहता है। सोमवार को समाधान दिवस में गांव की महिलाओं और पुरुषों ने गांव से शराब की दुकान हटवाने की गुहार लगाई। एसडीएम ने आबकारी निरीक्षक को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

तमंचे के साथ मनौना धाम आया लखीमपुर खीरी का युवक गिरफ्तार

आंवला, अमृत विचार : तमंचा लेकर मनौना धाम आए जिला लखीमपुर खीरी के युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

मनौना धाम चौकी इंचार्ज राजकुमार ने बताया कि रविवार देर रात्रि मनौना धाम के मुख्य द्वार के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके पास से तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम अमित कुमार पुत्र जमुना प्रसाद निवासी ग्राम अयोध्यापुर थाना हैदराबाद जिला लखीमपुर खीरी बताया। अभियुक्त ने बताया कि उसकी गांव में रंजिश चल रही है। वह जेल भी जा चुका है। वर्तमान में वह जमानत पर है। वह अपनी सुरक्षा के लिए तमंचा लेकर यहां आया था।

जिला पंचायत की भूमि पर कब्जे की कोशिश, निर्माण रुकवाया

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : गांव बरौर में जिला पंचायत की भूमि पर कब्जे की कोशिश की गई। शिकायत पर पुलिस ने सोमवार को भूमि पर निर्माण कार्य रुकवा दिया। जिला पंचायत सदस्य हाजी मुन्ने अंसारी का आरोप है कि गांव के ही कुछ लोग जिला पंचायत की कीमती भूमि पर कब्जा करना चाहते हैं। उक्त भूमि पर कई सालों से बाजार लगता चला आ रहा है। कुछ लोग अवैध तरीके से इस भूमि पर कब्जा करा रहे थे। ग्रामीणों की सूचना पर जिला पंचायत के जेई रमन अग्रवाल, इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार, अमीन गिरीश कुमार ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया। ग्राम प्रधान खेम करन कश्यप, हेमराज कश्यप, भाजपा नेता रिंकी अवस्थी, सियाराम, लाला राम, मैकूलाल, अनिल कुमार, दुलारे, रहीस अहमद आदि मौजूद रहे। वहीं, जिस युवक पर भूमि पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगा रहा है, उसका कहना है कि उसने उक्त भूमि गांव के ही व्यक्ति से खरीद थी। जिसके उसके पास दस्तावेज हैं। मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

गांव बरौर में निर्माण स्थल पर मौजूद लोग। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों की सूचना पर गांव बरौर पहुंची पुलिस टीम

3 किलो अफीम, कार व बाइक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

फरीदपुर, अमृत विचार : पुलिस ने बाईपास से मोहल्ला भूरे खां गौटिया को जाने वाले मार्ग से 3 किलो अफीम, कार व बाइक के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम फिरोज निवासी मोहल्ला भूरे खां गौटिया व मोहम्मद इमरान निवासी मोहल्ला मिर्धान बताया। फिरोज के पास से 2 किलो अफीम, मोबाइल, कार और इमरान से 1 किलो अफीम व बाइक बरामद हुई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि आरोपी लंबे समय से अफीम तस्करी से जड़े हैं। उनके विरुद्ध थाना फरीदपुर व बारादरी में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

दूसरे समुदाय के युवक ने किशोरी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया

संवाददाता नवाबगंज

- आरोपी 6 सितंबर को गांव से ही किशोरी को बहलाकर ले गया था
- पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : दूसरे समुदाय का युवक किशोरी को बहलाकर ले गया। उसने और उसके परिजनों ने किशोरी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। जब आरोपी किशोरी को लेकर गांव पहुंचा तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने किशोरी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मामले में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी 6 सितंबर की दोपहर गांव के ही चौराहा स्थित दुकान से कुछ सामान लेने गई थी, मगर वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने खोजबीन की तो पता चला कि गांव के मो. हनीफ का पुत्र शाकिब उसे बहलाकर ले गया है। किशोरी के परिजन शाकिब के घर पहुंचे। शाकिब के पिता ने बताया कि उनका बेटा तो पानीपत में मजदूरी करने गया है। आरोप है कि शाकिब के पिता हनीफ, मां नफीसा व भाई मेहंदी हसन, नवी हसन व शाकिर ने किशोरी पर धर्म परिवर्तन कर शाकिब के साथ निकाह करने का दबाव बनाया।

रविवार को किशोरी के परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की। शाकिब देर रात किशोरी को लेकर गांव में पहुंचा। पुलिस ने शाकिब को हिरासत में ले लिया। जबकि किशोरी को उसके परिजनों के हवाले कर दिया। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हादसों में एक की मौत, कई लोग घायल

बरेली, अमृत विचार : सड़क हादसों में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घालय हो गए।

भुता: बरेली के मोहल्ला मीरा की पैठ निवासी अहमद हसन (25) का ग्राम कोठा मक्खन में मुर्गी व कृषि फार्म है। सोमवार देर शाम वह फार्म से घर बाइक से जा रहे थे। तभी ग्राम नवादा के पास फ्लावर कॉलोनी के सामने अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बाइकों में भिड़ंत से दो लोग घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : हाईवे पर बल्लिया ढाल के पास दो बाइकों के भिड़ने से दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल भेजा है। एक व्यक्ति की हालत नाजुक बताई जा रही है। सोमवार को रामपुर के कस्बा मिलक निवासी रहीश अहमद व कस्बा शीशगढ़ निवासी बलबंत कुमार बाइकों से बरेली की ओर आ रहे थे। बल्लिया ढाल के पूर्वी छोर पर उनकी बाइकें टकरा गईं। दोनों रोड पर गिरने से घायल हो गए। हेलमेट नहीं लगा था। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई।

भमोरा : सोमवार दोपहर गांव खुली तारपुर निवासी हरपाल व चंद्रपाल बाइक से बरेली की ओर आ रहे थे, तभी बरेली-बदायूं मार्ग पर ग्राम नितोई के समीप अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मुकदमा वापस न लेने पर युवक को पीटा

भोजीपुरा, अमृत विचार : एक वर्ष पहले दर्ज मारपीट के मुकदमे को वापस न लेने पर दबंगों ने युवक घर से खींचकर बेरहमी से पीटा। मामले में पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कस्बा धौंराटांडा के वार्ड 4 निवासी युवक ने वार्ड 5 के कुछ लोगों पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 4 सितंबर की रात आरोपी पीड़ित के घर आए और मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे पीटा। घायल जिला अस्पताल में भर्ती है।

संपूर्ण समाधान दिवस में अफसरों ने सुनीं शिकायतें

मीरगंज, अमृत विचार : तहसील सभागार में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान में एसडीएम इशिता किशोर और तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। 37 में से दो शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया।

पांच शिकायतों का निस्तारण

नवाबगंज : एसडीएम व तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 69 शिकायतें दर्ज की गईं। 5 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। कस्बे के हरिशंकर गंगवार ने गांव याकूबपुर में तालाब पाटे जाने की शिकायत की। 61 शिकायतें दर्ज

आंवला : सम्पूर्ण समाधान दिवस में 61 में से शिकायतें दर्ज की गईं। अधिकारियों ने 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। एसडीएम विदुषी सिंह, तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

अवैध खनन पर मारा छापा, जेसीबी पकड़ी

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : अवैध खनन की शिकायत पर नायब तहसीलदार ने छापामारी कर जेसीबी पकड़कर सीज कर दी। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। इसकी सूचना पर सोमवार को नायब तहसीलदार ने ग्राम गल्थुआ इलाका टिसुआ में पहुंचे। जहां जेसीबी से अवैध खनन किया जा रहा था। नायब तहसीलदार को देखकर खनन माफिया भाग गए। नायब तहसीलदार ने जेसीबी को थाने पर खड़ा करा दिया। इस दौरान इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

महिला कौशल विकास पर कार्यशाला आयोजित

रिठौरा, अमृत विचार : राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में सोमवार को महिला कौशल विकास पर आधारित कार्यशाला का आयोजन हुआ। छोटी सी आशा संस्था ने महिलाओं को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का शुभारंभ वाइस चेयरपर्सन डॉ. मोनिका अग्रवाल, छोटी सी आशा की फाउंडर एवं विशिष्ट अतिथि पारूल धवन मलिक ने किया। वाइस चेयरपर्सन ने बताया कि संस्थान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मंच प्रदान करता है। हस्तशिल्प आधारित कलाकृतियां बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रो. साकेत अग्रवाल, निदेशक प्रो. पंकज कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार दुष्यन्त माहेश्वरी, प्राचार्य डॉ. मुकेश पाल गंगवार, पूजा भास्कर सिंह, वैशाली भारद्वाज, दीपाली सिंह मौजूद रहीं।

शिविर में बुखार रोगी अधिक मिले

क्योलड़िया, अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को ढिरिया वन्नो जान में शिविर का आयोजन किया, जिसमें 104 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कई खांसी, जुकाम और बुखार के रोगी मिले। रोगियों को दवाइयों का वितरण किया गया। टीम में डॉ.अनवर, डॉ. योगेश जाखड़, पूजा शर्मा, उदयवीर, प्रियंका शामिल रहीं। वहीं बाढ़ ग्रस्त गांव बिहारीपुर पीतम राम में भी शिविर लगाया गया। 94 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

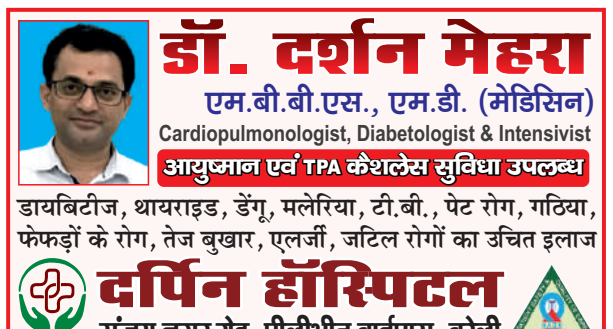

शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला

देवरनियां, अमृत विचार : निपुण भारत मिशन के तहत ब्लाक संसाधन केंद्र रिछा पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के चौथे और पांचवें बैच का शुभारंभ बीईओ जगदीश कुमार के निर्देशन में सोमवार को हुआ। प्रशिक्षक बलवीर सिंह ने बुनियादी शिक्षा की मजबूती के लिए टिप्स दिए। शिक्षिका प्राची सक्सेना ने बुनियादी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षक हरीश कुमार, प्रशिक्षक उवैस खान, आशिका सचान आदि मौजूद रहे।

भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

नवाबगंज, अमृत विचार : बरसाने में भंडारा करके लौटे राधा रानी सेवा समिति के पदाधिकारियों ने कस्बे में भंडारे के साथ भजन संध्या का आयोजन किया। कहारान मोहल्ले में होली गेट पर हुए भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अध्यक्ष सुनील पाठक , विधायक डा. एमपी आर्य, मुरारी गुप्ता, उत्तम गुप्ता, सभासद राजीव सक्सेना, विक्रम गुप्ता, राजीव गुप्ता, राजीव गंगवार, चैतन्य प्रकाश श्रीवास्तव, अरविन्द शुक्ला, राजीव शुक्ला , कृष्ण गोपाल शर्मा, कपिल शर्मा, वीरेन्द्र गुप्ता लल्लू, उमेश गुप्ता आदि मौजूद रहे। वहीं, बाबूराम धर्मशाला में देर रात भजन संध्या का आयोजन हुआ। हरिद्वार से आए भजन गायक गोविन्द कृष्ण व नगर की अंजली गुप्ता ने भजनों की प्रस्तुति दी।

मुनीश की मौत के मामले का नहीं हो सका खुलासा

नवाबगंज, अमृत विचार : चालक मुनीष प्रजापति की मौत के मामले का अभी तक पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है।

कस्बा के मोहल्ला चाणक्यपुरी निवासी ईको चालक मुनीश का शव 27 अगस्त की सुबह कस्बे के श्मशान भूमि प्रांगण में पड़ा मिला था। शव के पास शराब का एक खाली पव्वे के अलावा कुछ विजिटिंग कार्ड व ताश के पत्ते पड़े थे। सीने पर जूते का निशान भी था। परिजनों के अनुसार 26 अगस्त की शाम एक फोन कॉल आने के बाद मुनीश घर से बाहर गए थे। इसके बाद वह नहीं लौटे। पुलिस जांच के बाद घर से निकलने के बाद मुनीश ई रिक्शा से शमशान तिराहे तक गए थे। वह नशे में थे। वहां वह किसी बाबा के पास बैठे थे। मगर सवाल है कि मुनीश श्मशान स्थल पर किसके बुलावे पर गए थे। वहां किसी के साथ मारपीट नहीं हुई तो उनके सीने पर जूते का निशान कैसे आया। पत्नी ममता ने बताया कि मुनीश को किसी ने जान से मारने की धमकी भी दी थी, मगर उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया था। फिलहाल, बिसरा रिपोर्ट के बाद की मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

बाढ़ से कटी सड़क की ग्रामीणों ने कराई मरम्मत

शेरगढ़ , अमृत विचार : किच्छा नदी में बाढ़ आने से किसानों की सैकड़ों बीघा जमीन भू-कटान में समा चुकी है। वहीं कमालपुर-नगरिया कलां गांव के बीच सड़क कटने से आवागमन अवरूद्ध हो गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी लोक निर्माण विभाग ने मार्ग की मरम्मत नहीं कराई। रविवार को ग्रामीण जेसीबी को किराये पर लेकर आए और मार्ग को ठीक कराया।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा इंटरमीडिएट व्यक्तिगत वर्ष 2000 अनुक्रमांक 0917917 का प्रमाण-पत्र कहीं खो गया है, जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला। रीना सिंह पुत्री ओम प्रकाश निवासिनी 476, सेक्टर-2, आवास विकास कालोनी, कासगंज (उ.प्र.)

सूचना
UGC मानकनुसार निम्नवत् विषयों हेतु 01 प्रवक्ताओं की अतिशीघ्र
आवश्यकता है
जिसका विवरण निम्नवत् है:-
01. बी.ए.:- गृहविज्ञान, अर्थशास्त्र, चित्रकला, शिक्षाशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र।
02. बी.एस.सी:- जन्तु विज्ञान 01, वनस्पति विज्ञान- 01, रसायन विज्ञान- 01, भौतिक विज्ञान- 01, गणित- 01 आदि
कृष्णा स्नातकोत्तर महाविद्यालय
लालपुर आजादपुर बण्डा, शाहजहांपुर
मो. 9759848050, 9621277033

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अनुकृति पटेल पुत्री श्री पवन कुमार वर्मा निवासी ग्राम कुशहा, मजरा लखनियापुर, तह. धौरहरा, जिला-खीरी मेरी कक्षा 5, स्कालर्स वर्ल्ड स्कूल लखीमपुर खीरी की टी.सी. वास्तव में खो गई है। जिसे प्राप्त हो कृपया प्रदान करने की कृपा करे। मो. 6391568224

सूचना
मैंने अपने पुत्र मोहम्मद अरबाज को उसकी गलत चाल-चलन व गलत सोहबत में पड़ जाने के कारण दिनांक 23.06.2025 को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था। लेकिन उसके कुछ समय बाद मेरे पुत्र ने मुझसे माफी मांग ली और मुझे विश्वास दिलाया कि मैं अब कोई गलत चाल चलन व गलतसोहबत में नहीं पड़ूंगा अच्छा आचरण रखूंगा जिसे मैं अपना पुत्र स्वीकार करता हूं। दिनांक 23.06.2025 को बेदखली निरस्त मानी जाये। मोहम्मद आजम उर्फ पप्पू पुत्र स्व. मोहम्मद उमर नि. गुड्डू आटा चक्की डेलापीर थाना इज्जतनगर, बरेली

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

लोडर चालक के सीने पर फावड़ा से हमला कर की हत्या

पुलिस ने आरोपी को कुछ ही घंटों में हत्या में प्रयुक्त फावड़े संग किया गिरफ्तार, परिजनों ने हत्यारोपी से किसी भी रंजिश से किया इनकार

कार्यालय संवाददाता, बरेली/कैंट

अब्दुल हमीद।

घटनास्थल पर पुलिस अफसरों के साथ जांच करती फॉरेंसिक टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र में बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर किसी बात से नाराज होकर युवक ने अधेड़ लोडर ऑटो चालक के सीने पर फावड़े से हमला करके मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्यारोपी को फावड़े के साथ गिरफ्तार कर लिया। उधर, परिजनों ने हत्यारोपी से किसी भी तरह की रंजिश होने से साफ इनकार किया है। आरोपी को मंगलवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

कैंट थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के उड़ला जागीर निवासी अब्दुल हमीद (50) लोडर ऑटो चलाते हैं। जो सेक्टर रोड बाजार मोहल्ला स्थित जावेद खां की बिल्डिग मैटेरियल की दुकान से अधिकतर रेता-बजरी लेकर लोगों के घरों पर पहुंचाते हैं। रोजाना की तरह वह अपने बेटे नदीम के साथ सोमवार की रात करीब आठ बजे किसी के घर पर रेता छोड़ कर आए थे। वह दुकान के बाहर खड़े थे, जबकि बेटा दुकान मालिक जावेद खां को रेता के रुपये देने दुकान में गया था। आरोप है कि इसी बीच ठिरिया निजावत खां निवासी सहरोज आ धमका। आते ही गाली-गलौज करते हुए वहां पड़े फावड़े से अब्दुल हनीफ के सीने पर लगातार वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद मौके से फरार हो गया। हमले में गंभीर रूप से जख्मी लोडर चालक को दुकानदार जावेद खां और बेटा नदीम फौरन निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उधर, हत्या की सूचना पर एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ प्रथम आशुतोष शिवम समेत थाना फोर्स मौके पर पहुंचे। कुछ ही देरी में जाल बिछा कर आरोपी सहरोज को फावड़े समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस परिजनों से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज कर रही है। मृतक को चार बेटे और दो बेटियां हैं। इनमें से दो बेटों की शादी हो चुकी है और दो अविवाहित हैं, जबकि, एक बेटी की शादी हो गई है। हालाकि, मृतक की पत्नी शाहजहां ने हत्यारोपी से किसी भी तरह की रंजिश होने से इनकार किया है।

बीड़ी न देने पर हत्या करने की चर्चा

मौके पर पहुंची पुलिस को आस-पास के लोगों ने बताया कि हत्यारोपी नशा करने का आदी है। चर्चा है कि आरोपी ने अब्दुल हनीफ से बीड़ी मांगी थी, लेकिन उसने बीड़ी देने से साफ इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच में विवाद हो गया। इस पर गुस्साये युवक ने बगल में पड़े फावड़े से हमला कर हत्या कर दी। हालाकि, इस बात की कोई अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस हत्या की वजह जानने के लिए आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है।

अवैध निर्माण पर रोक लगाने की मांग एसएसपी से शिकायत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : रास्ते पर अवैध निर्माण के चलते कस्बा की गलियां तंग होती जा रही हैं। जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौसिया मस्जिद के पास अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए असद अंसारी ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया है।

पत्र में बताया कि सड़क पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इससे रास्ता बाधित हो गया है। इस संबंध में नगर नगर पंचायत में शिकायत की जा चुक की है, मगर अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। लोग परेशानी से जूझ रहे हैं। उन्होंने अवैध निर्माण पर रोक लगाने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सिटी ब्रीफ

शूटिंग प्रतियोगिता में कई खिलाड़ियों ने जीते पदक

बरेली, अमृत विचार : जयपुर में आयोजित 48 स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में बरेली के कई खिलाड़ियों ने पदक जीते। मंतशा फातिमा ने व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। मंतशा ने प्री नेशनल चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। मंतशा का दावा है कि वह पहली हैं जो डबल ट्रैप महिला व्यक्तिगत वर्ग में बरेली की ओर से प्री नेशनल खेलने जा रही हैं। इसके अलावा 13 वर्षीय निशानेबाज शौर्य सिंह ने 1 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए। सेंट एंड्रयू स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र शौर्य ने पिस्टल वर्ग के चार इवेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नेशनल स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया। वह बरेली के इस आयु वर्ग में ऐसा करने वाले पहले शूटर बने हैं। शौर्य के कोच उनके पिता देवव्रत हैं, जो स्वयं राष्ट्रीय स्तर के शूटर और सर्टिफाइड कोच हैं। अब शौर्य अक्टूबर में देहरादून में होने वाली 44वीं नॉर्थ जोन प्री नेशनल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे।

विराट ने भी प्रतियोगिता में जीते दो रजत पदक

बरेली, अमृत विचार : जयपुर में शूटिंग चैंपियनशिप में विराट नाथ चौबे ने क्ले पिजन ट्रैप और डबल ट्रैप स्पर्धा की अंडर-16 और अंडर-21 श्रेणी में भाग लेते हुए दो रजत पदक अपने नाम किए। उनका चयन आगामी नार्थ जोन और प्री नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। जीआरएम डोहरा रोड कक्षा 10 के छात्र विराट की उपलब्धि से बरेली के खेल जगत में उत्साह का माहौल है।

मुख्य मार्ग पर जलभराव से लोग परेशान

भुता, अमृत विचार : गांव नगीरामपुर में मुख्य मार्ग पर जलभराव व गंदगी से लोग परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार एक माह पहले मार्ग पर इंटरलांकिंग करवाई गई थी। आरोप है कि इंटरलॉकिंग काफी नीचे डाली गई। अब हल्की बारिश में मार्ग पर पानी भर जाता है। स्कूली बच्चों के साथ लोगों को आने जाने में परेशानी होती है।

विदेश में शिक्षा ग्रहण करने का हमेशा अवसर

कार्यशाला में कुलपति प्रो. केपी सिंह का स्वागत करते शिक्षक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति की कार्यशाला में बोले कुलपति

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय एवं सोशल स्टडी फाउंडेशन पुणे के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षा विभाग संकाय सभागार में सोमवार को कार्यशाला हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को विदेश में शिक्षा ग्रहण करने का अवसर हमेशा ही है लेकिन उचित मार्गदर्शन न होने के कारण छात्र-छात्राएं लाभ से वंचित रहते हैं।

मुझे खुशी है कि सोशल स्टडी फाउंडेशन की ओर से विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन काफी दिनों से चल रहा था। सोशल स्टडी फाउंडेशन पुणे एवं रॉयल कैंसर विद्यालय के संयुक्त प्रावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम विदेश में बच्चों को विशेष अवसर प्रदान करेगा। हमारे विश्वविद्यालय से गत वर्षो में 401 छात्र-छात्राओं ने विदेश में शिक्षा ग्रहण करने का लाभ लिया है।

डॉ. शशि बाला, डॉ. रवि कुमार ने भी विचार रखे। विशिष्ट अतिथि हरि सोवानी रहे। संयोजन डॉ. रविंद्र कुमार ने और संचालन डॉ. विमल कुमार ने किया। आकाश पुष्कर ने आभार और रामप्रसाद अग्रवाल ने धन्यवाद दिया। डॉ. सुषमा गोंडियाल, डॉ. रामबाबू सिंह, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. एसके वर्मा, डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. एसएस बेदी उपस्थित रहे।

जन्मदिन पार्टी से लौट रहा पूर्व फौजी लापता, परिजनों ने किया हंगामा

पूर्व फौजी प्रेमपाल।

खोजबीन में जुटी टीम।

- परिजनों ने पुलिस पर देर से कार्रवाई शुरू करने का आरोप लगाते हुए कर दी सड़क जाम
- गोरा पुल के पास फौजी की बाइक-चप्पल बरामद, एनडीआरएफ ने चलाया सर्च ऑपरेशन

गुलड़िया, अमृत विचार : मीरगंज थाना क्षेत्र के गोरा पुल के पास जन्मदिन पार्टी से लौट रहा पूर्व फौजी अचानक लापता हो गया। उनकी बाइक और चप्पल पुल के पास से मिली हैं। उधर, फौजी के परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई देर से शुरू करने का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। एनडीआरएफ की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

गौरी शंकर गुलड़िया निवासी पूर्व सैनिक प्रेमपाल राजपूत रविवार की रात अपनी ननिहाल खुर्द गांव में पहुंचे थे। जहां पर जन्मदिन की पार्टी समाप्त कर घर के लिए निकल गए थे। आते समय करीब 12 बजे गोरा घाट पुल के पास मोटरसाइकिल समेत गिरने से बाइक, मोबाइल, व उसकी चप्पल और मोटरसाइकिल का अगला हिस्सा पानी में पड़े बल्ली पर रुका रहा। पूर्व सैनिक की पानी में बहने की आशंका जताई जा रही है। जबकि सोमवार की सुबह जब परिजनों को पता चला तो मौके पर पहुंचे। वहां पर मोटर साइकिल का एक हिस्सा पानी में व मोबाइल और चप्पल वहीं पानी के पास पड़ी हुई थी। मौके पर पहुंची मीरगंज पुलिस ने गोताखोरों की मदद से उन्हें तलाशने का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। पुलिस की देरी से शुरू की गई कार्रवाई से नाराज परिजनों ने बड़ागांव चौकी पर लगभग 20 मिनट तक रोड जाम कर दिया और जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की। इसके बाद मीरगंज पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम को सूचना की। सूचना के बाद लगभग 12:30 बजे एनडीआरएफ़ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और एनडीआरएफ़ की टीम ने कई घंटे तक सर्च अभियान चलाया। सोमवार की शाम तक पूर्व सैनिक का कोई पता नहीं चल सका। मीरगंज थानाध्यक्ष प्रयागराज चौधरी ने बताया कि सोमवार की सुबह से ही गोताखोरों व एनडीआरएफ की टीम सर्च कर रही है।

क्रॉसिंगों पर ओवरब्रिज व अंडरपास का निर्माण जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आंवला के सपा सांसद नीरज मौर्य ने रेल मंत्री को अलग-अलग लिखे तीन पत्र

अमृत विचार : फरीदपुर और आंवला क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंगों पर ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण जरूरी बताते हुए सपा सांसद नीरज मौर्य ने रेल मंत्री को अलग-अलग तीन पत्र लिखे हैं। औद्योगिक और पर्यटन की दृष्टि से कई ट्रेनों के संचालन और कई ट्रेनों के ठहराव की मांग भी है।

सांसद ने लोगों की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए आंवला-रामनगर रोड स्थित रेलवे फाटक, आंवला-भमौरा रोड रेलवे फाटक पर अंडरपास अथवा ओवरब्रिज निर्माण की आवश्यकता जताई है। रेलवे क्रॉसिंगों पर ट्रैफिक जाम, बढ़ती दुर्घटनाओं और लोगों की परेशानी का हवाला देते हुए शीघ्र कार्य शुरू करने की पुरजोर मांग रखी। सांसद ने पत्र में बताया कि घनी आबादी, औद्योगिक गतिविधियों एवं पर्यटन स्थलों के साथ व्यावसायिक गतिविधियों के दृष्टिगत आंवला रेलवे स्टेशन महत्वपूर्ण होने के बावजूद उपेक्षित है। प्रतिदिन हजारों यात्री, विद्यार्थी, श्रमिक व व्यापारी आना-जाना करते हैं जो नियमित रूप से रेल सेवाओं पर निर्भर हैं।

आंवला रेलवे स्टेशन पर ऊना हिमाचल-दिल्ली एक्सप्रेस के लिए तत्काल टिकट और आरक्षण की व्यवस्था की मांग उठायी। रविवार को छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस को आंवला रेलवे स्टेशन पर ठहराव जरूरी बताया। पूर्णांगिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस में जनरल कोच जोड़ने की जरूरत बताई। बरेली से आगरा जाने वाली आगरा कैंट ट्रेन वर्तमान में बंद है, उसके संचालन की मांग की।

युवक को घेर कर पीटने वाले तीन गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने युवक को घेर कर पीटने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शहमातगंज निवासी राहुल राजपूत, गंगापुर के अंकित और देव के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी अमित पांडे ने बताया कि पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीनों आरोपियों ने उसके बेटे नितिन के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया था। आरोपियों ने बताया कि मूर्ति विसर्जन के दौरान नितिन के साथ कहासुनी हुई थी। जिसके कारण तीनों ने मिलकर उनकी पिटाई की थी। तीनों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में छात्रों ने मारी बाजी

बरेली, अमृत विचार: मंडलीय विद्यालयी ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मनोहर भूषण इंटर कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। वासु और अनमोल ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अंडर 17 और अंडर 19 वर्ष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्रों के इस उपलब्धि प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार और क्रीड़ा प्रभारी डॉ. आरबी तिवारी ने छात्रों को राज्य स्तर पर खेलने के लिए चयनित होने पर शुभकामनाएं दीं।

न्यूज डायरी

ए डे ऑन एआई-एडब्ल्यूएस डिस्कवरी डे पर कार्यशाला

बरेली, अमृत विचार : सिद्धि विनायक समूह संस्थानों में तकनीकी क्लब गिज्मोफ्रीक्स के तत्वावधान में ए डे ऑन एआई क्लाउड-एडब्ल्यूएस डिस्कवरी डे पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मैपिंग स्किल्स नोएडा और अमेजन वेब सर्विसेस के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के डीन डॉ. सुधाकर जैन के निर्देशन में हुई। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को क्लाउड और एआई की जानकारी देना था। विशेषज्ञ रचना शर्मा ने छात्रों को क्लाउड की तकनीक की महत्वा बताई। सफल आयोजन पर समूह के चेयरमैन अनुपम कपूर और मैनेजिंग डायरेक्टर अनमोल कपूर ने प्रसन्नता व्यक्त की।

मदर्स पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया

बरेली, अमृत विचार : मदर्स पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर चारों शाखाओं के शिक्षक मुख्य शाखा बरेली में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय सलाहकार आशुतोष प्रिय और प्रबंधक राजेश यादव ने की। सभी शाखाओं के शिक्षकों का विद्यालय के प्रधानाचार्य आईपीएस चौहान ने अभिनंदन किया। सभी शाखाओं के शिक्षकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। आशुतोष प्रिय ने कहा कि हर कोशिश सफलता नहीं होती लेकिन हर सफलता के पीछे कोशिश जरूर होती है। राजेश यादव ने कहा कि शिक्षक वह है जो स्वयं मोमबत्ती बनकर विद्यार्थियों को प्रकाश देता है। विद्यालय निर्देशक सुनयना यादव व शीबा खान ने शिक्षकों को समाज की रीढ़ बताया।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने बा स्कूल का निरीक्षण किया

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय ने सोमवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने बालिकाओं को प्रतिदिन दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच की। विद्यालय परिसर की साफ व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। साथ ही उनकी समस्याओं को भी सुना। उन्होंने विद्यालय स्टाफ को बालिकाओं की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

दस लक्षण पर्व का विधिवत समापन, क्षमा वाणी पर्व की शुरुआत आज से

बरेली, अमृत विचार : शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में दस लक्षण पर्व का विधिवत समापन धूमधाम और धार्मिक श्रद्धा के साथ किया गया। सुबह पांडुशिला पर जिनेंद्र भगवान का अभिषेक और प्रक्षाल के बाद नित्य नियम पूजा संपन्न हुई। इसके बाद मां जिनवाणी अर्थात मां सरस्वती पूजन और शांति विधान का आयोजन किया गया। दस लक्षण पर्व कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि पर्व के समापन के साथ ही क्षमा वाणी पर्व की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर मंगलवार को जैन मंदिर, रामपुर गार्डन में दोपहर डेढ़ बजे से विशेष कार्यक्रम होगा। इसमें भगवान जिनेंद्र की पालकी यात्रा निकाली जाएगी। अभिषेक के बाद विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

Rotary | DISTRICT 3110

रोटरी क्लब ऑफ बरेली
Club No. 15413

श्री आरिफ मोहम्मद खान
माननीय राज्यपाल, बिहार
मुख्य अतिथि, रोटरी समागम कार्यक्रम
का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करता है

रो0 डॉ0 मनीष शर्मा – अध्यक्ष
रो0 शेखर यादव – सचिव
रो0 अरविन्द गुप्ता – कोषाध्यक्ष
रो0 सीए राजेन विद्यार्थी – मण्डलाध्यक्ष
रो0 डॉ0 ए0के0 चौहान – क्लब लर्निंग फैसिलिटेटर

Courtesy: SRASHTIPURTI
प्रवेश केवल निमंत्रण पत्र द्वारा

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 9 सितंबर 2025

नेपाल में बवाल

सड़कों पर उतरी आबादी, हिली सरकार

हिंसा पर नियंत्रण को सरकार व प्रशासन ने काठमांडू सहित कई जगहों पर लगाया कर्फ्यू

नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित संसद भवन के बाहर सोशल मीडिया मंचों को बंद किए जाने को लेकर प्रदर्शन करते लोग।

अमृत विचार नेटवर्क

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार के बहाने नोबल मीडिया पर वैन के विरोध में जेन जी छात्र संगठन ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। काठमांडू से लेकर मैदानी इलाकों तक फैले हिंसक प्रदर्शन के दौरान सड़कों पर 43% आबादी उतर आई थी। हिंसा पर नियंत्रण को सरकार व स्थानीय प्रशासन को काठमांडू सहित विभिन्न जगहों पर कर्फ्यू लगाना पड़ा।

काठमांडू सुनसरी जिले के इटहरी पोखरा, रूपन्देही जिले के बुटवल और भैरहवा में कर्फ्यू का आदेश जारी किया गया है। सुनसरी जिला प्रशासन कार्यालय के प्रमुख जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने इटहरी के मुख्य चौक के आस-पास के इलाकों में अगले आदेश तक कर्फ्यू का आदेश जारी किया है। इसी तरह, रूपन्देही जिला प्रशासन कार्यालय ने बुटवल और भैरहवा में रात 10 बजे तक कर्फ्यू का आदेश जारी किया है। प्रमुख जिलधिकारी डॉ टोकराज पांडे के अनुसार, बुटवल में पेट्रोल पंप, धागा कारखाना पुल, बेलबास चौक, चिड़िया खोला और मंगलापुर तथा भैरहवा में रोहिणी खोला पुल, बिथरी पुल, बुद्ध चौक और मेउड़िहवा के इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया है। काठमांडू में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू जारी रहेगा। प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और सेना की गोली बारी को मजबूर होना पड़ा। काठमांडू में प्रदर्शनकारी सेना के वाहन को रोकने के लिए नारेबाजी करते हुए उसके सामने लेट गए।

पथराव के दौरान वाहन की पीछे छिपते सेना के जवान।

कंपनियों के दबाव में सरकार ने लगाई सेवाओं पर रोक

नेपाल सरकार ने दो दिन पहले सोशल मीडिया की सारी सेवाएं रोक दी है। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि नेपाल में छोटे-छोटे दुकानदार से लेकर बड़े प्रतिष्ठानों तक में वाई-फाई का इस्तेमाल हो रहा है। इससे नेपाल में जो निजी नेटवर्क कंपनियां हैं उन्हें नुक़सान हो रहा है। रिचार्ज शून्य तक पंहुच गया। निजी नेटवर्क कंपनियां धड़ाम होने के कगार पर है। समझा जा रहा है कि निजी रिचार्ज और सिम कंपनियों के दबाव में सरकार ने यह कदम उठाया जिसका कि उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

जेनरेशन-जेड ने शुरू की बगावत

नेपाल इन दिनों भारी राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। सोमवार को काठमांडू और अन्य बड़े शहरों में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों की खास बात यह है कि इन्हें किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि जेनरेशन-जेड यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई पीढ़ी के युवाओं ने शुरू किया है। यह आंदोलन इसलिए तेज हुआ क्योंकि नेपाल सरकार ने 26 बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को बैन कर दिया है। सोशल मीडिया मंचों पर रोक से नाराज युवाओं ने सड़कों पर उतरकर गुस्सा जाहिर किया। छात्र-छात्राओं ने स्कूल-कॉलेज की ड्रेस पहनकर और हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर प्रदर्शन किए।

हिंसक प्रदर्शन के दौरान हुई आगजनी।

मेटा-यूट्यूब ने सरकार की शर्तें नहीं कीं पूरी

नेपाल सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट्स से अफवाहें और नफरत फैलाई जा रही थीं, जिससे साइबर अपराध बढ़ रहा था और सामाजिक व्यवस्था बिगड़ रही थी। सरकार ने कंपनियों को आदेश दिया था कि वे नेपाल में रजिस्ट्रेशन कराएं, स्थानीय प्रतिनिधि नियुक्त करें और जरूरत पड़ने पर यूजर्स का डेटा साझा करें। इसके लिए 3 सितंबर तक का समय दिया गया, लेकिन मेटा और यूट्यूब जैसी कंपनियों ने सरकार की शर्तें पूरी नहीं कीं। कंपनियों का कहना था कि नेपाल का बाजार छोटा है और यहां लोकल ऑफिस खोलना और स्टाफ रखना उनके लिए महंगा सौदा होगा। दूसरी तरफ टिकटॉक और कुछ अन्य प्लेटफॉर्म्स ने समय पर रजिस्ट्रेशन कर लिया, इसलिए वे बैन से बच गए। आलोचकों का मानना है कि नेपाल सरकार चीन के दबाव में टिकटॉक जैसी ऐप्स को बचा रही है, जबकि अमेरिकी कंपनियों पर कड़ा रुख अपना रही है।

नेपो किड्स ट्रेंड ने बढ़ाया गुस्सा

आंदोलन के पीछे का एक कारण कुछ महीनों से नेपाल में "नेपो किड्स" ट्रेंड ने युवाओं में गुस्सा और बढ़ा दिया था। इस ट्रेंड में नेताओं के बच्चों की आलीशान जिंदगी की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे थे। महंगी कारें, विदेशी शिक्षा और ब्रांडेड कपड़ों में नेताओं के बेटे-बेटियां आम लोगों की गरीबी से बिल्कुल अलग दुनिया में नजर आ रहे थे। नेपाल की प्रति व्यक्ति आय महज 1,300 डॉलर सालाना है। ऐसे में जब आम युवा बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहे हों और नेताओं के परिवार शानो-शौकत में जी रहे हों, तो असंतोष स्वाभाविक है। यही कारण है कि सोशल मीडिया बैन को युवाओं ने सिर्फ अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला नहीं माना, बल्कि इसे भ्रष्ट और अमीर-गरीब के बीच की खाई को और गहरा करने वाला कदम बताया।

हामी नेपाल की अहम भूमिका

प्रदर्शनों में 'हामी नेपाल' नामक एनजीओ की अहम भूमिका रही है। इस संगठन ने छात्रों को सोशल मीडिया और डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए विरोध के लिए प्रेरित किया। युवाओं से कहा कि वे किताबें और कॉलेज बैग लेकर आएं ताकि आंदोलन छात्र-युवा आंदोलन के रूप में पहचाना जाए। काठमांडू में हुए प्रदर्शनों की अनुमति भी हामी नेपाल ने प्रशासन से ली थी। इसके संस्थापक सुदान गुरुंग ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बड़े स्तर पर आंदोलन का आह्वान किया था। हामी नेपाल पहले सामाजिक कार्यों के लिए जाना जाता था, जैसे भूकंप या बाढ़ राहत। लेकिन इस बार इसने भ्रष्टाचार और सरकार की नीतियों पर खुलकर सवाल उठाए।

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहनपुर, वि.ख. फरीदपुर (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मोहनपुर में मनरेगा/ग्रामनिधि व आई.सी.डी.एस. के योजना कन्जेंस से निम्न निर्माण कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, सामग्री विवरण निम्नवत है- ईंट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	निर्माण कार्य का नाम जिसकी निविदा जारी की जाती है	अनु.लागत लाख में
1.	ग्राम मोहनपुर में आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण	12/-

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें प्रकाशन से तीसरे दिन तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 02 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

फिरासत खां-ग्राम प्रधान — प्रदीप सिंह राणा-ग्रा.वि.आ.

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

सीआरपीएफ में नौकरी का झांसा देकर 8 लाख रुपये ठगे

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- फर्जी नियुक्ति पत्र दिया, रुपए मांगने पर जान से मारने की धमकी

अमृत विचार : खुद को सीआरपीएफ का कमांडेंट बता किसान के बेटे को सीआरपीएफ में भर्ती करने के नाम पर आठ लाख रुपए की ठगी कर ली। फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया। पिता-पुत्र ने रुपए वापस मांगे तो जान से मारने की धमकी दी। पीडित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।

कोतवाली क्षेत्र के गांव भायपुर निवासी बलवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर दी कि 15 नवंबर 2021 को थाना क्षेत्र के गांव असलेमपुर निवासी एक व्यक्ति ब्लॉक परिषद ठाकुरद्वारा में मिला। बताया कि वह सीआरपीएफ में कमांडेंट है। किसी बच्चे को भर्ती करना हो तो बताना। अपने परिजनों से मशवरा लेने के बाद दो-चार दिन बाद वह असलेमपुर गांव पहुंचा। वहां उक्त व्यक्ति, उसका भाई व पिता मिले। युवक के पिता ने कहा कि सिक्योरिटी बतौर आठ लाख रुपये जमा करने होंगे। जब तुम्हारा बेटा विकास सीआरपीएफ में ज्वाइन कर ले तब सारे रुपये वापस कर देंगे। उसने उन पर विश्वास कर बताए गए बैंक खाते में अलग-अलग तिथियां में कुछ रुपये व नकद भी दे दिए।

15 अगस्त 2023 को उक्त व्यक्ति ने भायपुर आकर विकास के नाम का ज्वाइनिंग लेटर दिया। बताया कि ट्रेनिंग 22 नवंबर 2023 से उड़ीसा में होगी। इसके बाद 25 सितंबर 2023 को उसने उन्हें ठाकुरद्वारा बुलाकर कहा कि किसी व्यक्ति ने तुम्हारे बेटे की शिकायत कर दी जिस कारण ट्रेनिंग का समय बढ़ गया है। इसके बाद उसने ज्वाइनिंग लेटर के बारे में जानकारी की तो वह निकला। इस संबंध में कई बार पंचायत हुई जिसमें उसने वादा किया कि 10 फरवरी 2024 तक रकम वापस कर देंगे लेकिन रुपये वापस नहीं किए। मुझे और मेरे बेटे को जान से मारने की धमकी दी।

हाईटेंशन से टकराया सरिया, दो की मौत

संवाददाता, कलान

अमृत विचार: गांव तिलौआ में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां नल की सरिया ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की विद्युत लाइन से टकरा गई। करंट लगने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में मातम छा गया।

गांव तिलौआ निवासी सत्यवीर (35) अपने घर के नल में खराबी के कारण सोमवार सुबह करीब 6 बजे उसकी सरिया निकाल रहे थे। सरिया की लंबाई 35 से 40 फीट थी। जिस जगह पर सत्यवीर सरिया निकाल रहे थे, उसके ऊपर से बिजली की हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी।

सरिया निकालते समय वह बिजली लाइन पर ध्यान ही नहीं दे पाए और सरिया ऊपर उठाते चले गए। जैसे ही सरिया ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से छू गई और करंट दौड़ गया। सत्यवीर की मौके पर ही मौत हो गई। यह लाइन वाराकला से गांव की तरफ आ रही थी। इसी दौरान समीपवर्ती गांव बारा खुर्द निवासी कमलदेव (34) खेत देखने के लिए तिलौआ आए थे। वह उसी स्थान पर मौजूद थे। सरिया उनसे भी छू गई, जिससे वे भी करंट की चपेट में आ गए और उनकी भी मौके पर मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही घरों में कोहराम मच गया।

करंट लगने के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

- नल की मरम्मत के लिए छड़ निकालते समय हुआ हादसा

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 219/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 06.09.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य + 18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	थाना पुलिया से बारह पत्थर तक नाले पर आर.सी.सी. स्लैब का निर्माण कार्य।	970036.00	16450.00	1150.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्ध की तिथि 08.09.2025 को प्रात: 10:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 29.09.2025 अपरान्ह 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 30.9.2025 को अपरान्ह 10:00 बजे।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई में खाता सं. 321005500073 आई.एस.एस.सी. ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बीसलपुर (पीलीभीत) — अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, बीसलपुर (पीलीभीत)

पब्लिक नोटिस

सूचित किया जाता है कि दलविन्दर सिंह पुत्र जस्सा सिंह व अमनदीप कौर पत्नी दलविन्दर सिंह, नि. 77/9, गोल्डन ग्रीन पार्क, हरुनगला, बरेली, उ.प्र. ने बही नं.1, जिल्द नं. 3423, सीरियल नं. 3736, पृ. स. 1-42, दिनांक 24.04.2010 को मकान खरीदा था। जिसकी चेन सेल डीड बही नं.1, जिल्द नं. 834 पृष्ठ सं. 219/242, सीरियल नं. 4364 दिनांक 05.06.2004 है। जो अनिल किशोर अग्रवाल पुत्र शिवराज अग्रवाल ने एच.एस. कन्स्ट्रक्शन प्रा.लि. से खरीदा था। अब यही चेन सेल डीड रास्तें घर जाते वक्त कहीं खो गई है।

दलविन्दर सिंह पुत्र जस्सा सिंह व अमनदीप कौर पत्नी दलविन्दर सिंह इस प्रॉपर्टी पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा-बरेली से लोन ले रहे हैं। अगर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो नीचे दिये गये पते पर 7 दिन के अन्दर आपत्ति दर्ज करायें। अन्यथा 7 दिन बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

दिव्य कुमार श्रीवास्तव
मो. 7355544102
रजि. नं. UP07783/6

पूर्वांचल में गंगा तो पश्चिम में यमुना का कहर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: अमृत विचार: पूर्वांचल में गंगा तो पश्चिम में यमुना का तांडव से जनजीवन अस्त व्यस्त है। दोनों नदियों का जलस्तर बेकाबू हो रहा है। ऐसे में कई जिलों में गांव ही नहीं अब शहरी क्षेत्र भी जलमग्न हैं। वाराणसी की स्थिति यह है कि वहां घाटों के पानी में डूब जाने से पितृपक्ष में तर्पण करने वालों को सड़कों और गलियों में बैठना पड़ रहा है।

मथुरा में तो शहरी कालोनियों में एक-एक मंजिल तक पानी भर गया है, जिले के 45 गांव टापू बन गए हैं। यहां हालात इतने खराब हैं कि लोगों को 1978 की बाढ़ की याद आने लगी है। 47 साल का पुराना रिकार्ड टूटता नजर आ रहा है। इधर, बलिया में पहले से ही गंगा खतरा बिंदु से ऊपर बह रहीं हैं, गाजीपुर और चंदौली में बाढ़ का पानी कई गांव में पहुंच गया है।

बनारस में नदी का जलस्तर निरंतर बढ़ने से वरुणा किनारे के आठ मोहल्लों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। सात राहत शिविर खोल दिए गए हैं। यहां करीब 150 से ज्यादा परिवारों के 600 से अधिक लोग ने आश्रय डाला है। बलिया में कई गांवों के स्कूल, सड़क पानी में डूब गए हैं। गंगा यहां खतरा बिंदु 57.615 मीटर से 1.18 मीटर ऊपर बह रही हैं। जलस्तर में करीब दो सेमी प्रति घंटे की वृद्धि हो रही है।

साइबर अपराधी ने महिला सिपाही को बनाया निशाना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- अगस्त माह में अंजाम दी गई वारदात, एफआईआर दर्ज

अमृत विचार : साइबर अपराधियों ने महिला सिपाही को ही निशाना बना लिया। एटीएम कार्ड गिरने पर उसे ब्लॉक कराने के लिए महिला सिपाही ने गूगल पर टोल फ्री नंबर को तलाशा और कॉल की, लेकिन वह कनेक्ट नहीं हुई। मगर कुछ देर बाद ही नए नंबर से कॉल कर जालसाज ने क्रेडिट कार्ड से कट रहे रुपये रोकवाने के लिए साइट पर केवाईसी कराने की सलाह दी। एक अन्य नंबर से लिंक भेजा और फिर चंद मिनट में ही रकम उड़ा ली गई। साइबर थाने में प्रकरण की अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

महिला कांस्टेबल सारिका यादव ने बताया उसका एसबीआई बैंक का एटीएम कार्ड खो गया था। इस पर उसने गूगल पर जाकर एटीएम को बंद कराने के लिए टोल फ्री नंबर तलाश किया, लेकिन वह कनेक्ट नहीं हुआ। फिर 23 अगस्त को एक नए नंबर से कॉल आई। रिसीव करने पर कॉलर ने बताया कि आपके क्रेडिट कार्ड से रुपये कट रहे हैं। अगर इसे रोकवाना है तो क्रेडिट कार्ड की साइट पर जाकर केवाईसी करनी होगी। उस वक्त क्रेडिट कार्ड पर अधिक रुपये कट रहे थे। तभी पीड़िता ने क्रेडिट कार्ड की साइट को गूगल पर चेक किया, लेकिन नहीं मिली। फिर एक अन्य नंबर से व्हाट्सएप पर लिंक भेजा गया। उस पर क्रेडिट कार्ड से संबंधित डिटेल भरी और उस फाइल को डाउनलोड कर लिया और डिलीट कर दिया। कुछ समय बाद क्रेडिट कार्ड चेक किया तो उसमें से 57480 रुपये कट गए। इसके बाद पीड़ित महिला सिपाही ने अपना दूसरा बीओबी बैंक का एकाउंट चेक किया तो पता चला कि उसमें से 87000 रुपये कट चुके हैं।

केजरीवाल को विदेश जाने से पूर्व कोर्ट को देनी होगी सूचना

सुलतानपुर अमृतविचार : दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा दायर पासपोर्ट नवीनीकरण से जुड़े संशोधन/स्पष्टीकरण प्रार्थना पत्र पर सोमवार को एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई उपरांत अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया। देर शाम कोर्ट ने आदेश किया है कि विदेश जाने के पूर्व अदालत की इजाजत नहीं लेनी होगी। इसकी सूचना कोर्ट को देनी होगी। बीते 6 अगस्त को अदालत ने 10 वर्ष के लिए पासपोर्ट नवीनीकरण पर कोई आपत्ति न होने का आदेश दिया था।

एल&टी फायनांस लिमिटेड
(पहले एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड के नाम से ज्ञात)
पंजीकृत कार्यालय
वृंदावन, प्लॉट नंबर १७७, सी.एस.टी. रोड, कलिना, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई ४०० ०९८, महाराष्ट्र, भारत
CIN: L67120MH2008PLC181833
T +91 22 6212 5000
F +91 22 6212 5553
E igrc@ltfs.com
www.ltfinance.com

L&T Finance

सूचना

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत इनवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड अथॉरिटी (आईईपीएफए) ने ''सक्षम निवेशक'' नाम से १०० दिनों का देशव्यापी अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य शेयरधारकों को उनके दावारहित शेयरों/लाभांश का दावा करने में मदद करना और निवेशक सेवा वितरण में सुधार के लिए ''केवाईसी'' रिकॉर्ड को अपडेट करना है।

इस सूचना के माध्यम से, एल&टी फायनांस लिमिटेड (पहले एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड के नाम से ज्ञात) के उन शेयरधारकों से अनुरोध है जिन्होंने अपने शेयरों/लाभांश का दावा नहीं किया है या केवाईसी, बैंक मैनडेट (अनुदेश), नॉमिनेशन (नामांकन), संपर्क जानकारी आदि से संबंधित विवरण अपडेट नहीं किया है, उनसे निम्नलिखित को लिखने का निवेदन किया जाता है:

- रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट (''आरटीए'') को निम्नलिखित पते पर लिखें (यदि शेयरधारक भौतिक रूप में शेयर रखते हैं):

  एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्रायवेट लिमिटेड (पहले लिंक इनटाइम इंडिया प्रायवेट लिमिटेड के नाम से ज्ञात)
  सी-१०१, २४७ पार्क, एल.बी.एस. मार्ग, विक्रोली (पश्चिम), मुंबई - ४०००८३, महाराष्ट्र, भारत,
  फोन: +९१ ८१० ८११ ६७६७, फैक्स: +९१ २२ ४९१८ ६०६०
  वेबसाइट: https://in.mpms.mufg.com/
  ईमेल: rnt.helpdesk@in.mpms.mufg.com

- डिमटीरियलाइज्ड रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने केवाईसी, बैंक मैनडेट, नॉमिनेशन, संपर्क जानकारी आदि को अपडेट करने के लिए अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट से संपर्क करें और अपने दावारहित शेयरों/लाभांश का दावा करने के लिए उपरोक्त पते पर आरटीए से संपर्क करें।

किसी भी अन्य पूछताछ के लिए, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे igrc@ltfs.com पर लिखें। इसके अलावा, यह सूचना कंपनी की वेबसाइट www.ltfinance.com/investors पर भी उपलब्ध है।

एल&टी फायनांस लिमिटेड के लिए
(पूर्व में एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड के नाम से ज्ञात)

अपूर्वा राठौड़
कंपनी सेक्रेटरी
एफसीएस १३७२९

स्थान: मुंबई
तारीख: ०९ सितंबर, २०२५

दो गोवंशीय पशुओं की मौत, प्रधान व केयरटेकर पर एफआईआर

बिल्सी, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव पहाड़पुर की गोशाला दुर्दशा का शिकार है। धनराशि मिलने के बाद भी गोवंश पशुओं को भोजन नहीं दिया जा रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने एडीएम वित्त एवं राजस्व से की। इसे गंभीरता से लेते हुए एडीएम ने सीवीओ और एसडीएम को जांच के आदेश कर दिया।

जांच को पहुंचे अधिकारियों को गोशाला में दो पशु मृत मिले। इस पर सीवीओ ने गांव के प्रधान और केयर टेकर के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। गांव पहाड़पुर स्थित अस्थाई गोशाला में रविवार को दो गोवंशीय पशुओं की मौत हो गई थी।

पंचायत चुनाव की जोर आजमाइश शुरु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सभी राजनीतिक दलों ने तय किए कार्यक्रम

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में छोटे-बड़े दलों के बीच पंचायत चुनाव को लेकर जोर आजमाइश शुरु हो गई है। सभी राजनीतिक दल मिशन 27 साधने को तैयार हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले इन राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी रणनीति और भावी कार्यक्रमों का लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। इस क्रम में भाजपा 17 सितंबर से चलाएगी सेवा पखवाड़ा अभियान चलाने जा रही है। वहीं, रालोद 2 अक्टूबर से एकता यात्रा पर है जबकि, बसपा महारैली कर अपना शक्तिप्रदर्शन करेगी। इस बीच कांग्रेस ने जहां संगठन सृजन अभियान तेज कर रखा है, वहीं सपा भी संगठनात्मक बदलाव कर रही है।

स्वाभाविक है कि 2027 में होने वाले विधानसभा से पहले सभी सियासी दलों की नजर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर है और पंचायत चुनाव को सेमीफाइनल मानकर इन दलों ने अपनी-अपनी फील्डिंग सजाने की तैयारी की है। इसी कवायद के तहत रालोद आमजन से जुड़ने के लिए 2 अक्टूबर यानि गांधी जयंती से 31 अक्टूबर सरदार पटेल जयंती तक प्रदेशभर में एकता यात्रा निकालेगी। वहीं, सत्तासीन दल भाजपा 17 सितंबर से गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा अभियान चलाने की तैयारी में है। पार्टी ने पश्चिम यूपी के सभी 18 जिलों में दिग्गज नेताओं को पंचायत चुनाव के लिए संयोजक और सह संयोजक भी नियुक्त कर दिए हैं।

नेशनल ब्रीफ

'द बंगाल फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाने की याचिका खारिज

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाने के अनुरोध वाली गोपाल चंद्र मुखर्जी के पोते की एक याचिका सोमवार को खारिज कर दी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि फिल्म में नायक को गलत तरीके से चित्रित किया गया है। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने याचिका को विचार योग्य न मानते हुए खारिज कर दिया। फिल्म अगस्त 1946 में कोलकाता में हुए सांप्रदायिक दंगों पर आधारित है। इन दंगों को 'ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स' के नाम से जाना जाता है। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि गोपाल चंद्र मुखर्जी के पोते शांतनु मुखर्जी ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के समक्ष एक आरटीआई आवेदन दायर किया था, जिसमें फिल्म में उनके दादा के चित्रण का आकलन करने में बोर्ड की भूमिका पर सवाल उठाया गया था।

रामबन में महिला और दो बच्चों के शव मिले

बनिहाल/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल इलाके में सोमवार को एक महिला और दो बच्चों के शव मिले। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीनों की मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने कहा कि शव जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनिहाल शहर से लगभग तीन किलोमीटर दूर रतन बास में मिले। उन्होंने बताया कि महिला मध्यम आयुवर्ग की है, जबकि बच्चों की उम्र सात से दस साल के बीच है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मौत के कारण सहित अन्य विवरणों की प्रतीक्षा है।

प्रति व्यक्ति आय में तेलंगाना शीर्ष पर

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय 3.87 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से कर्नाटक और हरियाणा को पीछे छोड़कर शीर्ष राज्य बन गया है। राज्य स्तरीय बैंकरों की बैठक को संबोधित करते हुए विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना के बैंकों ने पहली तिमाही में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण खंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) लक्ष्यों का 33.64 प्रतिशत हासिल किया है। उन्होंने कहा, तेलंगाना अब 3.87 लाख रुपये प्रति व्यक्ति आय के साथ देश में शीर्ष पर है। राज्य हरियाणा और कर्नाटक से आगे है।

फलस्तीन के समर्थन में नारे, चार गिरफ्तार

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में एक स्थानीय रेलवे स्टेशन पर फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाने और एक विदेशी देश का झंडा लहराने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजकीय रेलवे पुलिस-भागलपुर के प्रभारी उमेश प्रसाद ने बताया कि 19 से 20 साल की उम्र के आरोपियों को भागलपुर के चमेलीचक इलाके से गिरफ्तार किया गया, जो हबीबपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। प्रसाद ने कहा, गिरफ्तार किए गए लोगों का एक वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था।

अग्रिम जमानत अर्जियों पर सीधी सुनवाई को लेकर केरल हाईकोर्ट को सुप्रीम नोटिस

वादी को हाईकोर्ट से पहले सेशन कोर्ट जाना चाहिए या नहीं, शीर्ष कोर्ट करेगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस बात की पड़ताल करेगा कि अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट जाने का विकल्प पक्षकार चुनेगा या वादियों को पहले सेशन कोर्ट जाना अनिवार्य होगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केरल हाईकोर्ट की उस परिपाटी का संज्ञान लिया, जिसमें वादी के सेशन कोर्ट का रुख किए बिना अग्रिम जमानत की अर्जियों पर सीधे विचार किया जाता है। केरल हाईकोर्ट को नोटिस भी जारी किया गया है।

पीठ ने सवाल किया, एक मुद्दा जो हमें परेशान कर रहा है, यह है कि केरल हाईकोर्ट में यह एक परिपाटी बनती नजर आ रही है कि हाईकोर्ट वादी के सत्र अदालत का रुख किए बिना ही अग्रिम जमानत की अर्जियों पर सीधे विचार कर लेता है। ऐसा क्यों है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूर्ववर्ती सीआरपीसी और बीएनएसएस 2023 में इस संबंध में एक प्रक्रिया का उल्लेख है। बीएनएसएस की धारा 482 गिरफ्तारी की आशंका वाले व्यक्ति को जमानत देने के निर्देश से संबंधित है।

पीठ ने कहा, ऐसा किसी अन्य राज्य में नहीं होता। सिर्फ केरल हाईकोर्ट में ही हमने देखा है कि नियमित रूप से अग्रिम जमानत के लिए अर्जियों पर सीधे विचार किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी दो व्यक्तियों द्वारा केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। पीठ ने मामले में कहा कि याचिकाकर्ताओं ने सत्र अदालत में गए बिना राहत के लिए सीधे हाईकोर्ट का रुख किया। यह पाया गया कि हाईकोर्ट ने आवेदक के सत्र अदालत का रुख किए बिना ही ऐसी अर्जियों पर सीधे विचार कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप उपयुक्त तथ्य रिकॉर्ड में नहीं रखे जा सके, जो सत्र अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकते थे।

पीठ ने कहा, हम इस पहलू पर विचार करने और यह तय करने के लिए इच्छुक हैं कि क्या हाईकोर्ट जाने का विकल्प पक्षकार की इच्छा पर निर्भर होगा या यह अनिवार्य होना चाहिए कि आरोपी पहले सत्र अदालत जाए। शीर्ष अदालत ने केरल हाईकोर्ट को उसके रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से नोटिस जारी किया। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा को न्यायमित्र नियुक्त किया और सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए मुल्तवी कर दी।

सजा से ज्यादा जेल: एमपी सरकार को फटकार, 25 लाख मुआवजे का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद रहने को मजबूर एक दोषी की याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार को 25 लाख रुपये का मुआवज़ा देने उसे देने का सोमवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि दोषी सोहन सिंह ने 11 साल और सात महीने जेल में बिताए, लेकिन उसकी जेल की सज़ा केवल सात साल की थी। याचिकाकर्ता ने दुष्कर्म के एक मामले में अतिरिक्त कारावास की सज़ा काटी थी, हालांकि वह कुछ समय के लिए ज़मानत पर था। पीठ ने इस मामले में भ्रामक हलफ़नामा दायर करने के लिए राज्य सरकार के वकील से भी सवाल किए। अदालत ने राज्य सरकार की इस चूक के लिए भी कड़ी आलोचना की, जिसके कारण दोषी को ज़रूरत से ज्यादा जेल में रहना पड़ा।

ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ दायर याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के खिलाफ विभिन्न हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित कर दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार की गुहार स्वीकार कर आदेश पारित किया। पीठ ने दिल्ली, कर्नाटक, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट को सभी अंतरिम आवेदनों सहित संपूर्ण रिकॉर्ड एक सप्ताह में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सीए सुंदरम और अरविंद दातार की दलीलें सुनने के बाद कहा, समय बचाने के लिए यह स्थानांतरण डिजिटल रूप से किया जाए।

नहीं बढ़ेगी विकास यादव की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के बहुचर्चित नीतीश कटारा हत्या मामले में 25 साल की जेल की सजा काट रहे दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाने से सोमवार को इन्कार कर दिया और उसे हाईकोर्ट जाने को कहा। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने यादव के वकील एस गुरुकृष्ण के इस आग्रह को भी अस्वीकार करदिया कि उनके मुवक्किल की अंतरिम ज़मानत अवधि चार दिन और बढ़ा दी जाए, ताकि वह हाईकोर्ट में आवेदन दायर कर सकें।

मेधा पाटकर ने अपनी याचिका वापस ली

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने सुप्रीम कोर्ट से वह याचिका वापस ले ली, जो दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के खिलाफ दायर 25 साल पुराने मानहानि मामले में और भी गवाहों से पूछताछ से इन्कार करने संबंधी आदेश के खिलाफ दायर की गई थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने शुरूआत में कहा था कि इस मामले को बंद कर देना चाहिए।

वेदांता के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से अलग हुए जस्टिस चंद्रन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस के विनोद चंद्रन ने सोमवार को वेदांता के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। इस याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया गया था कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर 'वायसराय रिसर्च' के आरोपों की जांच करने के लिए अधिकारियों को आदेश दिया जाए। वायसराय रिसर्च ने आरोप लगाया था कि अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल का खनन समूह वित्तीय रूप से अस्थिर है और लेनदारों के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रहा है। न्यायमूर्ति चंद्रन के सुनवाई से अलग होने पर संज्ञान लेते हुए सीजेआई बीआर गवई और अतुल चंदुरकर की पीठ ने अधिवक्ता शक्ति भाटिया की याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। भाटिया ने अपनी याचिका में दावा किया है कि उन्होंने एमसीए21 फाइलिंग, सेबी के खुलासे और कंपनी रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड की समीक्षा करके वायसराय रिपोर्ट के कुछ हिस्सों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की है।

आत्मनिर्भरता भारत के उत्थान के लिए जरूरी, स्वदेशी मेलों का आयोजन करें राजग के सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी

● उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों को किया संबोधित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी मेले' आयोजित करने का आग्रह किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही भारत के उत्थान का मार्ग है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों को जीएसटी दरों में कटौती के व्यापक प्रभाव के बारे में बताने का आग्रह किया। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा उन्होंने सांसदों से खासकर त्योहारी सीजन में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों एवं व्यापारियों के साथ बैठकें करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में कहा कि मोदी ने किसी देश का जिक्र नहीं किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, ऐसे में कुछ चुनौतियां भी आएंगी और विकसित राष्ट्र बनने की राह पर आगे बढ़ने के लिए उसे 'आत्मनिर्भर' होने की जरूरत है। भारत पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के साथ संबंधों में आई तल्खी के बीच, मोदी ने 'स्वदेशी' का नारा बुलंद किया है, हालांकि वे लंबे समय से इस पर जोर देते रहे हैं।

रीजीजू ने कहा कि उन्होंने सांसदों से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेले आयोजित करने और इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया।

सशस्त्र सेनाओं के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार सशस्त्र सेनाओं के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर सेनाओं के लिए सरकार का दृष्टिकोण साझा करेंगे। सशस्त्र सेनाओं के शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन 15 से 17 सितम्बर तक कोलकाता में होगा। यह पहला मौका है जब इस सम्मेलन का आयोजन कोलकाता में किया गया है। निरंतर बदलती भू राजनीतिक स्थिति और दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे संघर्षों को देखते हुए ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में हो रहे इस सम्मेलन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन में भविष्य की चुनौतियों और उनसे निपटने की तैयारियों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में प्रधानमंत्री को तीनों सेनाओं के एकीकरण से संबंधित बड़े सुधार थिएटर कमान के गठन के बारे में एक प्रस्तुति दी जा सकती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री को रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया योजना की स्थिति से अवगत कराने के साथ साथ स्वदेशी हथियार प्रणालियों और प्लेटफार्म के बारे में भी जानकारी दी जायेगी। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किये गये स्वदेशी हथियारों के बारे में भी अलग से प्रस्तुति तैयार की जा रही है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय 'सुधारों का वर्ष - भविष्य के लिए परिवर्तन' है।

गंगोत्री–यमुनोत्री मार्ग ठप, चारधाम यात्रा पर संकट

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और पहाड़ों से गिरते बोल्डरों ने चारधाम यात्रा की राह कठिन बना दी है। गंगोत्री और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे न केवल यात्रियों की आस्था यात्रा बाधित हुई है, बल्कि ग्रामीणों के सामने भी रोज़मर्रा की जरूरतें पूरी करना चुनौती बन गया है।

गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्गु गाड और डबरानी के पास पूरी तरह बंद पड़ा है। धराली से गंगोत्री तक सीमित रूप से केवल 4गुणा4 वाहनों की आवाजाही हो पा रही है। वर्तमान में उत्तरकाशी से सीधे गंगोत्री तक यात्री वाहन पहुंचना संभव नहीं है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कल्याणी, सिलाई बैंड, जंगलचट्टी, बनास और नारदचट्टी के पास मलबे से बाधित है। सिलाई बैंड में लगातार गिर रहे बोल्डर प्रशासन और यात्रियों दोनों के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। मार्ग बंद होने का सबसे बड़ा असर गीठ पट्टी और हनुमान चट्टी से आगे के गांवों पर पड़ा है।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिल्ली में उपयुक्त सरकारी बंगला मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी

● पूर्व उपराष्ट्रपति को अब तक नहीं आवंटित किया गया है कोई बंगला

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा देने के करीब डेढ़ महीने बाद अपने अधिकार के अनुसार सरकार से एक बंगला आवंटित किए जाने की मांग की है।

सूत्रों ने बताया किं पूर्व उपराष्ट्रपति ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को पत्र लिखकर उन्हें 'उपयुक्त' सरकारी आवास उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पूर्व उपराष्ट्रपति पिछले सप्ताह वीपी एन्क्लेव से दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित एक फार्महाउस में शिफ्ट हुए थे जो इंडियन नेशनल लोकदल के नेता अभय चौटाला का है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने अब तक पूर्व उपराष्ट्रपति को कोई बंगला आवंटित नहीं किया है। इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि लुटियन्स दिल्ली स्थित एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर 34 नंबर का टाइप-आठ बंगला तैयार है और इसे पूर्व उपराष्ट्रपति को आवंटित किया जा सकता है, लेकिन इस संबंध में अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यदि वह मना कर देते हैं तो मंत्रालय उन्हें दूसरा आवास उपलब्ध करा सकता है।

टाइगर डांस

केरल के त्रिशूर में सोमवार को कलाकारों का एक समूह सड़क पर पुली काली नामक पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत करते हुए निकला। यह नृत्य ओणम उत्सव के दौरान किया जाता है, जिसे टाइगर डांस के नाम से भी जाना जाता है।

दिल्ली में दूसरे प्रयास में उतरा एयर इंडिया का विमान

नई दिल्ली। मुंबई से आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान सोमवार शाम को दिल्ली हवाई अड्डे पर नहीं उतर पायी। हालांकि दूसरे प्रयास में यह सुरक्षित रूप से उतर गई।

एयर इंडिया की उड़ान एआई-2910 पहले प्रयास में इसलिए नहीं उतर पाई क्योंकि जब यह उतरने जा रहा था तो उस दौरान मानकों के अनुसार नियंत्रित स्थिति में नहीं था। विमान के एक यात्री ने बताया, विमान उतरने वाला था, लेकिन इसने फिर उड़ान भर ली। पायलट ने घोषणा की कि कुछ जरूरी मानक पूरे नहीं हो पाए, इसलिए विमान को गो-अराउंड करना पड़ रहा है।

कर्नाटक : धर्मस्थल में एसआईटी को मिले निरीक्षण के दौरान मानव कंकाल के अवशेष

मंगलुरु, एजेंसी

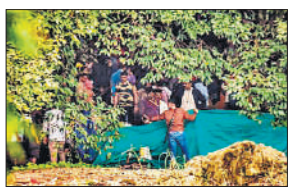

● 17 वर्षीय छात्रा की बलात्कार के बाद कर दी गई थी हत्या

धर्मस्थल में कई बलात्कार, हत्याओं और दफनाने के मामले की जांच कर रही एसआईटी ने छह सितंबर को बंगाले गुड्डे में एक स्थल के निरीक्षण के दौरान मानव कंकाल के अवशेष बरामद किए।

पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय पीड़िता के रिश्तेदारों की मौजूदगी में यह अवशेष बरामद किए गए। छात्रा से नौ अक्टूबर, 2012 को बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई थी। यह मामला एक दशक से भी ज़्यादा समय बाद भी अनसुलझा है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच और उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बावजूद असली अपराधियों की पहचान कभी नहीं हो पाई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि छात्रा के रिश्तेदार ने कार्यकर्ता गिरीश मत्तनवर के निर्देश पर घटनास्थल से एक मानव खोपड़ी खोदकर निकाली।

गिरीश ने पूर्व में शिकायतकर्ता सी एन चिन्नैया से जानकारी हासिल की थी, जिनकी शिकायत के आधार पर एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने बाद में पुष्टि की कि इस कवायद के दौरान कम से कम दो कंकाल बरामद हुए। पुलिस के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया, बंगाले गुड्डे में घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान, एसआईटी को कम से कम दो लोगों के कंकाल मिले। यह जांच टीम के लिए एक चौंकाने वाली बात है।" अधिकारियों को अंदेशा है कि इस वीरान जगह पर और भी शव दफन हो सकते हैं।

बरामद हड्डियों को विश्लेषण के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेज दिया गया है। जांच अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि चिन्नैया ने घटनास्थल की जानकारी होने के बावजूद पूर्व में इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। पुलिस ने बताया कि छात्रा के रिश्तेदार ने मत्तनवर के निर्देश पर काम किया और शव को बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया का वीडियो बनाया। मत्तनवर को हिरासत में नहीं लिया गया है, लेकिन उनसे आगे पूछताछ किए जाने की संभावना है।

डोडा के विधायक मेहराज पीएसए के तहत हिरासत में

जम्मू। जम्मू-कश्मीर आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष एवं डोडा के विधायक मेहराज मलिक को सोमवार को डोडा ज़िले में जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि विधायक को कई प्राथमिकियों में उनके नाम के साथ-साथ ज़िला मजिस्ट्रेट डोडा के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के कारण हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने कहा कि मलिक के ख़िलाफ़ लगभग 18 प्राथमिकी और कई जन शिकायतें दर्ज हैं। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए हिरासत ज़रूरी थी। विधायक को कठुआ ज़िला जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पीएसए जम्मू-कश्मीर में एक प्रशासनिक कानून है, जो कुछ मामलों में बिना आरोप या मुकदमे के दो साल हिरासत में रखने की अनुमति देता है।

रविशंकर की टिप्पणी, राहुल गांधी एक गंभीर नेता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● भाजपा नेता ने राहुल के विदेश यात्रा पर जाने पर कसा तंज

भाजपा ने सोमवार को राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा को लेकर कहा कि वह गंभीर राजनेता नहीं हैं और अच्छा होता यदि कांग्रेस नेता इसके बजाय बाढ़ प्रभावित कर्नाटक व पंजाब का दौरा करते, जहां किसान संकट में हैं।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने गांधी को यह भी याद दिलाया कि सार्वजनिक जीवन में कोई विराम नहीं होता। प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी को उनकी छुट्टियों के लिए शुभकामनाएं। जब कोई नेता गंभीर नहीं होता है, तो यह बात तो स्वाभाविक ही है, 'अब बहुत काम कर लिया है। अब थोड़ा आराम कर लूं। मैं राहुल गांधी को याद दिला दूं कि सार्वजनिक जीवन में कोई ब्रेक नहीं होता।

उन्होंने कहा, यदि आप नेता हैं तो आपको लोगों के हितों के लिए उपलब्ध रहना होगा। प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी आलोचना की, जिन्होंने एक किसान को डांटा था, क्योंकि किसान ने उन्हें बताया था कि कांग्रेस शासित कर्नाटक के कलबुर्गी में भारी बारिश के कारण उसके चार एकड़ खेत में फसल नष्ट हो गई। खरगे ने अपने पारंपरिक राजनीतिक क्षेत्र के किसान से कहा कि उन्हें स्वयं अपने 40 एकड़ के खेत में नुकसान हुआ है। प्रसाद ने कहा, यह कैसा अहंकार है। उन्होंने कहा कि किसान अपना दर्द साझा करने के लिए उनसे मिलने गया था।

लंबे समय तक गर्मी में रहने से दिल्ली में अज्ञात मौतों में अप्रत्याशित वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

● ग्रीन पीस इंडिया की ओर से जारी की गई चिंताजनक रिपोर्ट

चार सालों में दोगुनी हुई ऐसी मौतों की संख्या

2019 में जून से अगस्त के बीच मौतों की संख्या 5,341 थी, जो 2022-2024 के दौरान बढ़कर 11,819 हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून महीने में सबसे अधिक चरम यूटीसीआई दर्ज होता है और जून के दौरान हर साल सबसे अधिक मौतें होती हैं। टीम ने यह भी पाया कि 2024 में 11 से 19 जून के बीच गर्मी से 192 बेघर लोगों की मौत हुई, जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक है। यह आंकड़ा शहर के सबसे कमजोर तबके को भीषण गर्मी से बचाने में व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।

दिल्ली में पिछले 12 वर्षों के दौरान जून, जुलाई और अगस्त में मौतों की प्रवृत्ति का उल्लेख करते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लंबे समय तक बढ़े हुए तापमान में रहने से राष्ट्रीय राजधानी में 'अज्ञात' मौतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की जा रही है।

'ग्रीनपीस इंडिया' द्वारा प्रकाशित 'डेथ एंड डिग्री' शीर्षक वाली रिपोर्ट में शहर में अत्यधिक गर्मी और मृत्यु दर के बीच स्पष्ट संबंध बताया गया है। रिपोर्ट लिखने वालों ने 2015-2024 के दौरान की प्रवृत्ति का अध्ययन किया और कहा कि जून से सितंबर के महीनों में यूटीसीआई (यूनिवर्सल थर्मल क्लाइमेट इंडेक्स) के आंकड़े लगातार उच्च रहते हैं, जबकि इन महीनों में हवा का तापमान उच्च नहीं होता। यूटीसीआई बताता है कि बाहर की गर्मी शरीर को कितनी महसूस होगी।

इसमें लिखा गया है, जुलाई और अगस्त के महीने अब गर्मियों के चरम महीनों जितने ही असहनीय हो गए हैं, जो इस बात का संकेत है कि गर्मी से होने वाली परेशानी मानसून के मौसम में भी लंबे समय तक बनी रहती है। इसमें कहा गया है कि गर्मी के साथ-साथ हवा में आद्रता भी शहर में खतरनाक तापमान की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इसके अलावा, टीम को यह भी पता चला कि मौतों में बढ़ोतरी की यह प्रवृत्ति शहर में हुई अज्ञात मौतों के डेटा से भी चिंताजनक तरीके से मेल खाती है, जो अक्सर सबसे कमजोर तबके के लोगों की होती है।

माता वैष्णो देवी यात्रा 14वें दिन भी स्थगित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पडाड़ियों पर स्थित विश्व कटरा कस्बे से श्री माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल की तीर्थयात्रा लगातार खराब मौसम और यात्रा मार्ग पर भूस्खलन की घटनाओं के कारण आज 14वें दिन भी स्थगित रही।इस बीच मौसम विभाग ने 8-9 सितंबर के लिए बिजली कड़कने और तूफान की चेतावनी भी जारी की है। गत 26 अगस्त को अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश से हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे और कई घायल हो गए।

चेतावनी | विशेषज्ञों ने जताई चिंता, हर साल सामने आ रहे हैं लंग कैंसर के 81,700 मामले

युवाओं के तेजी से खराब होते फेफड़े भारत की बड़ी आपदा

नई दिल्ली, एजेंसी

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि युवा भारतीयों के फेफड़ों का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है तथा हर साल फेफड़ों के कैंसर के लगभग 81,700 नए मामले सामने आ रहे हैं, जो खतरे की भयावहता को दर्शाता है।

कभी बुढ़ापे की बीमारी समझे जाने वाला फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी और टीबी अब कम उम्र में पहले ही दिखाई देने लगे हैं, जिससे जनसांख्यिकीय और आर्थिक आपदा की आशंका बढ़ गई है।

विशेषज्ञों ने कहा कि जो युवा सुबह-सुबह धुंध में दौड़ते हैं, जो पेशेवर लोग लंबी दूरी तक यातायात जाम से होकर यात्रा करते हैं तथा जो छात्र प्रदूषित कक्षाओं में बैठते हैं, वे हर दिन अपने फेफड़ों में जहरीली हवा भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अदृश्य बीमारी उनमें तब सामने आएगी जब वे अपने जीवन के उत्पादक वर्षों में शीर्ष पर होंगे और जब देश को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होगी। यह संकट सिर्फ बाहरी प्रदूषण तक ही सीमित नहीं है। शनिवार को आयोजित 'रेस्पिरेटरी मेडिसिन, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी और स्लीप डिसऑर्डर्स' के आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन, 'रेस्पिकॉन' 2025 में विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए साक्ष्यों से पता चला है कि रसोई का धुआं और घर में इस्तेमाल होने वाले बायोमास ईंधन धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को काफी बढ़ा रहे हैं।

श्वसन स्वास्थ्य नीतिगत प्राथमिकता बने

दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. वत्सला अग्रवाल ने श्वसन स्वास्थ्य को भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं के केंद्र में रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं है, यह एक मौलिक अधिकार है। हमारी युवा आबादी के फेफड़ों की सुरक्षा, राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने की सुरक्षा है। हम जहरीली हवा को अपना वर्तमान और भविष्य, दोनों चुराने की इजाजत नहीं दे सकते।

बड़ी आपदा में तब्दील होगा यह संकट

रेस्पिकॉन 2025 के कार्यक्रम निदेशक डॉ राकेश के चावला ने कहा, अगर हम सूक्ष्म कण प्रदूषण के संपर्क को आधा कर दें तो हर साल सैकड़ों-हजारों लोगों को अस्पताल में भर्ती होने से बचा सकते हैं और अपने लोगों को स्वस्थ जीवन के कई साल वापस दे सकते हैं। यह एक पूरी पीढ़ी की ताकत और जीवन शक्ति की रक्षा के बारे में है।

अमृत विचार

मंगलवार, 9 सितंबर 2025

लोग आप पर पत्थर फेंकते हैं और आप उन्हें मील के पत्थर में बदल देते हैं।
–सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

एशियन हॉकी के सिरमौर

भारतीय हॉकी टीम को बधाई, जिसने एशिया कप हॉकी 2025 जीतकर न केवल इस महाद्वीप में अपनी श्रेष्ठता का नया प्रमाण दिया है, बल्कि विश्व हॉकी को यह स्पष्ट संकेत भी भेजा है कि भारतीय टीम अब सिर्फ एशिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपने पुराने गौरव को पुनः स्थापित करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। यह जीत भारत को 2026 हॉकी विश्व कप के लिए सीधी पात्रता तो देती ही है, परंतु इससे भी अधिक यह भारतीय हॉकी के आत्मविश्वास और दीर्घकालिक भविष्य को मजबूती देती है। इस जीत का श्रेय खिलाड़ियों से पूर्व मुख्य कोच और सहयोगी स्टॉफ को मिलना चाहिए, जिसने कड़े अनुशासन, सफल रणनीति और युवा खिलाड़ियों को अवसर देने की नीति पर जोर दिया, यह प्रयास निर्णायक साबित हुआ। वहीं कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव तथा उभरते युवाओं का जोश, दोनों का संतुलन भारतीय प्रदर्शन की रीढ़ बना। हालांकि टूर्नामेंट की शुरुआत में भारत का खेल उतना धारदार नहीं दिखा, पर महत्वपूर्ण क्षणों में टीम ने मानसिक मजबूती और सामूहिक तालमेल से बाजी पलट दी। यह दर्शाता है कि भारतीय हॉकी अब दबाव झेलने और वापसी करने में सक्षम हो रही है। फिर भी, चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। एशिया कप खिताब भारत ने महज चौथी बार जीता है, जबकि पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया जैसी टीमें इस प्रतियोगिता में कहीं अधिक स्थायी दबदबा रखती रही हैं। यही कारण है कि भारत को अब अपनी निरंतरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करना होगा। विश्व स्तर पर नीदरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी टीमें तकनीकी कौशल, शारीरिक फिटनेस और तेज गति वाले खेल में भारतीयों से आगे हैं। इनसे पार पाने के लिए भारत को खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष निवेश, आधुनिक खेल-विश्लेषण तकनीक, मानसिक मजबूती और लंबे समय तक स्थिर कोचिंग स्टॉफ सुनिश्चित करना होगा। सरकारी स्तर पर भी प्रयासों को और गति देनी होगी। खेल मंत्रालय और हॉकी इंडिया ने हाल के वर्षों में बुनियादी ढांचे, अकादमियों और विदेशी प्रशिक्षकों पर ध्यान दिया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं। जमीनी स्तर पर स्कूलों और ग्रामीण इलाकों में हॉकी की जड़ों को फिर से मजबूत करना, खिलाड़ियों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देना और कॉर्पोरेट प्रायोजन बढ़ाना बेहद जरूरी है। हॉकी को केवल 'राष्ट्रीय खेल' कहने से बात नहीं बनेगी, उसे वास्तव में प्राथमिकता देनी होगी। भारत की यह एशियाई जीत इतिहास की किताबों में दर्ज होने लायक उपलब्धि है, लेकिन भारतीय हॉकी को अपने गौरव की पूर्व प्राप्ति के लिए, वैश्विक हॉकी के शिखर पर खड़े होने के लिए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन अनिवार्य है। भारतीय हॉकी को अब यह साबित करना होगा कि वह अतीत की महिमा का बोझ ढोने के बजाय भविष्य का रास्ता खुद तय करने में सक्षम है। बेशक इसके लिए सरकार का सक्रिय सकारात्मक सहयोग लाजिमी है। एशिया कप से मिले आत्मविश्वास को आधार बनाकर यदि भारत विश्व कप और ओलंपिक में भी पदक जीतने का संकल्प दिखा सके, तभी यह जीत अपने असली अर्थ साबित कर पाएगी।

प्रसंगवश

खतरनाक हो सकता है दवा से पीरियड्स को रोकना

हाल ही में एक 18 वर्षीय छात्रा की मौत की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया, जिसने धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पीरियड्स रोकने की दवा खा ली थी। बेंगलूरु में घटी इस दर्दनाक घटना में लगातार तीन दिन तक दवा खाने के बाद अचानक छात्रा की तबीयत बिगड़ गई। उसे पैरों में सूजन, तेज दर्द और फिर सांस लेने में तकलीफ हुई। जब तक परिवार वाले उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, डॉक्टरों ने पाया कि उसकी नसों में खून का थक्का जम चुका है। गहन उपचार के बावजूद छात्रा की मौत हो गई। यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी है कि मासिक धर्म को रोकने या बदलने वाली दवाएं कितनी घातक हो सकती हैं। क्या थोड़ी सुविधा या सामाजिक दबाव महिला की जान से अधिक महत्वपूर्ण है? यह विषय आज न केवल स्वास्थ्य के लिहाज से, बल्कि सामाजिक सोच और सरकारी नीतियों की दृष्टि से भी अत्यंत प्रासंगिक हो गया है।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

असल में यह केवल एक महिला के व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सरकारी नीतियों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखें तो इन हार्मोनल दवाओं का गलत या बिना डॉक्टर की सलाह के सेवन करना बेहद खतरनाक है, क्योंकि इससे हार्मोनल असंतुलन, रक्त के थक्के, गर्भधारण में कठिनाई और यहां तक कि मौत जैसी स्थिति तक हो सकती है। महिलाओं के जीवन में मासिक धर्म एक प्राकृतिक और सामान्य प्रक्रिया है। यह न केवल उनके स्वास्थ्य का संकेत है, बल्कि शरीर की प्राकृतिक लय का हिस्सा भी है।

सामाजिक दृष्टि से भारत जैसे देशों में अब भी धार्मिक अवसरों, शादी-ब्याह और परीक्षाओं के दौरान महिलाओं पर मासिक धर्म रोकने का दबाव डाला जाता है। यह दबाव उन्हें मजबूरी में दवा खाने पर मजबूर करता है। आर्थिक दृष्टि से यह दवाएं महंगी हैं और कमजोर वर्ग की महिलाएं इन्हें खरीद नहीं पातीं। कई बार सस्ती नकली दवाएं खाकर और बड़े खतरे मोल ले लेती हैं। कानूनी और नीतिगत स्तर पर भी इन दवाओं की बिना पर्ची बिक्री आम है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखें तो इन हार्मोनल दवाओं का गलत या बिना डॉक्टर की सलाह के सेवन करना बेहद खतरनाक है, क्योंकि इससे कई दिक्कतें पैदा हो सकती हैं।

चिकित्सकों के अनुसार, पीरियड्स रोकने वाली गोलियां सामान्य दर्द निवारक या सर्दी-जुकाम की दवा नहीं होतीं। इन दवाओं का अत्यधिक सेवन महिलाओं के शरीर में गंभीर बदलाव ला सकता है। इससे मोटापा बढ़ना, मुंहासे होना, चेहरे और शरीर पर अनचाहे बाल उगना, लगातार थकान रहना, मूड स्विंग और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में महिलाओं में गर्भधारण की क्षमता प्रभावित होती है और प्रजनन संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। लंबे समय तक लगातार इन दवाओं का सेवन करना दिल और लिवर से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है।

समाज में मासिक धर्म से जुड़ी झिझक और दबाव अभी भी बहुत गहरे हैं। महिलाएं को लगता है कि पीरियड्स टालना आसान उपाय है। शुरुआत में यह उपाय आसान और प्रभावी लगता है, लेकिन लंबे समय में यह शरीर पर गंभीर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। ग्रामीण और कम शिक्षित महिलाएं अक्सर बिना डॉक्टर की सलाह के दवा ले लेती हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। कई बार उन्हें तुरंत राहत तो मिलती है, लेकिन बाद में यह निर्णय गंभीर बीमारी की जड़ बन सकता है।

मणिपुर में पीएम का दौरा और शांति की उम्मीदें

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री मणिपुर जा रहे हैं। वहां उन्हें दोनों समुदायों के बीच सौहार्द्र कायम करके स्थायी शांति स्थापित करनी होगी।

सचमुच कोई प्रबल कारण रहा होगा। बीते सवा दो साल में पुर्वोत्तर का पहाड़ी राज्य मणिपुर मैतेई और कुकी समुदायों के बीच कई दौर हुई जातीय हिंसा में तबाह हो गया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी वहां नहीं गए। विपक्ष मणिपुर पर उनकी चुप्पी को निशाना बनाते हुए संसद के भीतर और बाहर लगातार पूछता रहा, आखिर मणिपुर भारत का हिस्सा है या नहीं, अगर है तो वहां जाकर प्रधानमंत्री को शांति की अपील करने से परहेज क्यों है, लेकिन कोई जवाब नहीं आया।

अब प्रधानमंत्री मणिपुर जा रहे हैं। वह तेरह सितंबर को असम से मिजोरम को जोड़ने वाली रेलवे लाइन के उद्घाटन के लिए आइजॉल पहुंचेंगे। वहां से इंफाल जाना है। दिल्ली में कुकी संगठनों से बातचीत के बाद सरकार ने एक साल तक उनके खिलाफ सैन्य अभियान न चलाने का एक समझौता किया है। बदले में कुकी संगठन मैतेई इलाकों के पास से अपने सात कैंप हटाने के लिए राजी हो गए हैं।

इंफाल घाटी में बसे सर्वाधिक आबादी वाले मैतेई समुदाय को आदिवासी दर्जा देने की हाईकोर्ट की सिफारिश के बाद, मई 2023 में दोनों समुदायों के बीच हिंसा की घटनाएं शुरू हुई थीं। जुलाई 2023 में दो कुकी महिलाओं को नंगा करके घुमाने और उनके साथ यौन हिंसा के वीडियो सामने आए, जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान मणिपुर की ओर खींचा। जले हुए चर्च, चहारदीवारियों पर रखे कटे सिरों और नागरिकों के लगभग सैनिक दस्तों में बदल जाने से यह साफ हो गया था कि वहां या तो सरकार खुद एक पक्ष बन गई है या सरकार नाम की कोई चीज नहीं बची है।

इस हिंसा में आधिकारिक तौर पर 250 लोग मारे गए, 1500 से अधिक घायल हुए और पचास हजार से अधिक आबादी शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हुई, लेकिन प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। अब आर्थिक और सामाजिक तौर पर छिन्न-भिन्न मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है, हिंसा करने वाले थक चुके हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री के दौरे से मणिपुर को क्या मिलेगा? अब वहां प्रधानमंत्री के करने लायक एक ही काम बचा है, वह है दोनों समुदायों के बीच सौहार्द्र कायम करके स्थायी शांति स्थापित करना। क्या ऐसा हो पाना संभव है? दौरे से पहले ही दोनों समुदायों की तरफ से जो संकेत मिल रहे हैं, उनको देखते हुए इस तरह की खुशफहमी नहीं पाली जा सकती!

मणिपुर की हिंसा साधारण हिंसा नहीं थी। इसकी शुरुआत आरक्षण जैसे मुद्दे से हुई थी। नागा-कुकी समुदाय को डर था कि अगर अपेक्षाकृत संपन्न और अधिक आबादी वाले मैतेई समुदाय को आदिवासी दर्जा मिल गया तो उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नौकरियों में हिस्सेदारी का नुकसान होगा। जल्दी ही चर्चों और पूजास्थलों पर हमले होने लगे और यह हिंसा हिंदू बनाम ईसाई में बदल गई। विपक्ष इसमें एन. वीरेन सिंह की राज्य सरकार की भूमिका का आरोप लगाता रहा है, क्योंकि हिंसा में पुलिस थानों से हथियार ले जाकर इस्तेमाल किए गए। पुलिस का कहना है कि उपद्रवियों ने हथियार लूट लिए थे, जिन्हें बाद में वापस कराया गया, जबकि विपक्षियों का आरोप है कि पुलिस ने अपने हथियार दिए थे। यह हिंसा लंबे समय से राज्य में चल रही सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति का नतीजा थी, जिसके पहले से ज्यादा उग्र होने के ही आसार दिखाई दे रहे हैं। राज्य में बीते डेढ़ दशकों में जैसे-जैसे हिंदू और ईसाई पहचान पर आधारित राजनीति परवान चढ़ी और सांप्रदायिक विभाजन बढ़ा, जिससे भाजपा की राजनीतिक ताकत बढ़ती गई है। यह देश के अन्य हिस्सों में जारी राजनीति से अलग पैटर्न नहीं है।

2012 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ सवा दो प्रतिशत वोट मिले और एक भी सीट नहीं मिली। इसी समय भाजपा के हिंदुत्व अभियान ने मैतेई समुदाय के बीच जोर पकड़ा और दूसरी पार्टियों से नेताओं को तोड़कर ताकत बढ़ाई गई। अगले चुनाव 2017 में 36 प्रतिशत वोट मिले और भाजपा गठबंधन की सरकार बनाने में कामयाब रही। अगले चुनाव 2022 में सैंतीस प्रतिशत से कुछ ऊपर वोट मिले और अकेले दम पर बहुमत की सरकार बन गई। विपक्ष का कहना है कि मणिपुर में हिंसा और अराजकता की स्थिति से भाजपा और धार्मिक पहचान की राजनीति करने वाले अन्य संगठनों को फायदा हो रहा था, इसलिए कोई बड़ा हस्तक्षेप नहीं किया गया।

समझौते पर दोनों समुदायों की तरफ से जो प्रतिक्रियाएं आई हैं, वही अभी शांति के दुर्लभ होने का संकेत दे रही हैं। गृह मंत्रालय ने कहा है कि कुकी-जो काउंसिल सुरक्षा बलों के साथ मिलकर नेशनल हाइवे-2 (इंफाल-दीमापुर राजमार्ग) पर शांति बनाए रखने में सहयोग करेगा जो हिंसा के कारण दो साल से बंद था। कुकी-जो काउंसिल ने कहा है, उसने कभी हाइवे बंद नहीं किया था और मैतेई लोगों को इस मार्ग से होकर कुकी बहुल इलाकों में मुक्त आवाजाही की अनुमति नहीं मिलेगी।

भाजपा इस हाईवे पर मुक्त आवाजाही के फैसले को एतिहासिक बता रही है, लेकिन इसका लागू हो पाना मुश्किल है। वहीं प्रमुख मैतेई संगठन, कोआर्डिनेशन कमिटी ऑन मणिपुर यूनिटी ने इस समझौते का विरोध करते हुए कहा है कि कुकी उग्रवादियों के खिलाफ एक साल तक सैन्य अभियान बंद रखने का समझौता मणिपुर के हितों के खिलाफ है। पिछले दो सालों में मणिपुर में जिस तरह की राजनीति हुई है, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि केंद्र की उपेक्षा के कारण स्थिति बहुत उलझ चुकी है और कोई समाधान निकट भविष्य में नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में देखना है कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर में शांति और स्थायित्व के लिए क्या करने जा रहे हैं!

आमने

20 वर्षों से बिहार और 11 वर्षों से केंद्र में नीतीश-मोदी की सरकार रहने के बावजूद एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का मुख्य केंद्र बना दिया है। बिहार की प्रति व्यक्ति आय अफ्रीकी देशों युगांडा और रवांडा से भी कम है।

–तेजस्वी यादव
नेता प्रतिपक्ष

सामने

उनका नाम तेजस्वी यादव है, इसका मतलब यह नहीं है कि नेता प्रतिपक्ष बहुत तेज हैं। वैसे भी नौवीं फेल आदमी की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विरोधियों को जो करना है करते रहें।

–अजय आलोक
राष्ट्रीय प्रवक्ता, बीजेपी

वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल और जीएसटी सुधार

विवेक सक्सेना
अयोध्या

ट्रंप के ट्रैफिक की वजह से दुनिया भर के व्यापार में उथल-पुथल का माहौल है। भारत पर भी इसका असर पड़ना तय है। ऐसे में जीएसटी सुधार देश के कारोबार को गति देगा।

आठ वर्ष बाद ही सही आखिरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार की प्रतीक्षा पूरी हुई। यह एक बड़ा सुधार माना जा रहा है, क्योंकि इसका लाभ आम लोगों के साथ-साथ कारोबार जगत को भी मिलेगा, इसलिए स्वाभाविक है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाना केवल इसलिए जरूरी नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीति की चुनौतियों का देश को सामना करना पड़ रहा है, बल्कि इसलिए भी जरूरी है कि भारत को विकसित देश बनने के लिए तेजी से प्रगति करना जरूरी है। ऐसे में जीएसटी को युक्ति संगत बनाए जाने के फैसले के साथ ही यह भी देखना बहुत जरूरी होगा कि नागरिकों और कारोबारियों को इसका वास्तविक लाभ मिले।

यह भी तय होना चाहिए कि इस सुधार के साथ जीएसटी की जटिलताएं सचमुच खत्म हों और छोटे कारोबारियों को कागजी कार्रवाई से राहत मिले। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी दावा है कि राजमर्रा के कई सामान समेत 400 वस्तुओं की दरें कम की गई हैं। जीएसटी दरों में कटौती समेत अन्य सुधार लोगों को ज्यादा उपभोग के लिए प्रेरित करेंगे और इससे आर्थिक वृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था को जरूरी गति मिलेगी। आज लोग 100 रुपये में जो चीजें खरीद रहे हैं, नई दरें लागू होने के बाद उतने ही पैसे में वे वस्तु का ज्यादा हिस्सा खरीद पाएंगे।

वैसे तो वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से कई परिवर्तन किए गए हैं, लेकिन तीन सितंबर को वित्तमंत्री की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने जो फैसले किए हैं, वह कई मायनों में अहम माने जा रहे हैं। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से ही वैश्विक व्यापार में बड़ी उथल-पुथल चल रही है। ट्रंप ने खास तौर पर भारत को निशाना बनाया। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को देखते हुए टैक्स स्लैब में सुधार काफी जरूरी थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूटनीति से ट्रंप की मनमानी का मजबूत जवाब भी दिया। चाहे शंघाई सम्मेलन हो या जीएसटी में सुधार। शायद यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अब सोशल मीडिया एक्स पर दावा कर रहे हैं कि भारत और मोदी मेरे दोस्त हैं और दोस्त रहेंगे। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 27 अगस्त से लागू 50 फीसदी 'ट्रंप टैरिफ' के कारण भारत के 60.2 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। यह अमेरिका भेजे जाने वाले माल का 55 फीसदी और भारत के कुल निर्यात का 18 फीसदी है। सबसे ज्यादा असर कपड़ा, सी-फूड, रत्न व आभूषण और चमड़ा क्षेत्र पर पड़ा है।

लघु और मध्यम श्रेणी के ये उद्योग-व्यापार श्रम पर अधिक निर्भर हैं। ऐसे में जीएसटी की दो श्रेणियां किया जाना समय की मांग थी। ऐसा करने से केवल रोजमर्रा की कई वस्तुएं सस्ती नहीं होगी, बल्कि उनकी खपत भी बढ़ेगी। स्वाभाविक है कि जब खपत बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था का पहिया और तेजी से घूमेगा। पहले चार तरह के टैक्स स्लैब थे- 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी। अब इस टैक्स की दो ही श्रेणियां-5 और 18 प्रतिशत होंगी। जिसे 22 सितंबर से लागू किया जाएगा।

जीएसटी परिषद ने आवश्यक वस्तुओं को करमुक्त करने के साथ कई वस्तुओं पर टैक्स घटाकर घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और छोटे कारोबारियों को काफी राहत दी है। पहले जिन वस्तुओं पर 12 फीसदी और 28 फीसदी का टैक्स लगता था, उसे अब कम स्लैब के दायरे में लाया गया है, जो आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत देने वाली बात है। खाने-पीने की चीजों और जीवन रक्षक दवाओं पर टैक्स पूरी तरह हटा दिया गया है।

लग्जरी और हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी का एक स्पेशल टैक्स स्लैब जरूर बनाया गया है, जिसे अनुचित नहीं कहा जा सकता। इसका उद्देश्य आबादी के बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना ही नहीं, आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी शुल्कों से जो चुनौतियां पैदा हुई हैं, उनका सामना करने की दिशा में विकल्प तैयार करना भी है। घरेलू मांग मजबूत होने से संबंधित उद्योगों को बाहरी झटकों से बचाया जा सकेगा।

कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि जीएसटी में सुधार और 2025 के बजट में घोषित आयकर दरों में कटौती से ऐसे समय में उपभोग को बढ़ावा मिलेगा, जब निर्यात चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन अन्य आर्थिक सुधारों पर भी विशेष ध्यान देना होगा, जिनके बारे में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से घोषणा की थी।

यह भी जरूरी है कि आर्थिक सुधारों के मामले में दलगत हितों की राजनीति को तिलांजलि दी जाए। राज्यों की ओर से जिस तरह राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए समय देने की मांग उठी है, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि सरकार इस संबंध में कौन-सा रास्ता निकालती है! ऐसे में यह कहा जा सकता है कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो 22 सितंबर से लागू होने वाले जीएसटी सुधार को देशवासियों को दीपावली के उपहार की संज्ञा दी जा सकेगी। बिहार चुनाव से ठीक पहले यह फैसला दूसरे कारणों से भी अनुकूल माना जाएगा।

सोशल फोरम

अमेरिका की तारीखी मेज

ये बात 1845 की है। तब आर्कटिक सर्कल होकर अमेरिका पहुंचने के नए रास्तों की खोज चल रही थी। जॉन फ्रेंकलिन, तीन शिप में खोज पर निकले। ध्रुवीय रास्तों में एक जगह वो फंस गए। खो गए, कुछ पता न चला। दस बरस बाद, व्हेल का शिकार करने वालों ने पाया कि खोजी शिप बर्फ के बीच लावारिस खड़े थे। भीतर 150 लाशें। ये लोग भूख, ठंड और विटामिन डेफिशिएंसी से बड़ी धीमी, पेनफुल, स्लो डेथ मरे थे।

रिबॉर्न मनीष
ब्लॉगर

HMS रिजोल्यूट को, अमेरिकन्स ने ठीक-ठाक किया और ब्रिटेन को एक गुडविल जेस्चर के रूप में लौटा दिया। शिप 30 साल और तैरा, फिर 1880 के आसपास डी-कमीशन कर दिया गया। शिप शानदार ओक की लकड़ी का बना हुआ था। डॉक, जहां इसे तोड़ा गया, वहां एक बढ़ई ने ये लकड़ियां इकट्ठा कीं। फिर इस लकड़ी की शहतीरों को इकट्ठा कर कुछ फर्नीचर बनाया गया। उसमें शानदार हैवी डेस्क भी बनीं। एक नहीं, दो। रानी साहिबा को गिफ्ट कर दिया। क्वीन विक्टोरिया ने एक डेस्क बकिंघम पैलेस में रखी। दूसरी, सेम टू सेम डेस्क, अमेरिका के राष्ट्रपति को गिफ्ट कर दिया। तब प्रेजिडेंट हेज, व्हाइट हाउस में थे। उन्होंने इसे ओवल ऑफिस में लगाया। HMS रिजोल्यूट से बना होने के कारण इसे रिजोल्यूट डेस्क कहते। प्रेजिडेंट हेज की डेस्क होने के कारण हेज डेस्क भी कहते हैं। 1910 के आसपास, व्हाइट हाउस में रिनोवेशन हुआ। ओवल ऑफिस से डेस्क हटा दी गई। जब केनेडी ऑफिस में आए, तो उनकी पत्नी ने कबाड़ में पड़ी इस डेस्क को नोटिस किया। साफ सुथरा, पॉलिश कराकर, पुनः ओवल ऑफिस में रखवाया। एक बड़ी मशहूर तस्वीर है, जिसमें केनेडी काम कर रहे हैं और उनका बेटा इस डेस्क में नीचे घुसा खेल रहा है। केनेडी दोबारा जीतकर आए। इस बार दुर्भाग्यपूर्ण एसासिनेशन के शिकार हुए। उनका सामान, इस रिजोल्यूट डेस्क के साथ, उनके मेमोरियल का हिस्सा बना दिया गया, लेकिन जिमी कार्टर फिर उसे ओवल ऑफिस ले आए। तब से वहीं है। निक्सन, रीगन, क्लिंटन, ओबामा, बुश सबने इस डेस्क पर काम किया। ये डेस्क अमेरिकन प्रेजिडेंट की शक्ति का सिंबल है। एक त्रासदी का सबूत, नई खोज के लिए जीवन का त्याग, दो ऐसे देशों के संबंध का सिंबल, जो लड़कर अलग हुए, लेकिन रिश्ते मित्रतापूर्ण बनाए। यह डेस्क जिंदा इतिहास है। इस पर बैठने वाला, अपने आप को अमेरिकन इतिहास का एक हिस्सा पाता है। गौरवान्वित होता है।

इतिहास तो हमारा, उनसे कहीं लंबा है, समृद्ध है, लेकिन अहसास-ए-कमतरी हावी है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

भविष्य के मिशनों के लिए खतरा है 'स्पेस जंक'

अंतरिक्ष भी प्रदूषण की चपेट में आ चुका है। इसे स्पेस डेब्रिस या अंतरिक्ष कचरा कहा जाता है। जब उपग्रह (सैटेलाइट), रॉकेट, अंतरिक्ष यान आदि अपने कार्य पूरे करने के बाद निष्क्रिय हो जाते हैं या टूट-फूट जाते हैं, तो उनके अवशेष अंतरिक्ष में ही तैरते रहते हैं। यही कचरा या मलबा अंतरिक्ष प्रदूषण कहलाता है। ईंधन खत्म होने के बाद भी रॉकेट के टुकड़े अंतरिक्ष में तैरते रहते हैं। अंतरिक्ष मिशनों की असफलता या यूं कहें कि फेल हुए यान और उनके हिस्से भी अंतरिक्ष कचरे का बड़ा कारण बनते हैं। अंतरिक्ष में कचरा फैलने का दुष्परिणाम यह होता है कि इससे जहां एक ओर पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले नए उपग्रहों और स्पेस स्टेशनों के लिए खतरा पैदा हो जाता है, वहीं दूसरी ओर स्पेस मिशनों की लागत भी इससे बढ़ जाती है।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

अंतरिक्ष में बन रहे कचरे के बादल जीपीएस, संचार और मौसम के पूर्वानुमान सहित अंतरिक्ष आधारित तकनीकों पर निर्भर उद्योगों के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकते हैं। इतना ही नहीं, पृथ्वी के वातावरण में गिरते मलबे से जन-जीवन को भी खतरा पैदा होता है। जब अंतरिक्ष में मलबा इतना बढ़ जाए कि उपग्रह भेजना असंभव हो जाए, तो इसे 'केसलर सिंड्रोम' के नाम से जाना जाता है। दुनिया भर से लॉन्च होने वाले बड़े सैटेलाइट, कम्युनिकेशन सैटेलाइट, रॉकेट और उनके ईंधन धरती के साथ ही अंतरिक्ष को भी लगातार प्रदूषित कर रहे हैं, यह बहुत ही चिंताजनक है।

लंदन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने हाल ही के अपने अध्ययन में इसका खुलासा किया है और इस पर अपनी चिंताएं जताई हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन (यूसीएल) के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर एलोइस मराइस और उनकी टीम ने यह पाया कि वर्ष 2023 में 223 तथा वर्ष 2024 में 259 रॉकेट लॉन्च किए गए और कुल मिलाकर, इनसे 153,000 टन से अधिक ईंधन जलाया गया। इसके बड़े पर्यावरणीय प्रभाव पड़े हैं। इन लॉन्च और मेगा-कॉन्स्टेलेशन सैटेलाइट्स जैसे स्टार लिंक, वनवेब तथा थाउजैंड सैल्स से सूट और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में तीन गुना बढ़ोतरी देखी गई है। ये प्रदूषक ऊपरी वायुमंडल में लंबे समय तक रहते हैं और सतही स्रोतों की तुलना में 500 गुना अधिक गर्मी फैलाने की क्षमता रखते हैं। बताया गया है कि भविष्य में अमेजन कुईपर मिशन द्वारा इस्तेमाल होने वाले ठोस ईंधन से ओजोन-ध्वंसक क्लोरीन यौगिक निकलेंगे, जो ओजोन परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि इस संकट के हल के लिए तकनीकी नवाचार और सख्त नियम दोनों की जरूरत है। बहरहाल, शोध में यह भी खुलासा हुआ है कि साल 2024 में 2,539 वस्तुएं वायुमंडल में वापस आकर जल गईं, जिसके कारण 13,500 टन सामग्री वायुमंडल में घुली। इतना ही नहीं, उपग्रह पुनः प्रवेश से रासायनिक प्रदूषण हुआ है। डॉ. कोनोर बार्कर ने पाया कि उपग्रहों और रॉकेट के टुकड़ों के वायुमंडल में जलने से जारी एल्यूमिनियम और नाइट्रोजन ऑक्साइड्स की मात्रा 2020 की 3.3 बिलियन ग्राम से बढ़कर 2022 में 5.6 बिलियन ग्राम हो गई। प्रोफेसर एलोइस मराइस ने शोध-पत्र में यह दिखाया है कि रॉकेट लॉन्च और अंतरिक्ष कचरा उत्सर्जन ओजोन परत की मरम्मत, जिसे मांट्रियल प्रोटोकॉल के तहत हासिल किया गया था, को प्रभावित कर रहे हैं और वैश्विक जलवायु को भी बदल रहे हैं। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन और उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए 1987 में हस्ताक्षरित एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, ताकि पृथ्वी की समतापमंडलीय ओजोन परत की रक्षा की जा सके।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

एक सूत्र में बांधतीं मां नंदा देवी

उत्तराखंड को यदि उत्सवों, पर्वों और अनूठी सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आजकल कुमाऊं और गढ़वाल के विभिन्न क्षेत्रों में नंदा देवी महोत्सव की धूम मची हुई है। यह महोत्सव केवल कुछ दिनों के मेले या मौज मस्ती का प्रतीक नहीं है, बल्कि यहां के जनमानस पर इस महोत्सव का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रभाव भी देखने को मिलता है। उत्तराखंड में नंदा देवी सर्वत्र पूजनीय हैं, जो पूरे राज्य को एक सूत्र में बांधती हैं। आजकल पूरा उत्तराखंड नंदामय है। पुराणों में हिमालय की पुत्री को नंदा बताया गया है, जिनका विवाह शिव से होता है। हिमालय वैदिक काल से हेमवत नाम से भी जाना जाता है। हेमवती अर्थात हिमालय की पुत्री नंदा के कई प्रसंग पुराणों में हैं, इसलिए देवी का एक नाम हेमवती भी है। देवी भागवत में नंदा को शैलपुत्री के रूप में नवदुर्गा में से एक बताया गया है, जबकि भविष्य पुराण में नंदा को सीधे तौर पर एक दुर्गा बताया गया है।

दीपक नौगाई 'अकेला'
स्वतंत्र लेखक

- कुमाऊं में एक ओर नंदा देवी अन्नपूर्णा के रूप में जानी जाती है, वहीं दूसरी ओर हिमालयवासिनी होने के नाते युद्ध की देवी के रूप में भी पूजा की जाती है। यह बताना कठिन है कि उत्तराखंड में नंदा देवी का पूजन कब से शुरू हुआ है, लेकिन कुमाऊं में नंदा की पूजा का व्यापक प्रचलन चंद शासकों के काल में हुआ। वे नंदा को अपनी कुलदेवी मानते थे। 1670 ई. में चंद राजा बहादुर चंद बधानगढ़ के किले से नंदा देवी की स्वर्ण प्रतिमा को अल्मोड़ा लाए और उसे अपने मल्ला महल परिसर में प्रतिष्ठित किया। बाद में 1815 में अंग्रेजों ने नंदा देवी की प्रतिमा को मल्ला महल से वर्तमान नंदा देवी परिसर में स्थापित किया।
- अल्मोड़ा में आज जहां नंदा देवी मंदिर है, वहां 1690 में तत्कालीन राजा उघोत चंद ने दो शिव मंदिर उघोत चंदेश्वर तथा पार्वतीश्वर बनवाए। 1699 में राजा ज्ञानचंद भी बधानकोट से एक स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए। 1760 ई. में राजा दीपचंद ने पार्वतीश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार कराया और यह मंदिर दीप चंद्रेश्वर कहलाया, लेकिन आज यह दोनों मंदिर अपने पुराने उघोत चंदेश्वर तथा पार्वतीश्वर नाम से ही जाने जाते हैं।
- अंग्रेजी शासन काल में इन मंदिरों से जुड़ी एक घटना काफी लोकप्रिय है। 1815 में तत्कालीन कुमाऊं कमिश्नर ट्रेल ने मल्ला महल में स्थापित नंदा देवी की मूर्ति को वहां से हटाकर उघोत चंदेश्वर मंदिर में रखवा दिया। इसके कुछ दिनों जब कमिश्नर ट्रेल हिमालय में नंदा देवी की चोटी और एक यात्रा पर गए थे तो अचानक उनकी आंखों की रोशनी कम हो गई और उन्हें दिखाई देना बंद हो गया। कई चिकित्सकों को दिखाया पर कोई लाभ नहीं हुआ। कुछ लोगों की सलाह पर अल्मोड़ा लौटकर मां नंदा से क्षमायाचना की और मां नंदा का एक मंदिर बनवाया। उसके बाद उनकी आंखों ज्योति वापस लौट आई।
- चंद शासकों से पहले कत्यूरी शासक भी नंदा देवी को अपनी आराध्य देवी मानते थे। कत्यूरी शासकों के अधिकांश लेखों में मां नंदा देवी की स्तुति मिलती है। अल्मोड़ा में नंदा देवी की पूजा तांत्रिक विधि से की जाती है। चंद राजा तंत्र विद्या में पारंगत माने जाते थे। राजा आनंद सिंह तंत्र विद्या में विशेष ज्ञान रखते थे। उनकी मृत्यु के बाद तंत्रशास्त्र की पुस्तक 'चीनाचार' में से कुछ अंश उतार कर पूजा की जाती है। नंदा देवी को तारा शक्ति के रूप में पूजा जाता है और यह पूजा तंत्रिका विधि से की जाती है, जिसे 'आगमोक्त' विधि कहते हैं।
- नैनीताल के मल्लीताल में भी झील से लगा एक नंदा देवी का मंदिर है। पहले यह मंदिर उस स्थान पर था, जहां आज वोट हाउस क्लब है, लेकिन 1880 में आए विनाशकारी भूस्खलन से पूरा मंदिर झील में समा गया था। बाद में मोतीराम साह ने नया मंदिर बनवाया और उनके प्रयासों से ही 1903 में यहां नंदा देवी महोत्सव का प्रारंभ हुआ। उनकी मृत्यु पश्चात उनके पुत्र उदय साह ने इस कार्य को आगे बढ़ाया। 1925 तक मोतीराम साह के परिवार वाले मेले का आयोजन करते रहे। 1926 से रामसेवक सभा ने मेले के आयोजन की बागडोर अपने हाथ में ले ली।

पंचमी से शुरू हो जाती है महोत्सव की तैयारी

नैनीताल में नंदा देवी महोत्सव की तैयारी भाद्रपद की पंचमी से प्रारंभ हो जाती है। षष्ठी के दिन निकटवर्ती गांव से एक जुलूस और मंत्रोचार के साथ ढोल नगाड़े बजाते हुए कदली (केले) के वृक्षों को लाया जाता है। इन वृक्षों को नगर की परिक्रमा के बाद मंदिर के प्रांगण में रखा जाता है। सप्तमी के दिन मूर्ति निर्माण का कार्य प्रारंभ होता है। अष्टमी के दिन सुंदर वस्त्रों और आभूषणों से सुसज्जित मूर्ति को ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर में स्थापित किया जाता है। नवमी के दिन कन्याकुमारी का भोग लगाया जाता है। दसवीं के दिन देवी का डोला नगर भ्रमण के लिए निकाला जाता है। सूर्यास्त के बाद देवी की मूर्ति को पाषाण देवी मंदिर के समीप नैनी झील में विसर्जित कर दिया जाता है। यह महोत्सव हमें मां नंदा के प्रति अटूट आस्था, विश्वास और भक्ति से सराबोर करता है।

साधक को श्राद्ध का भोजन नहीं करना चाहिए

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

पितृ पक्ष चल रहा है और हर कोई अपने पितरों के निमित्त अनेक प्रकार के पकवान बनाते हैं। श्राद्ध कर्म करने के बाद ब्राह्मणों, गरीबों या अन्य बाहरी लोगों को भोजन भी खिलाते हैं, लेकिन शास्त्रों के अनुसार श्राद्ध का भोजन हर किसी के लिए शुभ नहीं माना गया है, क्योंकि श्राद्ध का भोजन पितरों के नाम से बनाया जाता है, जो वासनामय, अर्थात रज-तम से युक्त होता है, इसलिए श्राद्ध का भोजन करना हर किसी के लिए शुभ नहीं होता। आखिर क्यों नहीं करना चाहिए श्राद्ध का भोजन।

पितृ पक्ष में केवल ऐसे भोजन को ही खाते हैं, पितृगण, अपने कुल गोत्र के परिवार में कर सकते हैं श्राद्ध का भोजन। धर्मशास्त्र में श्राद्ध का भोजन करने के विषय में कुछ नियम बताए गए हैं। अगर इन नियमों का पालन किया जाए, तो इससे होने वाले कष्टों से बचा जा सकता है अथवा उसका प्रभाव कुछ कम किया जा सकता है। श्राद्ध का भोजन किसी दूसरे के घर का नहीं ग्रहण करना चाहिए, लेकिन अपने कुल गोत्र के परिवार जनों में भोजन करने पर कोई दोष नहीं लगता। स्वाध्याय अर्थात अपने कर्मों का चिंतन करना, मनन की तुलना में चिंतन अधिक सूक्ष्म होता है। अतः चिंतन से जीव की देह पर विशिष्ट गुण का संस्कार दृढ़ होता है। सामान्य जीव रज-तमात्मक माया-संबंधी कार्यों का ही अधिक चिंतन करता है। इससे उसके सर्व ओर रज-तमात्मक तरंगों का वायुमंडल निर्मित होता है। यदि ऐसे संस्कारों के साथ हम भोजन करने श्राद्धस्थल पर जाएंगे, तो वहां के रज-तमात्मक वातावरण का अधिक प्रभाव हमारे शरीर पर होगा, जिससे हमें अधिक कष्ट हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति साधना करता है, तो श्राद्ध का भोजन करने से उसके शरीर में सत्वगुण की मात्रा घट सकती है। इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से श्राद्ध का भोजन लाभदायक नहीं माना जाता।

श्राद्ध का रज-तमात्मक युक्त भोजन ग्रहण करने पर, उसकी सूक्ष्म-वायु हमारी देह में घूमती रहती है। ऐसी अवस्था में जब हम पुनः भोजन करते हैं, तब उसमें यह सूक्ष्म-वायु मिल जाती है। इससे, इस भोजन से हानि हो सकती है। इसीलिए, हिन्दू धर्म में बताया गया है कि उपरोक्त कृत्य टालकर ही श्राद्ध का भोजन करना चाहिए। कलह से मनोमयकोष में रज-तम की मात्रा बढ़ जाती है। नींद तमप्रधान होती है। इससे हमारी थकान अवश्य मिटती है, पर शरीर में तमोगुण भी बढ़ता है। इसलिए प्रयास करें कि श्राद्ध पक्ष ये तेरहवीं आदि मृतकों के निमित्त बनाए गए भोजन को करने से बचना चाहिए।

भगवद गीता पितृ पक्ष के बारे में क्या कहती है

भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'आत्मा का न तो कभी जन्म होता है और न ही मृत्यु। आत्मा अजन्मा, शाश्वत, नित्य और आदि है। शरीर के मारे जाने पर भी वह नहीं मरती।' पितृ पक्ष के अनुष्ठान आत्मा को जीवन-मरण के दुष्चक्र से मुक्त करते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

श्राद्ध में क्या भोजन बनाना चाहिए

श्राद्ध में खीर-पूरी के साथ जौ, मटर और सरसों से बना सात्विक भोजन बनाना चाहिए, जिसमें गाय के दूध, दही और घी का प्रयोग हो। साथ ही गंगाजल, शहद और तिल जरूर शामिल करें, इस दिन प्याज, लहसुन, मूली, बैंगन, उड़द की दाल से बने पकवान और बासी भोजन नहीं बनाना चाहिए।

क्या-क्या दान करें

यह समय पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनकी प्रसन्नता के लिए दान-पुण्य करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दौरान वस्त्र, छतरी, काले तिल, गुड़-नमक, चावल-दूध-चांदी जैसे दान विशेष रूप से फलदायी माने जाते हैं। ऐसा करने से पितरों की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख, समृद्धि व खुशहाली आती है।

श्राद्ध कर्म : पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक

पितृपक्ष के दौरान पितृ गण सूक्ष्म रूप से अपनी संतान के आस-पास उपस्थित रहते हैं। प्रत्येक वर्ष में एक बार पितृ पक्ष के पंद्रह दिन पूर्वजों की अदृश्य सत्ता से संवाद, उनका आशीष प्राप्त करने का अमोघ समय है। श्राद्ध कर्म पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, पितृपक्ष में श्रद्धा और तर्पण से पितरों को तृप्त किया जाता है। श्राद्ध कर्म धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और स्मरण का प्रतीक है। पितृपक्ष में श्राद्ध, दान और तर्पण द्वारा पितरों को तृप्त किया जाता है, जिससे उनका आशीर्वाद प्राप्त होकर पारिवारिक व सामाजिक जीवन में संतुलन और सद्भाव स्थापित होता है। भारतीय संस्कृति में पूर्वजों का स्मरण और उनके प्रति सम्मान एक गहन परंपरा के रूप में स्थापित है। ब्रह्म पुराण, गरुड़ पुराण आदि ग्रंथों में श्राद्ध कर्म का विशेष महत्व बताया गया है। हर शुभ कार्य के आरंभ में माता-पिता और पितरों को नमन करने की परंपरा इसलिए है, क्योंकि उनकी कृपा और आशीर्वाद के बिना कोई भी कार्य पूर्ण फलदायी नहीं होता। शास्त्रों के अनुसार देवता भी तभी प्रसन्न होते हैं जब पितरों की तृप्ति होती है। श्राद्ध का अर्थ केवल भोजन, दान या कर्मकांड तक सीमित नहीं है। पितृ गण यह भी देखते हैं कि उनके वंशज कितनी श्रद्धा और भावनाओं के साथ उन्हें स्मरण कर रहे हैं। सच्चे मन से अर्पित की गई कोई भी वस्तु उन्हें प्रिय होती है और वे तृप्त होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

डॉ. प्रीती अग्निहोत्री
प्रोफेसर
(संस्कृत विभाग)

पितृ पक्ष पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और स्मृति का अवसर हैं। वर्ष में पंद्रह दिन पितरों के प्रति श्रद्धा-समर्पण, पिंड दान और उनके स्मरण के लिए निर्धारित हैं। लोक मान्यता है कि इन दिनों पितृ अपने-अपने वंशजों के घर सूक्ष्म रूप में उपस्थित रहते हैं और उनकी श्रद्धा से प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं, इसलिए इस समय दान-पुण्य, तर्पण और स्मरण जैसे कर्मों को प्राथमिकता दी जाती है। अघोर पंत साधना से जुड़े साधक इस दौरान पूर्वजों की मृत आत्माओं से संपर्क स्थापित करते हैं। श्राद्धपक्ष का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को सांसारिक मोह-माया से कुछ समय दूर करके आत्मीय भाव से पूर्वजों के प्रति समर्पित करना है। श्राद्ध कर्म हमें यह स्मरण कराता है कि पूर्वजों की मेहनत और संस्कार ही हमारी आज की पहचान का आधार हैं। पितृपक्ष में पितरों को जल आदि देने से हम पितरों को तृप्त करते हैं, सच्चे मन से पितरों को अपनी श्रद्धा अर्पण करने से पितृ गण आशीर्वाद देते हैं, जिससे व्यक्ति के जीवन में आने वाली बाधाओं का शमन होता है और पितृ कृपा से भाग्योदय, सुख-संपत्ति की प्राप्ति होती है। पितृपक्ष के पंद्रह दिन, पूर्वजों के साथ वर्तमान पीढ़ी को जोड़ने का अदृश्य सेतु है।

सप्ताह के प्रमुख व्रत

महालक्ष्मी व्रत से पाएं सुख-समृद्धि और सौभाग्य

भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष अष्टमी के दिन से श्री महालक्ष्मी व्रत आरंभ हो जाते हैं और आश्विन माह में कृष्ण पक्ष में अष्टमी तिथि को संपन्न होते हैं। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त करने के लिए श्री महालक्ष्मी व्रत किया जाता है। इस व्रत में मां लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने से उनकी कृपा के साथ मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत में अन्न ग्रहण नहीं किया जाता है। महालक्ष्मी व्रत का 16वें दिन उद्यापन किया जाता है।

पूजा में 16 का विशेष महत्व

श्रीमहालक्ष्मी व्रत में 16का विशेष महत्व है। 16 बार तर्पण, 16 दीपक, 16 बोल की कहानी, 16 श्रृंगार, 16 दिन का व्रत, 16 दूर्वा, 16 डुबकी लगाने का विधान है। इस दौरान खट्टी और नमक वाली चीजों के सेवन की मनाही होती है। सुबह-शाम मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना करें। महालक्ष्मी व्रत में व्रती के साथ परिवार के सदस्यों को भी तामसिक छोड़कर केवल सात्विक भोजन करना चाहिए।

14 सितंबर को व्रत का पारण

इस बार महालक्ष्मी व्रत 31 अगस्त से शुरू हुए थे और 14 सितंबर को समाप्त होंगे। महालक्ष्मी व्रत का पारण चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद अन्न ग्रहण करके किया जाता है। इस दिन पूजा स्थल की सफाई करके गणेश जी और नवग्रहों का पूजन करें, उसके बाद माता महालक्ष्मी की पूजा करके उन्हें 16 श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें।

अध्यात्म

मौनव्रत

मनुष्य के ज्ञान, स्वभाव का स्तर उसकी वाणी से पता चलता है। वाणी अपनी मिठास, तर्क, क्षमता एवं भाव संवेदना से दूसरों प्रभावित ही नहीं करती, अपितु प्रतिकूल से अनुकूल बना लेती है। कुशल वक्ता जनमानस को बदलकर और उसे अपने विचारों के अनुकूल धारा में बहा ले जाते हैं। लोक व्यवहार में सफलता-असफलता का बहुत कुछ आधार उसके भाषण संभाषण स्तर के साथ जुड़ा रहता है। इसी कारण जिव्हा को इन्द्रियों की गणना में एक नहीं दो माना गया है। वही वाकशक्ति भी और वही स्वादेन्द्रिय रसना भी है। इसका शासन संपूर्ण व्यक्तित्व एवं संपर्क परिकर पर छाया रहता है। अध्यात्म क्षेत्र में वाक्सिद्धि का प्रयोजन मौन व्रत का अभ्यास करने से बन पड़ता है। निरंतर बोलते रहने से वाणी का प्रभाव क्षमता क्षीण होती है। अतएव विद्वतजन निरर्थक नहीं बोलते। सोच समझकर सीमित और अर्थपूर्ण शब्द कहते हैं, उनका थोड़ा सा भी बोलना घंटों बकवास करने की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावशाली होता है। मौन के विश्राम काल में इतना अवसर मिल जाता है कि पिछली गंदी आदतों को सुधारा- विचारा जा सके। मौनव्रत के द्वारा भावी कार्यकाल को सुगम बनाया जा सकता है। मौनकाल में विचारों की शक्ति सीमाबद्ध होती है। इसे इधर-उधर बिखेरने की अपेक्षा यदि वाक्शक्ति पर धार धरने में लगाया जा सके तो वह तीखी तलवार से भी अधिक सशक्त बनती है। मौन की पृष्ठभूमि में जप साधन ठीक प्रकार बन पड़ता है। ध्यान के लिए मौन व्रत अनिवार्य है। किसी दशा विशेष में प्राणशक्ति को नियोजित करने का अभ्यास करना हो तो उसका प्रथम चरण मौनव्रत ही हो सकता है। बांध खोलने पर जल का प्रचंड प्रवाह उछाल मारता है, यदि उसे सामान्य गति से बहने दिया जाए तो जल धारा सामान्य स्तर की ही बनकर रह जाती है। यही बात जिह्वा के संबंध में भी है। शक्ति संस्थानों में विचार के उपरांत वाणी का स्थान होता है। विचार सूक्ष्म हैं, वाणी स्थूल विचारों की परिधि को बेधकर किसी का भी अंतरंग पढ़ना कठिन है। मौन व्रत से उपासना की शक्ति भी कई गुना बढ़ जाती है और उस आधार पर निग्रहीत की गई जिह्वा जो कुछ कहती है, वह शुभ सत्य होकर रहता है। जिह्वा के कार्य क्षेत्र, लौकिक भी हैं और पारलौकिक भी। लोक व्यवहार में यह सबसे बड़ी क्षमता है। अध्यात्म में सत्संग विचार-विनिमय जिह्वा से ही संपन्न होते हैं। इन्हें मनन-चिंतन का प्रतीक स्वीकारना चाहिए। वाणी की सिद्धि प्राप्त करने के लिए मौन व्रत का ही अवलंबन लेना चाहिए। यदि किसी के लिए लंबी अवधि तक मौनव्रत न बन सके तो सप्ताह में एक दिन या दिन में दो-तीन घंटे की मौनव्रत रखना जीवन के लिए बहुत उपयोगी है।

रमन त्रिपाठी
लेखिका

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,787.30	24,773.15
बढ़त	76.54	32.15
प्रतिशत में	0.09	0.13

सोना- 1,10,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,25,700 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 9 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2650, फॉर्चुन 13 किग्रा 1940, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2360, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2460, स्वास्तिक 2555

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

एमएसएमई के हित के लिए भारत प्रतिबद्ध

प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशीलता के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहता है भारत

- अमेरिकी शुल्क से निर्यातकों के सामने नई चुनौती खड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को 'समान, न्यायसंगत और संतुलित' बनाना चाहता है क्योंकि सरकार किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही। यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर 50% का भारी शुल्क लगा दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में माल भेजने वाले निर्यातकों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत अपनी प्राथमिकताओं खासकर किसानों, मछुआरों, एमएसएमई क्षेत्र और डेयरी को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशीलता के साथ काम करता है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए भारत वैश्विक स्तर पर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहता है। लेकिन इसमें परस्परता होनी चाहिए और यह समान, न्यायसंगत और संतुलित होना चाहिए। भारत इस समय यूरोपीय संघ समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। भारत की द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका के साथ भी बात चल रही है। हालांकि, शुल्क मुद्दों पर जुड़े तनाव के बीच इस समझौते पर बातचीत फिलहाल रुक गई है। अमेरिकी दल को छठे दौर की वार्ता के लिए 25 अगस्त को भारत आना था, लेकिन शुल्क संबंधी घोषणाओं के बीच उसने इस यात्रा को टाल दिया। अभी नई तारीख की घोषणा भी नहीं की गई है। भारत कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को खोलने की अमेरिकी मांग को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

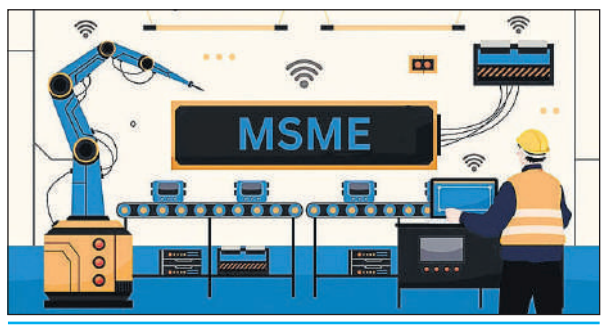

निर्यातकों के लिए व्यापक पैकेज पर काम जारी

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच वस्तु व्यापार 131.8 अरब डॉलर का रहा। इसमें भारत का निर्यात 86.5 अरब डॉलर और आयात 45.3 अरब डॉलर था। इस बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार अमेरिकी शुल्क से प्रभावित भारतीय निर्यातकों के लिए एक व्यापक पैकेज पर काम कर रही है और इसका आकलन करने के लिये बहु-विभागीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत-यूरोपीय संघ में एफटीए पर वार्ता शुरू

भारत और यूरोपीय संघ ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सोमवार को अगले दौर की वार्ता शुरू की। एफटीए के इस साल के अंत तक पूरा करने की समयसीमा को देखते हुए 13वें दौर की वार्ता काफी अहम मानी जा रही है। बातचीत का 12वां दौर ब्रसेल्स में हुआ था। एक अधिकारी ने कहा कि इस दौर की वार्ता पूरी होने के बाद यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मैरोस सेफ्कोविच 12 सितंबर को भारत आएंगे और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत में प्रगति की समीक्षा करेंगे। भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने जून, 2022 में व्यापक एफटीए, निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक (जीआई) पर बातचीत आठ साल के अंतराल के बाद दोबारा शुरू की थी। एफटीए पर वार्ता 2013 में बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण रुक गई थी। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस साल 28 फरवरी को इस बात पर सहमति जताई थी कि वर्ष 2025 के अंत तक व्यापार समझौता पूरा कर लिया जाएगा।

भारत-इजराइल ने निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और इजराइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, भारत और इजराइल सरकार ने आज नयी दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते बीआईटी पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजराइली समकक्ष बेजेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। स्मोट्रिच 8-10 सितंबर के बीच तीन दिन की भारत यात्रा पर आए हैं। वह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल से भी मुलाकात करेंगे। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से भारत के साथ इजराइल के आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) सहित कुछ प्रमुख समझौतों के लिए साझा आधार तैयार करना है।

कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को उद्योग जगत से जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत होगी।

गोयल ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और सरलीकरण से घरेलू मांग बढ़ेगी, छोटे और बड़े उद्यमों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, आय बढ़ेगी, जिससे खर्च बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि इससे देश को आगे ले जाने के लिए वृद्धि का एक अच्छा चक्र बनेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने यहां ईईपीसी इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने से नहीं रोक पाएगी।

उन्होंने समतामूलक आर्थिक लाभ के महत्व पर जोर दिया और कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए। जब भारत एक संयुक्त परिवार की तरह काम करेगा और सभी क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करेगा, तो स्वाभाविक रूप से समावेशी विकास होगा।

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी व अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

देश समावेशी विकास से बनेगा आदर्श

गोयल ने भरोसा जताया कि देश टिकाऊ और समावेशी विकास के लिए दुनिया भर में आदर्श बन सकता है। जीएसटी दरों में कटौती और सरलीकरण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया है। गोयल ने कहा कि जब आर्थिक प्रणाली के मजबूत आधार पर बुनियादी ढांचे का खर्च बढ़ेगा और उपभोक्ता मांग में तेजी आएगी, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विश्व शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।

लेक्सस ने 20.8 लाख तक घटाए दाम, निसान ने भी की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी

लक्जरी वाहन विनिर्माता लेक्सस इंडिया और वाहन कंपनी निसान मोटर इंडिया ने वाहनों पर जीएसटी दरों में की कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए सोमवार को गाड़ियों के दाम घटाने की घोषणा की। दोनों कंपनियों ने अलग-अलग कहा कि संशोधित कीमतें 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी हो जाएंगी।

लेक्सस इंडिया ने कहा कि उसने अपनी पूरी उत्पाद श्रृंखला की कीमतों में 20.8 लाख रुपये तक की कमी की है। कंपनी के छह मॉडल में से सेडान ईएस 300एच की कीमतों में 1.47 लाख और अग्रणी एसयूवी एलएक्स 500डी के दाम में अधिकतम 20.8 लाख तक की कमी होगी। वहीं, निसान मोटर इंडिया ने कॉम्पैक्ट एसयूवी मैग्नाइट की कीमतों में 52,400 से लेकर एक लाख रुपये तक की कटौती की है। दरों में बदलाव के बाद नई निसान मैग्नाइट की शुरुआती कीमत अब छह लाख रुपये से नीचे आ गई है।

निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती वाहन उद्योग को सही समय पर मिला प्रोत्साहन है और इससे सीधे ग्राहकों को लाभ होगा।

ऑडी इंडिया ने कीमत 7.8 लाख रुपये तक किए कम

जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता ऑडी ने भारत में अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख से लेकर 7.8 लाख रुपये तक कटौती की। नई कीमतों के तहत एसयूवी क्यू3 की कीमत 43.07 लाख से शुरू होगी, जो पहले 46.14 लाख थी। शीर्ष एसयूवी क्यू8 की शुरुआती कीमत 1.18 करोड़ से घटकर 1.1 करोड़ रुपये हो जाएगी।

देश की बेरोजगारी दर जी-20 देशों में सबसे कम : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अनुसार भारत की बेरोजगारी दर दो प्रतिशत है, जो जी-20 देशों में सबसे कम है।

मंत्री ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है और प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएम- वीबीआरवाई) सहित कई योजनाओं ने इसमें योगदान दिया है। वह मंत्रालय और डिजिटल मंच 'मेंटर टुगेदर' तथा ऑनलाइन साइट 'क्विकर' के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के मौके पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस एमओयू का मकसद राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर रोजगार के अवसरों के साथ ही युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाना है।

मांडविया ने कहा कि इन साझेदारियों की मदद से नौकरी चाहने वालों के लिए उचित मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

नकद व एसएलबीएम खंड के लिए निपटान तिथियों में संशोधन : सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को कहा कि पांच सितंबर और आठ सितंबर को समाशोधन निगम के निपटान अवकाश घोषित करने के बाद नकद, वायदा-विकल्प और प्रतिभूति ऋण और उधार तंत्र (एसएलबीएम) खंडों के लिए निपटान चक्र को संशोधित किया गया है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि यह निर्णय शेयर बाजारों और समाशोधन निगम से परामर्श के बाद लिया गया। वायदा-विकल्प खंड के लिए तीन कारोबारी दिन- यानी चार सितंबर(गुरुवार), पांच सितंबर (शुक्रवार) और आठ सितंबर (सोमवार) को निपटान नौ सितंबर (मंगलवार) को किया जाएगा। नकद और एसएलबीएम खंड के लिए चार और पांच सितंबर को किए गए सौदों का निपटान भी नौ सितंबर को किया जाएगा। दूसरी ओर आठ और नौ सितंबर के सौदों का निपटान 10 सितंबर को किया जाएगा। इससे पहले शेयर बाजारों ने पांच सितंबर को निपटान अवकाश घोषित किया था। एक्सचेंजों ने बताया कि पांच और आठ सितंबर, दोनों दिन निपटान अवकाश होंगे।

- बाजार नियामक बोर्ड के अनुसार चार-पांच सितंबर को हुए सौदों का निपटान नौ सितंबर को होगा

बिजनेस ब्रीफ

स्पाइसजेट ने क्रेडिट को दिए 2.4 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। किफायती एयरलाइन स्पाइसजेट ने सोमवार को कहा कि उसने वित्तीय सेवा फर्म क्रेडिट सुइस को 2.4 करोड़ डॉलर (200 करोड़ रुपये) का भुगतान किया है। यह भुगतान तीन साल पहले हुए समझौते की शर्तों के अनुरूप किया गया है। स्पाइसजेट ने कहा कि मई, 2022 में हुए समझौते के समय क्रेडिट सुइस/ एसआर टेक्निक्स का कुल दावा 4.17 करोड़ डॉलर था। दोनों पक्षों ने इसे 2.4 करोड़ डॉलर पर निपटाने और किस्तों में भुगतान करने पर सहमति जताई थी। क्रेडिट सुइस स्विट्जरलैंड का अग्रणी निवेश बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है। कंपनी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा कि इस भुगतान को पूरा करना प्रतिबद्धताओं को निभाने की हमारी क्षमता और संकल्प को दर्शाती है।

गौतम सोलर 4,000 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली। गौतम सोलर मध्य प्रदेश में 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से पांच गीगावाट क्षमता का सौर सेल विनिर्माण संयंत्र लगाएगी। कंपनी ने सोमवार को कहा कि यह परियोजना ग्वालियर में 54 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी। कंपनी पांच गीगावाट की कुल क्षमता वाले अत्याधुनिक टॉपकॉन सौर सेल का उत्पादन करेगी। परियोजना के क्रियान्वयन का पहला चरण शुरू हो गया है। इसमें दो गीगावाट की सौर सेल निर्माण क्षमता स्थापित करना शामिल है। यह कार्य वर्ष 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। पहले चरण के बाद, गौतम सोलर पूंजी जुटाने को लेकर आईपीओ लाने की योजना बना रही है।

जापान की अर्थव्यवस्था का बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो। अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितता की चिंताओं के बावजूद जापान की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अनुमान से कहीं अधिक तेजी से बढ़ी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 2.2% बढ़ा। यह आंकड़ा पिछले महीने जारी किए गए 1.0% वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान से बेहतर है। ठोस उपभोक्ता खर्च और माल-भंडार के बढ़ने से अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला। तिमाही आधार पर जापान की जीडीपी आधा प्रतिशत बढ़ी, जो 0.3% वृद्धि के शुरुआती अनुमान से अधिक है।

इस्पात उत्पादों पर 12% सुरक्षा शुल्क पर्याप्त

नई दिल्ली। उद्योगपति नवीन जिंदल ने सोमवार को कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर 12% रक्षोपाय शुल्क पर्याप्त है और भविष्य में आयात संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा तो उद्योग सरकार से फिर संपर्क करेगा। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने घरेलू विनिर्माताओं को आयात में वृद्धि से बचाने को कुछ इस्पात उत्पादों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने की अंतिम सिफारिश की है।

जीएसटी कटौती: सेविंग्स को बनाएं निवेश का साधन

सरकार ने त्योहारों से पहले जनता को राहत देते हुए जीएसटी दरों में कमी की है। 22 सितंबर से लागू होने वाले नए टैक्स रेट्स से परिवारों का मासिक खर्च कम होगा। ग्रॉसरी, कपड़े, इंश्योरेंस और अन्य जरूरी चीजें सस्ती हो जाएंगी। इससे आम लोगों की जेब हल्की होगी और उनके पास अतिरिक्त बचत बचेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बचत को सिर्फ खर्च करने के बजाय निवेश करना अधिक फायदेमंद होगा। म्यूचुअल फंड, गोल्ड ईटीएफ या एसआईपी जैसे विकल्प लंबी अवधि में बड़ा लाभ दिला सकते हैं और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।

त्योहारों से पहले बड़ी राहत

जीएसटी दरों में कमी का असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। 80,000 रुपये मासिक खर्च वाले परिवार को हर महीने 1,600 रुपये की बचत होगी। त्योहारों की खरीदारी में इसका असर तुरंत दिखेगा। परिवारों को कपड़े, ग्रॉसरी और इंश्योरेंस जैसे जरूरी सामान और सेवाएं पहले से सस्ती मिलेंगी।

मासिक बजट में कमी

एक औसत परिवार हर महीने फूड और ग्रॉसरी पर 20,000 रुपये खर्च करता है, जो अब घटकर 18,750 रुपये रह जाएगा। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम में भी कमी आएगी। ज्यादातर चीजें 12% से घटकर 5% के स्लैब में आ गई हैं। अगर किसी परिवार का बजट ज्यादा है तो उसकी सेविंग्स भी ज्यादा होगी। उदाहरण के लिए, 3 लाख रुपये मासिक बजट वाले परिवार की बचत लगभग 4,000 रुपये और 10 लाख रुपये बजट वाले परिवार की बचत 11,400 रुपये तक हो सकती है।

हाथ में बचे पैसे का सही इस्तेमाल

विशेषज्ञों का मानना है कि बचत को खर्च करने के बजाय निवेश करना समझदारी होगी। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई सामान पहले 100 रुपये का मिलता था और अब 90 रुपये में मिल रहा है, तो बचे हुए 10 रुपये को निवेश करना सही होगा। इससे छोटी-छोटी बचतें भविष्य में बड़ा फंड बना सकती हैं। इक्विटी फंड्स, गोल्ड ईटीएफ या इंटरनेशनल म्यूचुअल फंड्स इसके बेहतर विकल्प हैं।

त्योहारों में सोच-समझकर करें खरीदारी

त्योहारों में खर्च बढ़ाना आम बात है, लेकिन इस बार ध्यान रखना जरूरी है कि हाथ में बची रकम को निवेश में लगाया जाए। म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटा-सा निवेश भी लंबे समय में बड़ा लाभ दे सकता है। इस तरह जीएसटी कटौती न केवल तात्कालिक राहत देगी बल्कि समझदारी से निवेश करने पर भविष्य की आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

कोयला उत्पादन मामूली गिरावट के साथ 38.17 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में देश का कोयला उत्पादन 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 38.17 करोड़ टन रहा। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

पिछले साल की अप्रैल-अगस्त अवधि में घरेलू कोयला उत्पादन 38.40 करोड़ टन रहा था। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-अगस्त, 2025 के दौरान कुल 38.17 करोड़ टन कोयला उत्पादन में से कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 28.01 करोड़ टन का योगदान दिया। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने 2.41 करोड़ टन और निजी उपभोग वाली खदानों एवं अन्य स्रोतों ने 7.74 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। अगस्त में देश का घरेलू कोयला उत्पादन 11.5 प्रतिशत बढ़कर 6.98 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले के समान माह में 6.26 करोड़ टन था।

टमाटर के दाम में तेजी से घर में बना खाना हुआ थोड़ा महंगा

मुंबई, एजेंसी

घर में बने खाने की कीमतों में अगस्त में मासिक आधार पर मामूली वृद्धि हुई है। इसका मुख्य कारण टमाटर की कीमतों में उछाल है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया।

क्रिसिल के अनुसार, शाकाहारी भोजन की औसत कीमत अगस्त में चार प्रतिशत बढ़कर 29.1 रुपये हो गई, जबकि जुलाई में यह 28.1 रुपये थी। वहीं मांसाहारी थाली की कीमत दो प्रतिशत बढ़कर 54.6 रुपये प्रति प्लेट हो गई। मासिक रोटी-चावल कीमत रिपोर्ट में कहा गया है कि आपूर्ति में 35 प्रतिशत की गिरावट के कारण अगस्त में टमाटर की कीमतों में मासिक आधार पर 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आलू और प्याज की कीमतें मासिक आधार पर स्थिर रहीं। मुख्य रूप से भंडार से बाजार में जारी किये जाने से इन सब्जियों के दाम स्थिर रहे। हालांकि, सालाना आधार पर घर में बना खाना सस्ता हुआ है। शाकाहारी भोजन की कीमत अगस्त, 2024 के 31.2 रुपये के मुकाबले लगभग सात प्रतिशत कम हुई। वहीं मांसाहारी भोजन की कीमत 59.3 रुपये के मुकाबले आठ प्रतिशत कम हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, सालाना आधार पर भोजन की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण वस्तुओं के दाम में नरमी है।

- शाकाहारी थाली चार तो मांसाहारी दो प्रतिशत हुई महंगी

मजबूत वैश्विक रुख से शेयर बाजार में रही तेजी

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त में रहे। बीएसई का सेंसेक्स 76 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई का निफ्टी में 32 अंक की तेजी आई। इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से वैश्विक बाजारों में तेजी आई, जिसका घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

कारोबार के आखिरी घंटे में निवेशकों की मुनाफावसूली के बावजूद सेंसेक्स 76.54 अंक की बढ़त के साथ 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और बाद में वाहन, पेट्रोलियम और निजी बैंक शेयरों में तेजी के साथ 460.62 अंक चढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, आईटी और एफएमसीजी के शेयरों में बिकवाली ने बढ़त को सीमित कर दिया। निफ्टी भी 32.15 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,773.15 अंक पर बंद हुआ।

टाटा-महिंद्रा रहे बढ़त में

टाटा मोटर्स में 3.97% तो महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.96% की बढ़त में रहा। वहीं, मारुति, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ, ट्रेंट में 3.81% की गिरावट आई। एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड और सन फार्मा भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

सलाह राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- सात दशक में देश के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया

वैश्विक व्यापार चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत

- ईईपीसी के प्लैटिनम जयंती समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह में कहा कि सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में बदलने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। विश्व व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पक्ष होने के नाते, ईईपीसी को और भी दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए। मुर्मू ने कहा कि दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्र भारत में हैं। ईईपीसी से जुड़े पक्षों को उचित प्रोत्साहन और एक परिवेश उपलब्ध कराके भारत को एक वैश्विक नवोन्मेष केंद्र बनाने के विचार के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं दुनिया में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और समृद्ध हैं। उन्होंने ईईपीसी के सभी पक्षों से देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक अनुकूल परिवेश प्रदान कर भारत को एक अग्रणी नवोन्मेषी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

ईईपीसी के प्लेटिनम जयंती समारोह को संबोधित करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

वर्ल्ड ब्रीफ

गुयाना : इरफान अली बने दूसरी बार राष्ट्रपति

मेक्सिको सिटी। गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने पिछले सप्ताह हुए चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद रविवार को दूसरी बार पद की शपथ ली। चुनाव आयोग ने अली की जीत की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने भारी बहुमत से चुनाव जीता है और उनकी पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी ने संसद की 65 में से 36 सीट पर जीत हासिल की है। उनकी यह जीत ऐसे वक्त में हुई है जब यह दक्षिण अमेरिकी देश अपतटीय तेल और गैस उत्पादन से अप्रत्याशित लाभ कमा रहा है। ब्राजील, वेनेजुएला और सूरीनाम के बीच स्थित गुयाना ने एक दशक पहले अपतटीय क्षेत्र में खोजे गए विशाल तेल भंडारों और खनिज संपदा के कारण अधिकाधिक ध्यान आकर्षित किया है।

तुर्की: पुलिस पर हमला दो अफसरों की मौत

इस्तांबुल। तुर्की के पश्चिमी बंदरगाह शहर इजमिर में एक पुलिस स्टेशन पर सोमवार को हुए हमले में दो पुलिस अधिकारी मारे गए और एक नागरिक सहित कम से कम तीन अन्य घायल हो गए। इजमिर के मेयर सेमिल तुगे ने एक्स पर कहा कि यह विश्वासघाती हमला बाल्कोवा जिले के सालिह इसगोरेन पुलिस स्टेशन पर हुआ। लोक अभियोजक अली येलदान ने बताया कि हमलावर एक 16 वर्षीय किशोर है और उसे हिरासत में लिया गया है। यह हमला एक नकाबपोश बंदूकधारी ने किया था, जिसके पास पंप-एक्शन शॉटगन थी।

फ्रांस: पीएम फ्रांस्वा हार सकते हैं विश्वास मत

पेरिस। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू को मंगलवार को नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा जिसमें उनके हारने की संभावना है। बायरू को बर्खास्त किए जाने पर राष्ट्रपति मैक्रों दो साल में ही पांचवें प्रधानमंत्री की तलाश करनी पड़ेगी। बायरू का भाग्य पिछले महीने के अंत में विश्वास मत की अपनी योजना का खुलासा करने के बाद तय हो गया था, जब धुर वामपंथी फ्रांस अनबोड, धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली और मध्य-वामपंथी सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं ने घोषणा की कि वे सरकार गिराने के लिए मतदान करेंगे।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आठ आतंकवादी ढेर

पेशावर। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आईईडी विशेषज्ञ और विस्फोटक विशेषज्ञ सहित आठ आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सेना और स्थानीय पुलिस के एक संयुक्त अभियान में, रविवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खारसीन, डोगा मचाह और दत्ता खेल इलाकों में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया।

नेपाल का आग्रह, भारत-चीन रद्द करें लिपुलेख व्यापार समझौता

काठमांडू, एजेंसी

- सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल ने लिपुलेख को बताया अपना क्षेत्र

नेपाल की सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल ने लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के लिए भारत और चीन के बीच हुए समझौते पर आपत्ति जताई है और दोनों देशों से इस व्यवस्था से हटने का आग्रह किया है।

भारत और चीन पिछले महीने लिपुलेख दर्रे और दो अन्य व्यापारिक बिंदुओं के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमत हुए थे। नेपाल लिपुलेख को अपना क्षेत्र बताता है, जिसे भारत ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है और कहा है कि यह न तो उचित है और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने नेपाल सरकार से उच्च स्तरीय कूटनीतिक पहल के माध्यम से इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है और कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख सहित काली नदी के पूर्व के क्षेत्र पर नेपाल के अधिकार होने की बात फिर दोहराई है। इसे ललितपुर जिले के गोदावरी नगर पालिका में 5-7 सितंबर को आयोजित प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में पारित 28 सूत्री समकालीन प्रस्ताव में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि पार्टी ने दोनों देशों से लिपुलेख व्यापार समझौते को वापस लेने का आग्रह किया।

जटिल प्रक्रिया के जरिए होता है

उपराष्ट्रपति चुनाव

देश मंगलवार को अपना 15वां उपराष्ट्रपति चुनने जा रहा है। 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ स्वास्थ्य कारणों का जिक्र करते हुए 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा दे दिया था जिसकी वजह से यह पद रिक्त हो गया था। चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन हैं जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पृष्ठभूमि से हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है और दोनों उम्मीदवारों के बीच इस चुनाव में आमने-सामने का मुकाबला होना है। दिलचस्प यह है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं, इसलिए इस मुकाबले को दक्षिण बनाम दक्षिण भी कहा जा रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत की वजह से मोटे तौर पर सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए का इस चुनाव में साफ तौर पर पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है।

किसको मताधिकार, कितने मत

- उपराष्ट्रपति पद का चुनाव संसद के दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा के निर्वाचित और मनोनीत सदस्यों को मताधिकार होता है।
- लोकसभा में 543 निर्वाचित और 2 मनोनीत सदस्य हैं, राज्यसभा में 233 निर्वाचित और 12 मनोनीत सदस्य हैं जो मतदान करेंगे।
- इस तरह उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल मिलाकर 788 सांसदों पर मतदाधिकार है, जिनमें 545 लोकसभा, 243 राज्यसभा के सदस्य हैं।

बहुमत @ 395

चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को वैध मतों में से 50% से अधिक मतों की जरूरत होगी। यानी अगर शत प्रतिशत मतदान होता है तो बहुमत 395 वोट होगा। अगर कुछ वोट अमान्य हों तो बहुमत की संख्या कुल वैध मतों पर निर्भर करेगी।

चुनाव की प्रक्रिया

- उपराष्ट्रपति पद के चुनाव का संचालन भारत निर्वाचन आयोग करता है और इस चुनाव में गुप्त मतदान कराया जाता है।
- देश के दूसरे शीर्ष पद के चुनाव में अनुपातिक प्रतिनिधित्व और एकल हस्तांतरणीय मत प्रणाली इस्तेमाल होती है।
- लोकसभा और राज्यसभा के सांसद पहले, दूसरे, तीसरे विकल्प के रूप में सभी उम्मीदवारों को वोट देते हैं।
- सबसे कम मत पाने वाले प्रत्याशी को बाहर कर दिया जाता है, उसके वोट दूसरे विकल्प को ट्रांसफर हो जाते हैं।

संख्या बल : भाजपा नीत एनडीए

- राज्यसभा की स्थिति के अनुसार अनुमानित तौर पर एनडीए के पास कुल मिलाकर 443 सांसदों का संख्या बल है।
- इनमें 293 सदस्य भारतीय जनता पार्टी के हैं जिनमें से लोकसभा के 240 और राज्यसभा के 53 सदस्य शामिल हैं।
- सहयोगी दल जेडीयू, टीडीपी, एलजेपी, शिवसेना शिंदे गुट और एआईएडीएमके आदि के 150 संसद सदस्य हैं।

चुनाव में इंडिया गठबंधन की ताकत

- विपक्षी इंडिया के पास उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 332 सांसदों का संख्याबल है यानी एनडीए से 109 वोट कम।
- इनमें कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 और राज्यसभा में 31 सांसद हैं, इस तरह कुल सदस्यों की संख्या 130 है।
- कांग्रेस के सहयोगी दल टीएमसी, डीएमके, सपा, राजद, सीपीआईएम और आप के पास 234 संसद सदस्य हैं।

ईवीएम का इस्तेमाल नहीं

- ईवीएम इसलिए इस्तेमाल नहीं होती क्योंकि मतदान गुप्त होता है, साथ ही प्राथमिकता क्रम दर्ज करना होता है।
- ईवीएम इस तरह के प्राथमिकता वोटिंग सिस्टम को सपोर्ट नहीं करती। इसी कारण बैलेट पेपर से चुनाव होता है।
- ईवीएम को लोकसभा और विधानसभा जैसे प्रत्यक्ष चुनावों के लिए ही डिजाइन किया गया है।

जेलेंस्की ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने का किया समर्थन

मोदी ने हाल ही में की थी रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान की पैरवी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत का नाम लिए बिना कहा है कि रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के 'दृढ़ और एक समान रुख' और शीघ्र शांति बहाली के प्रयासों के प्रति समर्थन को दोहराया था।

जेलेंस्की ने रविवार को एबीसी न्यूज के 'दिस वीक' कार्यक्रम में प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि उन देशों पर टैरिफ लगाना बिल्कुल ठीक है जो रूस के साथ सौदे करना जारी रखे हुए हैं, मुझे लगता है कि यह सही विचार है। जेलेंस्की से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तस्वीरें देखकर प्रतिबंध लगाने की उनकी योजना उल्टी पड़ गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया है, जिसमें रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

रूस के ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त हुई कैबिनेट की इमारत का जायजा लेने पहुंचे जेलेंस्की।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा- रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने को तैयार

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का कहना है कि यदि वाशिंगटन और यूरोपीय संघ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाते हैं तो इससे रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। बेसेंट ने एनबीसी न्यूज को रविवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के साथ सार्थक बातचीत की थी। इस दौरान अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा रूस पर और दबाव बनाने के संभावित उपायों पर चर्चा हुई। ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर पहले से लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त 25 प्रतिशत का और शुल्क लगा दिया है। इस प्रकार नई दिल्ली पर कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है, जो 27 अगस्त से प्रभावी हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि अमेरिका रूस पर दबाव बढ़ाने को तैयार है, लेकिन इसके लिए हमें अपने यूरोपीय साझेदारों का समर्थन चाहिए। बेसेंट ने कहा, यह अब एक रेस बन गई है, एक तरफ यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है और दूसरी तरफ रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक संभल सकती है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका और ईयू मिलकर प्रतिबंधों को और सख्त करते हैं और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर द्वितीयक शुल्क लगाते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और इससे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन वार्ता के लिए मजबूर होंगे।

ट्रंप ने अरबों डॉलर की विदेशी सहायता रोकने को सुप्रीम कोर्ट से मांगा आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने विभिन्न देशों को दी जाने वाली अरबों अमेरिकी डॉलर की सहायता पर रोक लगाने के लिए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से आपातकालीन आदेश जारी करने का अनुरोध किया। इस कानूनी लड़ाई का मूल मुद्दा कांग्रेस (अमेरिकी संसद) द्वारा स्वीकृत लगभग 5 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता है, जिसके बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह इसे खर्च नहीं करेंगे। उन्होंने उस विवादित प्राधिकार का हवाला देते हुए यह कहा, जिसका पिछली बार उपयोग लगभग 50 वर्ष पहले तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा किया गया था। पिछले हफ्ते, अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने फैसला सुनाया कि रिपब्लिकन प्रशासन का धनराशि रोकने का निर्णय संभवतः अवैध है। ट्रंप ने 28 अगस्त को अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन को लिखे एक पत्र में बताया कि वह संसद द्वारा स्वीकृत 4.9 अरब अमेरिकी डॉलर की विदेश सहायता राशि खर्च नहीं करेंगे।

यरुशलम में आतंकी हमला 6 की मौत, 15 लोग घायल

बस स्टॉप पर अंधाधुंध फायरिंग करने वाले दोनों फलस्तीनी ढेर

यरुशलम, एजेंसी

उत्तरी यरुशलम में भीड़भाड़ वाले एक चौराहे पर एक बस स्टॉप पर फलस्तीनी हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। इजराइल ने इस घटना को आतंकी हमला बताया है। इजराइली पुलिस और आपातकालीन बचाव सेवा की तरफ से यह जानकारी दी गई।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे लोगों पर गोलियां चलाईं। घटनास्थल पर मौजूद एक सुरक्षा अधिकारी और एक आम नागरिक ने हमलावरों को मार गिराया। गाजा में युद्ध के बाद से इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और इजराइल दोनों जगह हिंसा में वृद्धि हुई है। फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल और पश्चिमी तट पर इजराइलियों पर हमला किया है और उनकी हत्या की है। सोमवार को हुई गोलीबारी यरूशलम के उत्तरी प्रवेश बिंदु के निकट एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरूशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित है। हमले की फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में भीड़भाड़ वाले चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से कई लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक बस, जिसका शीशा गोलियों से छलनी था, एक बस स्टॉप पर खड़ी थी, और लोगों का सामान सड़क पर बिखरा पड़ा था। घटनास्थल पर पहुंचे पैरा चिकित्सकों ने बताया कि इलाके में अफरा-तफरी मची हुई थी और टूटे हुए शीशे बिखरे पड़े थे, सड़क पर और बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर लोग घायल और बेहोश पड़े थे।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गोलीबारी के लगभग दो घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंचे। नेतन्याहू को सोमवार को उनके भ्रष्टाचार के मुकदमे के लिए अदालत में उपस्थित होना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से यह सुनवाई स्थगित कर दी गई। उन्होंने चेतावनी दी कि इजराइल कई मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा है, जिसमें गाजा, वेस्ट बैंक और इजराइल शामिल हैं। नेतन्याहू ने हमलावर को मारने वाले सैनिक की भी प्रशंसा की, जो अति-रूढ़िवादी सैनिकों के लिए नवगठित इकाई से था। सैकड़ों सुरक्षाकर्मी अतिरिक्त हमलावरों या क्षेत्र के आसपास लगाए गए विस्फोटकों की तलाश के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। इजराइली सेना ने कहा कि वह हमले के जवाब में सुरक्षा बढ़ाते हुए पश्चिमी तट के निकटवर्ती शहर रामल्ला के बाहरी इलाके में फलस्तीनी गांवों की घेराबंदी कर रही है।

आतंकी घटना के बाद छानबीन करती पुलिस।

मोदी ने की आतंकी हमले की निंदा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने इजरायल के यरुशलम में निर्दोष लोगों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की है। मोदी ने एक्स पर कहा, हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है तथा आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति पर अडिग है।

ब्रिटेन : अवैध प्रवासी वापस न लेने वाले देशों को दी वीजा निलंबन की चेतावनी

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन की नवनियुक्त गृह सचिव शबाना महमूद ने सोमवार को आव्रजन पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन देशों के वीजा निलंबन की चेतावनी दी जो अवैध प्रवासियों को वापस लेने और उनके साथ सहयोग करने से इनकार करते हैं।

पिछले हफ्ते गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद से अपने एक प्रमुख कार्यक्रम में दक्षिण एशियाई मूल की मंत्री ने खुफिया जानकारी साझा करने के उद्देश्य से गठित 'फाइव आइज' समूह के सदस्य देशों की लंदन में आयोजित एक बैठक में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के अपने समकक्षों की मेजबानी की। इस बैठक से करीब एक सप्ताह पहले 1,000 से अधिक प्रवासी छोटी नौका के जरिये अवैध रूप से ब्रिटेन के तटों पर पहुंचे थे।

महमूद ने कहा, जो देश सहयोग नहीं करते, हमारे लिए इसका मतलब भविष्य में वीजा में कटौती की संभावना है, बस इतना कहना है कि हम उम्मीद करते हैं कि देश सहयोग करेंगे, नियमों का पालन करेंगे।

- नई गृहमंत्री शबाना महमूद का आव्रजन पर सख्त रुख

पाकिस्तानः बारिश से रणजीत सिंह के पिता का स्मारक ढहा

लाहौर। पाकिस्तान के गुजरांवाला में भारी बारिश के कारण महाराजा रणजीत सिंह के पिता सरदार महान सिंह के स्मारक का एक हिस्सा ढह गया है।

इवैक्यूई प्रॉपर्टी ट्रस्ट बोर्ड (ईपीटीबी) के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने सोमवार को कहा, हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण, लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर गुजरांवाला के शेरांवाला बाग में स्थित सरदार महान सिंह की समाधि का एक हिस्सा ढह गया है। सौभाग्य से, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। उन्होंने कहा, सिख समुदाय के एक प्रमुख नेता सरदार महान सिंह को उपमहाद्वीप व सिख विरासत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है। उनकी समाधि का जीर्णोद्धार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण महत्व रखता है। मोहिउद्दीन ने कहा कि ईटीपीबी के अधिकारियों ने एक तकनीकी टीम के साथ घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया।

गाजाः इजराइली सेना के हमले में 50 की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा कम से कम 50 फलस्तीनी मारे गए हैं। फलस्तीनी सरकारी समाचार एजेंसी वाफा ने यह जानकारी अपनी रिपोर्ट में दी है।

वाफा के अनुसार रविवार को मारे गये लोगों में से 46 लोग परिक्षेत्र के उत्तरी भाग के निवासी थे। गाजा नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने एक बयान में कहा कि रविवार सुबह से इजराइली सेना ने 50 से ज्यादा इमारतों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है और 100 से ज्यादा अन्य को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिनमें हज़ारों नागरिकों के आवास वाली ऊंची इमारतें भी शामिल हैं।

जापान : प्रधानमंत्री पद के लिए सत्ताधारी दल में मचा घमासान

टोक्यो, एजेंसी

- शिगेरू इशिबा के इस्तीफा देने के कारण खाली हुआ है पद

शिगेरू इशिबा के पद से इस्तीफा देते ही जापान के सत्ताधारी दल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी में प्रधानमंत्री पद के लिए घमासान शुरू हो गया है। पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने इस पद के लिए दावा जताते हुए कहा कि वह अपना सारा राजनीतिक अनुभव देश और पार्टी के सेवा के लिए समर्पित करने को कृत-संकल्प हैं।

मंत्रिमंडलीय मुख्य सचिव योशिमासा हयाशी ने भी इस पद की उम्मीदवारी के लिए दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार एलडीपी मंगलवार को चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया का निर्धारण करेगी। मोतेगी और हयाशी दोनों ने पिछली बार भी प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारी की थी। मोतेगी एलडीपी पॉलिसी प्रमुख के रूप में भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा अन्य दावेदारों में पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी भी शामिल हैं। इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दिया था क्योंकि जुलाई में उच्च सदन में पार्टी की हार के बाद से उनसे हार की जिम्मेदारी लेने और पद से इस्तीफा देने की लगातार मांग हो रही थी।

अमेरिका में भारतीय युवक की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। हरियाणा के जींद जिले के एक युवक कि अमेरिका के कैलिफोर्निया में कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब उसने एक स्थानीय को उस दुकान के बाहर सड़क पर पेशाब करने से रोका, जहां वह काम करता था।

जींद के बराह कलां गांव के प्रधान सुरेश गौतम ने बताया कि उनके गांव के युवक कपिल (26) की शनिवार को हत्या कर दी गई, जो करीब तीन साल पहले डंकी रूट से अमेरिका गया था। गांव के मुखिया ने पीड़ित परिवार के हवाले से फोन पर बताया, "कपिल को एक स्थानीय निवासी ने तब गोली मार दी जब उसने उसे सार्वजनिक स्थान पर पेशाब करने से रोकने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि कपिल अमेरिका में एक दुकान में सुरक्षा कर्मी के तौर पर काम करता था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 18.28 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

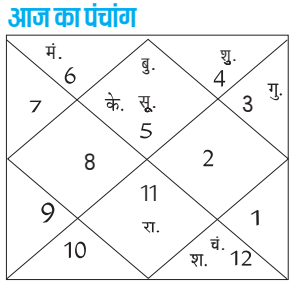

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 18.07 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज उच्च अधिकारियों से तनाव हो सकता है। जीवनसाथी के लिए समय अवश्य निकालें। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को थोड़ी परेशानी हो सकती है। सेहत का पर्याप्त साथ नहीं मिलेगा। थकान और अनिद्रा की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में लोग आपके प्रति आकर्षित रहेंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। लोग आपके सुझावों पर अमल करेंगे। धर्म-कर्म में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग में आपको भारी छूट का लाभ मिल सकता है।

मिथुन — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप जिस कार्य को हाथ में लेंगे उसे समय पर पूर्ण कर लेंगे। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। कारोबार के लिए आपको रणनीति बनानी पड़ेगी। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को बड़ा लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज व्यवसाय में धन लाभ के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। विचारों की अभिव्यक्ति में खुलेपन के कारण लोग आपके विरोध में आ सकते हैं। बौद्धिक कार्यों में आप रुचि लेंगे। अपनी बातों और विचारों को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ रहेंगे।

सिंह — आज लोग आपके जिद्दी व्यवहार के कारण नाराज हो सकते हैं। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें। पुराने लोन को लेकर परेशानी हो सकती है। विरोधियों को कमजोर समझने की भूल करना भारी पड़ सकता है। विवादित मामलों पर चर्चा करने से बचें।

कन्या — आज मन में उदासीनता का भाव रहेगा। प्रतिस्पर्धा पर आपको विजय प्राप्त हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। संपत्ति के मामले काफी अनुकूल रहेंगे। संगीत और अभिनय को लेकर आप रुचि ले सकते हैं।

तुला — आज छोटे-मोटे खर्चों को लेकर अधिक तनाव न लें। व्यापारी वर्ग को कारोबार के नए अनुबंध करने पड़ सकते हैं। किसी पुराने कर्ज को चुका सकते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन उत्तम रहने वाला है। शरीर में चुस्ती और स्फूर्ति रहेगी।

वृश्चिक — आज व्यावसायियों की दैनिक आय में वृद्धि की संभावना बन रही है। परिवार में आपसी तालमेल बेहतरीन रहेगा। दृढ़ इच्छाशक्ति के बलबूते कठिन कार्य भी आसानी से पूर्ण कर लेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी सहभागिता बढ़ने की संभावना है।

धनु — आज मौसम में आ रहे बदलावों को लेकर सावधान रहें। धन खर्च करते समय कंजूसी न करें। मानसिक अशांति से छुटकारा मिलेगा। परिजनों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

मकर — आज शीघ्रता में सभी काम निपटाने का प्रयास करेंगे। प्रेम-संबंधों को लेकर भावुक रहेंगे। जॉब को लेकर थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।आपकी कोई इच्छा पूर्ण हो सकती है। शेयर मार्केट से अपेक्षित धन लाभ प्राप्त होगा।

कुंभ — आज पारिवारिक वातावरण सुखमय रहेगा। युवा अपने करियर को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। सम्मानित लोगों का मार्गदर्शन मिल सकता है। किसी परिजन के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ेगा। अपनी योजनाओं को सार्वजनिक न करें।

मीन — आज पूर्व में लिए गए निर्णय आपको लाभ पहुंचाएंगे। छोटे स्तर पर किया गया व्यवसाय लाभप्रद होगा। दूसरों पर आपको निर्भर रहना पड़ेगा। उच्च अधिकारियों से पुरस्कार मिल सकता है। दोपहर के बाद परिस्थितियां धीरे-धीरे अनुकूल होने लगेंगी।

सुडोकू-94

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5	9		2		3	
	3							9
		8				5	4	
6		2		8		3		
		1			3	9		
		4		7				2
5	8					2		
7							1	
	1		3		6	4		

सुडोकू - 93 का हल

1	3	2	6	9	5	4	7	8
9	7	4	3	8	1	5	6	2
8	6	5	7	4	2	9	3	1
3	5	9	8	6	7	1	2	4
6	4	8	2	1	3	7	9	5
2	1	7	9	5	4	6	8	3
7	8	1	5	3	6	2	4	9
4	2	3	1	7	9	8	5	6
5	9	6	4	2	8	3	1	7

टीम को अपने व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम से बेहतर तरीके से निपटना सीखना होगा। बेन डकेट, जेमी स्मिथ और हैरी ब्रुक इस गर्मी में अब तक इंग्लैंड के 15 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में लगातार मौजूद रहे हैं। तीनों खिलाड़ी अगले हफ्ते आयरलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे। -ब्रेंडन मैकुलम

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 9 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अनन्या और दिव्यांशी ने युगल खिताब जीता

स्कोपिया (मैसेडोनिया) : अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई।

भारतीय टेबल टेनिस का भविष्य उज्ज्वल

नई दिल्ली : द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता राष्ट्रीय कोच संदीप गुप्ता ने सोमवार को कहा कि दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल के हाल ही में संन्यास लेने के बावजूद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अच्छा पूल होने के कारण भारतीय टेबल टेनिस का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। गुप्ता फिलहाल राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में व्यस्त हैं, जो 13 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में आयोजित की जा रही है। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा के बचपन के कोच गुप्ता ने कहा कि इस टूर्नामेंट में लगभग 3000 प्रतिभागियों का शामिल होना, पूरे भारत में इस खेल के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल में मिली हार

ग्वांगजू : भारत की स्वर्ण पदक विजेता कंपाउंड टीम के सदस्य ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। इस हार के मायने हैं कि भारत विश्व चैंपियनशिप में पुरुष कंपाउंड वर्ग का व्यक्तिगत स्वर्ण बरकरार रखने में नाकाम रहा। ओजस देवताले बर्लिन में 2023 में विश्व चैंपियन बने थे । इस बार ट्रायल में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण वह भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके। महिला व्यक्तिगत वर्ग के मुकाबले अभी होने हैं। तीनों ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

भारत नेशन्स कप में तीसरे स्थान पर रहा

हिसोर (ताजिकिस्तान) : भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सोमवार को यहां ओमान को पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से हराकर सीएएफए नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत ने पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को इतिहास में पहली बार शिकस्त दी। भारतीय टीम ने किसी अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। नियमित और अतिरिक्त समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था जिसके बाद नतीजे के लिए शूट आउट का सहारा लिया गया। शूट आउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरुआती दो मौके गंवा दिए जबकि गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोककर तीसरे-चौथे स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की।

अल्काराज ने सिनर पर अपनी श्रेष्ठता फिर से साबित की

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- यूएस ओपन में कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर को हराकर बेहतर किया रिकॉर्ड
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के कारण हजारों प्रशंसक स्टेडियम के बाहर घंटों फंसे रहे

कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए चार सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीत लिया।

इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अमेरिकी ओपन का फाइनल फ्रेंच ओपन में चैंपियनशिप का फैसला करने वाले उनके मुकाबले जितना लंबा, रोमांचक और नाटकीय नहीं था, जहां अल्काराज चैंपियन बने थे। यह विंबलडन के फाइनल जितना सार्थक और कथानक आधारित भी नहीं था, जहां सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार का बदला चुकता किया था। फिर भी रविवार को दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज की नंबर एक सिनर पर 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से जीत वाकई अहम रही। अल्काराज ने गत चैंपियन पर अपनी श्रेष्ठता फिर से स्थापित की, एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और टेनिस प्रशंसकों को उनके अगले मुकाबले का बेसब्री से इंतजार करने पर मजबूर कर दिया। यह दोनों खिलाड़ी टेनिस के इतिहास में एक ही सत्र में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक दूसरे का सामना करने वाले पहले दो पुरुष खिलाड़ी हैं। पुरस्कार समारोह के दौरान अल्काराज ने मजाक में कहा मैं आपको अपने परिवार से ज्यादा देख रहा हूं।

विंबलडन की हार के बाद ही मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने उस मैच को देखा और अपने कोच के साथ मिलकर अपनी गलतियों पर काम किया। मुझे खुशी है कि मैं यहां ट्रॉफी जीतने में सफल रहा। -कार्लोस अल्काराज

मैं उन्हें पूरा श्रेय देता हूं क्योंकि उन्होंने मेरी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसरों पर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और जब जरूरत थी तब अंक हासिल किए। -यानिक सिनर

मैच की शुरुआत लगभग आधे घंटे देर से हुई, जबकि हजारों प्रशंसक आर्थर ऐश स्टेडियम के बाहर फंसे रहे और उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा से गुजरना पड़ा, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैच देखने के लिए प्रायोजक के सुइट में बैठे थे।

यूएस ओपन की ट्रॉफी के साथ कार्लोस अल्काराज (दाएं) व उपविजेता यानिक सिनर।

2.42 घंटे लंबा चला मुकाबला

- **न्यूयॉर्क :** दो घंटे 42 मिनट की इस जीत से स्पेन के अल्काराज़ ने इटली के सिनर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड भी और बेहतर कर दिया। इन दोनों के बीच जितने मुकाबले खेले गए हैं उनमें अल्काराज़ का रिकॉर्ड 10-5, ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 6-4 और अमेरिकी ओपन में 2-1 हो गया है। अल्काराज़ का यह छठा ग्रैंड स्लैम खिताब है। अल्काराज़ ने शुरू से ही खेल पर नियंत्रण बना दिया। सिनर ने कुछ अवसरों पर वापसी की कोशिश की। अल्काराज़ ने दोगुने विनर्स (42-21) के साथ मैच समाप्त किया जिससे मैच में उनके दबदबे का पता चलता है।

खिताब की प्रबल दावेदार है टीम इंडिया

एशिया कप टी-20 : आज से शुरू हो रहा है टूर्नामेंट, भारत कल अफगानिस्तान से भिड़ेगा

दुबई, एजेंसी

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम मंगलवार से शुरू हो रहे एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट पाकिस्तान और श्रीलंका के मौजूदगी के बावजूद खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच अबू धाबी में होने वाले मैच से होगी, लेकिन सभी की निगाहें दुबई पर टिकी होंगी, जहां सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात पर बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

एशिया कप इससे पहले टी-20 विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसके बावजूद भारतीय टीम एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

भारत का एशिया कप में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और इस बार तो पूरा शक्ति संतुलन उसके पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में उसे हराना किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। भारतीय टीम को लेकर आत्मविश्वास इतना अधिक है कि चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक बार भी एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा स्वीकृत 17 सदस्यीय टीम चुनने पर विचार नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह 15 खिलाड़ियों को चुना, भले ही इसका मतलब श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को बाहर रखना हो।

नौवीं बार महाद्वीपीय खिताब जीतने से (सात बार वनडे प्रारूप में और वर्ष 2016 में एक बार टी-20 प्रारूप में) न तो सूर्यकुमार को और न ही गंभीर को कोई अतिरिक्त श्रेय मिलेगा। लेकिन ट्रॉफी से कम कुछ भी आलोचनाओं को आमंत्रित करेगा, क्योंकि साढ़े चार महीने बाद भारत और श्रीलंका टी-20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे।

सूर्यकुमार की टीम विश्व कप से पहले लगभग 20 मैच खेलेगी जिसमें एशिया कप का फाइनल भी शामिल है। भारत इन मैच से विश्व कप के लिए सही संयोजन तैयार करना चाहेगा। भारत इस प्रारूप में इतना मजबूत है कि वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तीन टीम उतार सकता है। सूर्यकुमार अब तक शानदार कप्तान रहे हैं और उनका जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है, लेकिन अब नेतृत्व समूह में उप-कप्तान शुभमन गिल होंगे।

जिस तरह से भारतीय बल्लेबाजों ने टी-20 बल्लेबाजी को नया स्वरूप प्रदान किया है तथा आईपीएल के अनुभव को देखते हुए पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी टीमों के लिए उसकी बराबरी करना मुश्किल हो गया है, जो डेढ़ दशक पहले तक बराबरी पर थीं।

दुबई में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम। एजेंसी

संजू सबसे पहले पहुंचे अभ्यास करने

- **दुबई :** भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप से पहले सोमवार की शाम को आईसीसी क्रिकेट अकादमी पर अभ्यास किया। संजू सैमसन सबसे पहले फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ अकेले विकेटकीपिंग अभ्यास करने पहुंचे। बाकी उस समय धीरे-धीरे पहुंच रहे थे। सैमसन पूरी एकाग्रता के साथ अभ्यास कर रहे थे और अपने दाहिने ओर पूरी डाइव लगाकर कैच लपकने पर उनकी तारीफ भी हुई। शिवम दुबे, तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या के साथ बारी-बारी से बल्लेबाजी अभ्यास किया। जब ये चारों बल्लेबाजी कर रहे थे तब सैमसन बल्लेबाजी के गियर पहनकर मैदान पर पहुंचे, लेकिन कुछ समय बाद एक कोने में ड्रेसिंग रूम क्लब हाउस के पास पेड़ के पीछे बैठ गए। रिंकू सिंह ने पैड भी नहीं पहने थे जिससे संकेत मिल गया कि वह शायद अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं हों। गंभीर का फोकस बल्लेबाजी की गहराई और हरफनमौलाओं पर है।

सिराज महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

दुबई, एजेंसी

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को सोमवार को इंग्लैंड दौरे के पांचवें और अंतिम टेस्ट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। सिराज के साथ न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी इस सूची में शामिल है।

सिराज ने इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज के सभी मैचों को खेला और 23 विकेट चटकाए। जून के अंत में शुरू यह शृंखला अगस्त की शुरुआत में खत्म हुई। सिराज ने पांचों टेस्ट में 185.3 ओवर डाले और अपनी रफ्तार कम किए बिना युवा और कम अनुभव वाले भारतीय टीम को 2-2 से ड्रॉ करने में मदद की। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा मोहम्मद सिराज ने अगस्त में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन उस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी उन्हें नामांकन दिलाने के लिए काफी थी। इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के अंतिम टेस्ट में इस भारतीय तेज गेंदबाज ने 21.11 की औसत से नौ विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने बहुत दृढ़ संकल्प के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया। शृंखला के शुरुआती चार मैच खेलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 46 से अधिक ओवर डाले। आईसीसी ने कहा उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए और उसके बाद दूसरी पारी में शानदार पांच विकेट लिए। दूसरी पारी में उनके निर्णायक स्पैल ने भारत को जीत दिलाई, जिससे सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई। इस शानदार प्रयास के लिए सिराज को इस मैच का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड के हेनरी को जिम्बाब्वे में टेस्ट सीरीज में जीत के दौरान शानदार प्रदर्शन के लिए नामांकित किया गया है।

- इंग्लैंड दौरे के पांचवें टेस्ट में शानदार प्रदर्शन का मिला लाभ
- न्यूजीलैंड के मैट हेनरी व वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी सूची में शामिल

रिकॉर्ड 35 भारतीय करेंगे पदार्पण

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होगी

भारत के रिकॉर्ड 35 एथलीट 27 सितंबर से पांच अक्टूबर तक यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदार्पण करेंगे।

पदार्पण करने वाले एथलीट में महेंद्र गुर्जर भी शामिल हैं जिन्होंने इस साल स्विट्जरलैंड में नोटविल ग्रां प्री में पुरुष एफ42 भाला फेंक स्पर्धा में 61.17 मीटर के प्रयास के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अभी पटियाला में ट्रेनिंग कर रहे गुर्जर विश्व चैंपियनशिप में पहली बार शिरकत करते हुए अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

पहली बार भाग लेने वालों में अतुल कौशिक (चक्का फेंक एफ57), प्रवीण (चक्का फेंक एफ46), हैनी (चक्का फेंक एफ37), मित पटेल (लंबी कूद टी44), मंजीत (भाला फेंक एफ13), विशु (लंबी कूद टी12), पुष्पेंद्र सिंह (भाला फेंक एफ44), अजय सिंह (लंबी कूद टी47), शुभम जुयाल (गोला फेंक एफ57), बीरभद्र सिंह (चक्का फेंक एफ57), दयावंती (महिला 400 मीटर टी20), अमीषा रावत (महिला गोला फेंक एफ46), आनंदी कुलंथायसामी (क्लब थ्रो एफ32) और सुचित्रा परिदा (महिला भाला फेंक एफ56) शामिल हैं। भारत की अब तक की सबसे बड़ी पैरा खेल मानी जा रही इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक देशों के 2200 से अधिक खिलाड़ी और अधिकारी 186 पदक स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

राइफल और पिस्टल मिश्रित टीम विश्व कप कल से

निंगबो (चीन) : भारत के मिश्रित टीम राइफल और पिस्टल निशानेबाज मंगलवार से यहां शुरू हो रहे आईएसएसएफ विश्व कप में भाग लेंगे। राइफल और पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धायें निंगबो ओलंपिक खेल केंद्र पर होंगी।

भारत ने 24 सदस्यीय टीम भेजी है जिसमें राष्ट्रीय रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के निशानेबाज भाग लेंगे। पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन और ओलंपियन रमिता जिंदल जूनियर विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता उमामहेश मेदिनेनी के साथ खेलेंगी।

नीतीश कुमार विजेता टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 लाख देंगे

पटना, एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एशिया कप 2025 जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की । भारत ने रविवार को राजगीर में पुरुष हॉकी एशिया कप के फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि राजगीर स्थित खेल परिसर में पहली बार आयोजित एशिया कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार जीत दर्ज की । इस जीत से पूरा देश गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री ने लिखा एशिया कप 2025 की विजेता भारतीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ सदस्य को 5 लाख रुपये का मानदेय दिया जाएगा।

भारतीय टीम इससे पहले 2017 में ढाका में, 2007 चेन्नई में और 2003 में कुआलालंपुर में आयोजित एशिया कप पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर चुकी है। इस जीत के साथ ही भारत ने अगले साल एफआईएच विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई कर लिया है।

जैसमीन विश्व मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल (इंग्लैंड) : राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहले पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि भारत के दो अन्य मुक्केबाज हारकर बाहर हो गए।

जैसमीन ने महिलाओं के 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जूसीलेन सेरकीरा रोमेउ को 5.0 से हराया। दोनों में जुलाई में अस्ताना टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला हुआ था जिसमे जैसमीन जीती थीं।

महिला एशिया कप में भारत ने सिंगापुर को 12-0 से रौंदा

हांगझोउ (चीन), एजेंसी

नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को एशिया कप के पूल बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से रौंदा।

नवनीत (14वां, 18वां, 28वां मिनट) और मुमताज खान (दूसरा, 32वां और 38वां मिनट) के अलावा, नेहा (11वां मिनट, 38वां मिनट) ने दो जबकि लालरेम्सियामी (13वां मिनट), शर्मिला देवी (45वां मिनट) और रुतुजा पिसल (52वां मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे।

विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारत ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था, जबकि गत चैंपियन जापान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत अपना अगला मैच सुपर चार चरण में पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा।

विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज सिंगापुर के खिलाफ भारतीय टीम ने दो मिनट के अंदर ही गोल कर शानदार शुरुआत की। मुमताज के सर्कल के कोने से लगाए जोरदार रिवर्स शॉट का सिंगापुर की रक्षापंक्ति के पास कोई जवाब नहीं था।भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर अपना दबदबा कम नहीं होने दिया और आठवें मिनट में टीम ने पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन यह प्रयास जाया हो गया। टीम ने 11वें से 14 वें मिनट के अंदर तीन गोल कर पहले क्वार्टर में ही सिंगापुर को बैकफुट पर धकेल दिया।

एशिया कप में सिंगापुर के खिलाफ गोल का प्रयास करतीं भारतीय खिलाड़ी।

हॉकी टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका देने का मिला लाभ

राजगीर (बिहार) : भारतीय हॉकी टीम के लिए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को हटाकर युवा खिलाड़ियों को मौका देने का दांव एशिया कप में सही साबित हुआ। जिसके फाइनल में टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 के बड़े अंतर से हराकर आठ साल बाद इस खिताब जीतने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप का टिकट पक्का किया।

यह जीत टीम को भविष्य में और बदलाव कर युवाओं को अधिक मौके देने के लिए प्रेरित करेगी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के तीन खिलाड़ियों, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और नीलकंठ शर्मा को की जगह मिडफील्डर राजिंदर सिंह और स्ट्राइकर शिलानंद लकड़ा को टीम में शामिल किया गया था। यह कदम एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ।

अगला लक्ष्य | हॉकी एशिया कप जीतने के बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सभी खिलाड़ियों को सराहा

अब हमारा पूरा ध्यान विश्व कप पर

राजगीर (बिहार), एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हीरो एशिया कप 2025 का खिताब जीतने के बाद सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अब हमारा पूरा ध्यान अगले साल अगस्त में होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप पर होगा।

हरमनप्रीत सिंह ने कहा सभी खिलाड़ी पूरी तरह से एकाग्र थे। हम जानते थे कि हमें यह मैच जीतना है और हमने खुद से कहा कि विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का यही एकमात्र रास्ता है। आज एशिया की नंबर एक टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरते हुए, हम अपनी उम्मीदों पर खरा उतरना चाहते थे। हालांकि हमने अपनी उम्मीदों के मुताबिक शुरुआत नहीं की, खासकर पिछले तीन मैचों में, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया और यही हमारे प्रदर्शन का स्तर है। इसने हमें एक टीम के रूप में अपनी क्षमता का एहसास दिलाया।

कोरिया के खिलाफ टीम के प्रदर्शन के बारे में दिग्गज ड्रैगफ्लिकर ने कहा हर मैच से कुछ न कुछ सीख मिलती है। कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ एक ऐसा झटका था, जिससे हम उबरना चाहते थे और हमने फाइनल में इसे पलट दिया। मैं टीम की रक्षापंक्ति की खास तौर पर सराहना करूंगा। हर खिलाड़ी ने मजबूत डिफेंस में योगदान दिया। हमारे फॉरवर्ड ने कई मौके बनाए और गोल में तब्दील किए। अब, हमारा ध्यान विश्व कप पर है और हमारे पास तैयारी के लिए एक साल है। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा गर्म परिस्थितियों में 10 दिनों में सात मैच खेलना आसान नहीं है। यह वाकई मुश्किल है, लेकिन मुझे टीम पर बहुत गर्व है और उन्होंने सचमुच चैंपियन की तरह खेला है। हालांकि हमने सुपर चार में कोरिया के साथ मैच ड्रॉ किया था, पर उनके मुकाबले हमारे आंकड़े तिगुने थे, हम उस रात मैच खत्म नहीं कर पाए। लेकिन इसने हमें फाइनल के लिए तैयार कर दिया।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह। एजेंसी

हर मैच को पूरी गंभीरता से लिया

- भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह कहा हमने हर मैच को पूरी गंभीरता से लिया। मलेशिया के साथ मैच क्वार्टर फाइनल की तरह और चीन के साथ मैच सेमीफाइनल की तरह खेला और उस मैच ने हमें सचमुच दिखाया कि हम क्या कर सकते हैं। फुल्टन ने कहा 2026 की शुरुआत में प्रो लीग सीजन शुरू होने से पहले सुल्तान अजलान शाह टूर्नामेंट, दक्षिण अफ्रीका दौरा और फिर हॉकी इंडिया लीग है। हमारे पास विश्व कप की अच्छी तैयारी के लिए एक साल है, लेकिन फिलहाल हम इस जीत का पूरा आनंद लेंगे।